धनबाद
सोमवार 20.07.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-148 पृष्ठ- 12
आषाढ़ शुक्ल पक्ष-6
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

संसद का मानसून सत्र आज से, सर्वदलीय बैठक से पहले विपक्ष ने दिखाई ताकत

टीएमसी के 20 सांसदों को बैठक में बुलाने का विरोध करते हुए किया वॉकआउट, केंद्र सरकार को घेरने के लिए विपक्ष एकजुटता के साथ तैयार

नई दिल्ली (ईएमएस): संसद का मॉनसून सत्र सोमवार को हंगामेदार तरीके से शुरू होने वाला है। विपक्ष परीक्षा पेपर लीक, एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के विरोध प्रदर्शन, अयोध्या में राम मंदिर में कथित दान की चोरी, पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है।

यह सत्र ऐसे समय में हो रहा है जब अप्रैल में संसद के दोनों सदनों की पिछली बैठक के बाद से विपक्ष का ही रूप बदल गया है। चार विपक्षी पार्टियों के करीब ३७ सांसदों ने भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए का साथ दिया है। इससे सरकार को संख्या बढ़ाने में मदद मिल सकती है क्योंकि वह महिला आरक्षण एक्ट को लागू करने और संसद और राज्य विधानसभाओं की ताकत बढ़ाने के लिए एक कानूनी पैकेज फिर से पेश करना चाहती है। अप्रैल में लोकसभा टेस्ट में इसकी कोशिशें फेल हो गई थीं। इसके बाद विपक्षी पार्टियों में हुई फूट ने एनडीए गठबंधन की संख्या बढ़ा दी है, लेकिन विपक्षी खेमे में कड़वाहट और मनमुटाव की भावना को बढ़ा दिया है।

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक राजनीतिक टकराव की भेंट चढ़ गई। बैठक में उस समय विवाद खड़ा हो गया जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से अलग हुए २० बागी सांसदों के नए गुट के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया। इसे लेकर कांग्रेस, टीएमसी, समाजवादी पार्टी, डीएमके, शिवसेना (यूबीटी), आम आदमी पार्टी, लेफ्ट समेत अधिकांश विपक्षी दलों ने विरोध जताते हुए बैठक से वॉकआउट कर दिया। हालांकि कुछ देर बाद सभी दल दोबारा बैठक में शामिल हो गए। बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। इसमें करीब ४० राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

बागी सांसदों को बुलाए जाने से नाराज विपक्ष

हालांकि सरकार के सूत्रों ने कहा कि संसद में तेजी से बदलते हालात को देखते हुए बिल पेश करने से पहले उसे वेट-एंड-वॉच अप्रोच अपनाना होगा। रविवार को विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक से वॉकआउट कर दिया क्योंकि सरकार ने तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट को बुलाया था, जिसका नेशनलिस्ट सिटिज़न्स पार्टी ऑफ़ इंडिया नाम के एक राजनीतिक दल में विलय हो गया है। डीएमके और आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं हो रही हैं। सर्वदलीय बैठक में हुए इस विवाद ने साफ संकेत दे दिए हैं कि सोमवार से शुरू हो रहा संसद का मानसून सत्र हंगामेदार रहने वाला है। विपक्ष जहां टीएमसी के बागी सांसदों के मुद्दे, अयोध्या, मणिपुर, किसानों और अन्य राष्ट्रीय विषयों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है, वहीं सरकार विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने और सदन को सुचारु रूप से चलाने पर जोर दे रही है। ऐसे में सत्र की शुरुआत से पहले ही राजनीतिक माहौल पूरी तरह गर्म हो चुका है और आने वाले दिनों में संसद के भीतर तीखी नोकझोंक देखने को मिल सकती है।

विपक्ष राम मंदिर में कथित चोरी का मामला भी उठाने की योजना बना रहा है। उसे उम्मीद है कि इसका भाजपा के बड़े हिंदुत्व वोटर पर असर पड़ेगा। ▶▶ 8

पुंछ में फ्लैश फ्लड और लैंडस्लाइड से 16 लोगों की मौत, किश्तवाड़ में फटा बादल

फंसे लोगों को निकालने युद्धस्तर पर कार्य जारी, सीएम ने दिल्ली दौरा बीच में छोड़ा

जम्मू,(ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में रविवार तड़के मूसलाधार बारिश ने तबाही मचाई। भारी बारिश के कारण फ्लैश फ्लड और भूस्खलन में कम से कम १६ लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि सबसे ज्यादा प्रभावित सुरनकोट तहसील में सभी मौतें दर्ज की गई हैं। राहत एवं बचाव दल मौके पर तैनात हैं और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने, प्रभावित क्षेत्रों को खाली कराने और राहत पहुंचाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किश्तवाड़ में बादल फटा है। इसके चलते व्यापक पैमाने पर तबाही मची। घर-मकान को नुकसान पहुंचा है। राजौरी में भी भारी से बहुत भारी बारिश के चलते हालात खराब हैं। प्रशासन ने लोगों को अनावश्यक यात्रा न करने की सलाह दी है। अभी तक १६ लोगों के मरने की सूचना मिली है। इसके अलावा कई अन्य अभी भी लापता हैं, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने का अंदेशा जताया गया है।

नूनाबंदी गांव में मकान गिरने से एक ▶▶ 8

वंदे मातरम् के अपमान पर सजा के प्रावधान का प्रस्ताव

अमित शाह आज राज्यसभा में पेश करेंगे विधेयक

नई दिल्ली (ईएमएस): संसद के मानसून सत्र के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को राज्यसभा में एक विधेयक पेश करेंगे, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गान जन गण मन के समान कानूनी संरक्षण प्रदान करना है।

प्रस्तावित विधेयक के तहत राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम संबंधी कानून में संशोधन कर राष्ट्रीय गीत के अपमान या उसके गायन में जानबूझकर बाधा डालने को दंडनीय अपराध बनाने का प्रावधान किया गया है।

प्रस्तावित संशोधन के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर वंदे मातरम् का अपमान करता है, उसके गायन में व्यवधान उत्पन्न करता है या उसके सामूहिक गायन को बाधित करता है, तो उसे तीन वर्ष तक के कारावास, जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकेगा।

वर्तमान में राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम के तहत राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय ध्वज और अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान को कानूनी संरक्षण प्राप्त है। राष्ट्रीय गान के दौरान जानबूझकर व्यवधान उत्पन्न करने या उसका अपमान करने पर पहले से ही तीन वर्ष तक की सजा का प्रावधान है।

प्रस्तावित संशोधन के जरिए यही कानूनी संरक्षण राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् तक भी विस्तारित करने का प्रयास किया जा रहा है।

यह विधायी पहल केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा ९ जुलाई को राज्यों को जारी उस परामर्श के बाद सामने आई है, जिसमें सरकारी कार्यक्रमों के दौरान जन गण मन से पहले वंदे मातरम् के गायन या वादन की व्यवस्था करने की सलाह दी गई थी। प्रस्तावित विधेयक पर संसद के मानसून सत्र में विस्तृत चर्चा होने की संभावना है।

एक्सप्रेस पर टूटा ओवरहेड इलेक्ट्रिक तार

जमशेदपुर (ईएमएस): झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में रविवार सुबह टाटा-हावड़ा स्टील एक्सप्रेस के साथ एक बड़ा रेल हादसा टल गया।

गालूडीह थाना क्षेत्र में स्वर्णरिखा नदी पर बने रेलवे पुल के पास ट्रेन के गुजरने के दौरान ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) तार टूटकर कोच की छत पर गिर गया, जिससे ट्रेन बीच पुल पर ही रुक गई। घटना में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन इसके कारण टाटा-हावड़ा रेलखंड पर रेल परिचालन प्रभावित हो गया।

जम्मू-कश्मीर में एक सप्ताह में दूसरा संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन बरामद

सांबा जिले के खेतों से मिला ड्रोन फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

जम्मू (ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया है। पिछले एक सप्ताह के भीतर इस तरह का दूसरा ड्रोन मिलने से सीमा पार से होने वाली संदिग्ध गतिविधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों के अनुसार, टेरिटोरियल आर्मी के जवानों ने शनिवार देर रात पुरमंडल क्षेत्र के सांगर गांव के खेतों में तलाशी अभियान के दौरान संदिग्ध ड्रोन बरामद किया। प्रारंभिक जांच के बाद ड्रोन को कब्जे में लेकर फोरेंसिक परीक्षण के लिए भेज दिया गया है, ताकि उसके उत्पनादन क्षेत्र, तकनीकी क्षमता और संभावित उद्देश्य का पता लगाया जा सके। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हाल के दिनों में लगातार ड्रोन मिलने की घटनाएं सीमा पार से घुसपैठ, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी अथवा खुफिया गतिविधियों से जुड़ी हो सकती हैं।

गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता नहीं होती: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता के दायरे में नहीं आता है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि कोई शब्द तभी अश्लील माना जाएगा, जब वह कामुकता को बढ़ावा देने वाला हो या लोगों को भ्रष्ट करने की प्रवृत्ति रखता हो। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के एक मामले में सुनवाई करते हुए की। आरोपी मणि को जमीन विवाद के दौरान मां की गाली देने के लिए अश्लीलता के आरोप में दोषी ठहराया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त २०१७ में जमीन विवाद को लेकर आरोपी ने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज की थी। पीड़ित का आरोप था कि आरोपी ने जातिसूचक शब्द भी कहे। बाद में घर से हथियार लाकर हमला कर दिया, जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गई। सुप्रीम कोर्ट ने अश्लीलता और आपराधिक धमकी के आरोपों से आरोपी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि गाली देने से किसी को परेशानी हुई, यह साबित नहीं हुआ। हालांकि, शिकायतकर्ता को गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में उसकी सजा बरकरार रखी है। आरोपी की उम्र करीब ७० साल होने और स्वास्थ्य स्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने उसकी सजा को घटाकर कोर्ट उठने तक की सजा दी। साथ ही, उसे २ महीने के अंदर ५०,००० रुपए का जुर्माना भरने का निर्देश दिया है।

भारत को ऑस्ट्रेलिया लौटाएगा 200 करोड़ का चोरी हुआ खजाना

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया ऑस्ट्रेलिया दौरे के ठीक बाद दोनों देशों के कूटनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों में एक बेहद ऐतिहासिक मोड़ आया है। दुनिया के एक बेहद शक्तिशाली देश ऑस्ट्रेलिया ने भारत के साथ अपनी गहरी दोस्ती का अनूठा सबूत देते हुए बिना किसी औपचारिक मांग के भारत से चोरी हुआ अरबों का खजाना लौटाने का ऐलान किया है। ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने वैश्विक मंच पर स्पष्ट किया है कि भारत की प्राचीन अमानत को अपने पास रखना नैतिक रूप से गलत है। उन्होंने कहा कि उनका देश अब खुद आगे बढ़कर अपने सभी संग्रहालयों की सघन जांच करेगा और वहां मौजूद भारत की बेशकीमती मूर्तियों और ऐतिहासिक विरासतों को ढूंढ-ढूंढकर ससम्मान वतन वापस भेजेगा।

यह पूरा घटनाक्रम तब गति पकड़ गया जब ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने पीएम मोदी के दौरे के वक्त कई प्राचीन भारतीय कलाकृतियों को सौंपने की घोषणा की थी। गृह मंत्री टोनी बर्क ने इसे महज एक कूटनीतिक औपचारिकता मानने से इनकार करते हुए कहा कि किसी भी देश को चोरी को जायज नहीं ठहराना चाहिए। यदि आपके पास कोई ऐसी चीज है जो कानूनी तौर पर आपकी नहीं है, तो उसे अपने पास रखना चोरी ही कहलाता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की नेशनल गैलरी का उदाहरण दिया, जिसने अतीत में भगवान शिव की एक प्राचीन मूर्ति का दावा सही न पाए ▶▶ 8

अभिषेक बनर्जी को कलकत्ता हाई कोर्ट से राहत टीएमसी ऑफिस पर नहीं चलेगा बुलडोजर

कोलकाता (ईएमएस): कलकत्ता हाई कोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी के आमतला पार्टी ऑफिस को गिराने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि अगले आदेश तक कोई और कार्रवाई नहीं की जा सकती। यह आदेश कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस राजा बसु चौधरी ने दिया। अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को आमतला पार्टी ऑफिस बुलडोजर मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उनके वकील ने रविवार को छुट्टी के दिन अर्जेंट हियरिंग की रिक्वेस्ट की। पहले सुनवाई दोपहर १२ बजे ▶▶ 8

हवा में गायब हो जाता है ये मिस्टर इंडिया वाला ड्रोन

नई दिल्ली (ईएमएस): विज्ञान और रोबोटिक्स के क्षेत्र में वैज्ञानिकों ने एक ऐसी सनसनीखेज ईजाद की है, जो भविष्य के युद्धक्षेत्रों और निगरानी तंत्र को पूरी तरह बदल कर रख देगी। अमेरिका की नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के इंजीनियरों ने एक ऐसा क्रांतिकारी ड्रोन विकसित किया है, जो उड़ान भरते ही आसमान में मिस्टर इंडिया की तरह लगभग गायब हो जाता है। इस अनूठी तकनीक को एक हालिया रोबोटिक्स कॉन्फ्रेंस में कम्प्यूटेशनल डिजाइन ऑफ ए लो-विजिबिलिटी यूएवी यूजिंग ह्यूमन-अलाइंड पर्सेप्चुअल मीट्रिक शीर्षक वाले रिसर्च पेपर के माध्यम से दुनिया के सामने पेश किया गया है।

आमतौर पर ड्रोन को अदृश्य बनाने के लिए वैज्ञानिक पारदर्शी सामग्री, कैमरा पेंट या विशेष लेंस का इस्तेमाल करते आए हैं, लेकिन ये तरीके धूप को रोकने और जमीन पर परछाईं बनने के कारण अक्सर नाकाम साबित होते थे। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इस समस्या का समाधान किसी महंगे मैटेरियल से नहीं, बल्कि इंसानी दृष्टि और दिमाग की एक कमजोरी का फायदा उठाकर निकाला है। इस विशेष ड्रोन का नाम फैंटम ट्विस्ट रखा गया है, जो मोशन ब्लर यानी गति के कारण पैदा होने वाले धुंधलेपन के

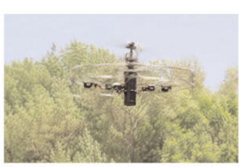

सिद्धांत पर कुशलता से काम करता है।

पारंपरिक क्वाडकॉप्टर ड्रोन का बीच का हिस्सा स्थिर रहता है और सिर्फ उसके पंख घूमते हैं, जिससे उन्हें आसमान में आसानी से देखा जा सकता है। इसके विपरीत, फैंटम ट्विस्ट एक सिंगल-मोटर एयरक्राफ्ट है। जब यह टेकऑफ करता है, तो इसका प्रोपेलर एक दिशा में घूमता है और ड्रोन की मुख्य बॉडी विपरीत दिशा में प्रति सेकेंड २५ बार तेजी से चक्राकार घूमने लगती है। चूंकि इंसानी आंखें एक निश्चित शटर स्पीड वाले कैमरे की तरह काम करती हैं, इसलिए इतनी तेज रफ्तार होने के कारण हमारा दिमाग ड्रोन के अलग-अलग हिस्सों को पहचान नहीं पाता। नतीजतन, वे बैकग्राउंड की रोशनी में मिलकर पूरी तरह ओझल हो जाते हैं। ▶▶ 8

ओएनजीसी ने 14 हजार फीट की ऊंचाई पर तैयार किए दो जियोथर्मल कुएं

लद्दाख में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की दिशा में अहम कदम

लेह (ईएमएस): लद्दाख के पुगा वैली क्षेत्र में भारत की पहली जियोथर्मल ऊर्जा परियोजना ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) एनर्जी सेंटर ने समुद्र तल से करीब १४ हजार फीट की ऊंचाई पर एक-एक हजार मीटर गहरे दो जियोथर्मल कुओं का सफल निर्माण किया है। इस परियोजना के तहत धरती के भीतर मौजूद प्राकृतिक ताप का उपयोग कर बिजली पैदा की जाएगी। शुरुआती चरण में एक मेगावाट क्षमता का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है, जिसे भविष्य में व्यावसायिक स्तर पर विस्तारित करने की योजना है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना भारत के स्वच्छ ऊर्जा अभियान और नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्य को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

लद्दाख के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने परियोजना का उद्घाटन करते हुए कहा कि पुगा वैली की यह उपलब्धि देश में कार्बन उत्सर्जन कम करने और लद्दाख को

कार्बन न्यूट्रल क्षेत्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि जियोथर्मल ऊर्जा का उपयोग पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ क्षेत्र के सतत विकास को भी मजबूती देगा।

जियोथर्मल ऊर्जा धरती के भीतर मौजूद प्राकृतिक गर्मी से प्राप्त की जाती है। इस गर्मी से बनने वाली भाप टर्बाइनों को चलाकर बिजली उत्पन्न करती है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह सौर और पवन ऊर्जा की तरह मौसम या धूप पर निर्भर नहीं रहती, बल्कि वर्षभर चौबीसों घंटे लगातार बिजली उत्पादन करने में सक्षम होती है। अत्यधिक ठंडे लद्दाख क्षेत्र में, जहां सर्दियों के दौरान तापमान शून्य से २० से ३० डिग्री सेल्सियस नीचे तक पहुंच जाता है, यह तकनीक ऊर्जा आपूर्ति का भरोसेमंद विकल्प मानी जा रही है। परियोजना से मिलने वाली बिजली का उपयोग घरों को गर्म रखने, ग्रीनहाउस खेती को बढ़ावा देने और पर्यटन से जुड़ी सुविधाओं को निर्बाध ऊर्जा उपलब्ध कराने में किया जाएगा। इससे स्थानीय लोगों को सालभर खेती के बेहतर अवसर मिलेंगे और डीजल आधारित ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता भी कम होगी। पुगा वैली को इस परियोजना के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि इसे भारत का सबसे सक्रिय जियोथर्मल क्षेत्र माना जाता है। यहां भूमिगत गर्म पानी और भाप का विशाल भंडार मौजूद है। परीक्षणों में करीब ४०० मीटर की गहराई पर १३५ डिग्री सेल्सियस तक तापमान दर्ज किया गया है, जबकि एक हजार मीटर की गहराई पर इससे अधिक तापमान मिलने की संभावना ▶▶ 8

संपादकीय

कुडनकुलम में साइबर सेंधमारी...

इसमें कोई दोराय नहीं कि समय के साथ बदलती तकनीक ने सभी क्षेत्रों में अपनी अनिवार्य जगह बनाई है और किसी भी प्रौद्योगिकी को अद्यतन तथा उपयोगी बनाए रखने के लिए यह जरूरी भी है। डिजिटल संरचना से लैस करना किसी भी संयंत्र की उपयोगिता बनाए रखने का सबसे अहम जरिया बन गया है।

मगर यह भी तथ्य है कि जैसे-जैसे हर स्तर पर डिजिटल दायरे का विस्तार हो रहा है, वैसे-वैसे साइबर फर्जीवाड़े से लेकर हमलों तक का संजाल भी फैलता जा रहा है। मामला केवल पैसों की ठगी या धोखाधड़ी तक सीमित नहीं है, बल्कि अलग-अलग बड़े महत्त्व के संस्थानों से लेकर बेहद संवेदनशील इकाइयों में भी जिस तरह साइबर सेंधमारी की घटनाएं सामने आ रही हैं, वह अब समूची दुनिया में एक व्यापक चिंता का कारण बन रही है।

हैरानी की बात यह है कि एक ओर लगभग सभी क्षेत्रों में छोटे से लेकर बड़े काम तक का डिजिटलीकरण किया जा रहा है और साइबर सुरक्षा के सवाल को सबसे महत्त्वपूर्ण बताया जा रहा है, दूसरी ओर आए दिन साइबर हमलों या फर्जीवाड़े की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी की खबरें आ रही हैं।

गौरतलब है कि तमिलनाडु के कुडनकुलम स्थित देश की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजना से जुड़े हजारों संवेदनशील और गोपनीय प्रकृति के दस्तावेज सार्वजनिक होने की खबर के बाद साइबर सुरक्षा के मसले पर व्यापक चिंता उभरी है। दरअसल, 'वर्ल्ड लीक्स' नाम से कुख्यात एक साइबर अपराधी गिरोह ने दावा किया कि उसने संयंत्र से संबंधित उन्नीस हजार से ज्यादा संवेदनशील फाइलें 'डार्क वेब' पर जारी कर दी हैं।

ज्यादा चिंता की बात यह है कि जारी दस्तावेजों को चोरी हुए डेटा की आठ लाख अट्ठावन हजार फाइलों का महज एक हिस्सा बताया गया है। जाहिर है, यह घटना देश की परमाणु ऊर्जा से संबंधित एक महत्त्वपूर्ण अवसंरचना के साइबर सुरक्षा तंत्र के मजबूत होने के दावों पर एक सवालिया निशान है। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद गंभीर घटना माना जा रहा है। हालांकि खबरों के मुताबिक, चोरी हुए डेटा में परमाणु संयंत्र के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, लेकिन जो ब्योरे उड़ाए गए, उनकी वजह से गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

अब भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम इस मामले की जांच कर रहे हैं, लेकिन यह सवाल उठा है कि जब सबसे संवेदनशील माने जाने वाले संयंत्र की साइबर सुरक्षा में सेंध लगाकर कोई गिरोह इतनी आसानी से डेटा चोरी करके बाकायदा जारी कर दे रहा है, तो किस जगह और हिस्से को सुरक्षित माना जाए।

साइबर हमलों के लिहाज से भारत फिलहाल दुनिया के सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में से एक है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले वर्ष भारत में 2.89 करोड़ खाते किसी न किसी रूप में साइबर फर्जीवाड़े की जद में आए। विडंबना यह है कि कई बार संस्थानों को अपने तंत्र में हुए साइबर हमलों के बारे में पता भी नहीं चल पाता। ऐसे में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र में हुए साइबर हमले की गंभीरता समझी जा सकती है।

पिछले कुछ समय से देश की महत्त्वपूर्ण अवसंरचनाओं पर साइबर हमलों में जैसी तेजी दर्ज की गई है, उससे साफ है कि जिस रफ्तार से हर स्तर पर डिजिटलीकरण हो रहा है, उसी अनुपात में सुरक्षा इंतजामों का जाल तैयार नहीं किया जा रहा है। खासतौर पर साइबर अपराधों में जब से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल बढ़ा है, तब ऐसे हमलों से निपटना भी जटिल हुआ है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर मंडराता खतरा

एक तरफ अमेरिका भारत से व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जुटा है, दूसरी ओर वह रूस से तेल खरीदने पर सौ फीसद आयात शुल्क लगाने की तैयारी कर रहा है। व्यापारिक रिश्तों में विरोधाभास का यह विचित्र उदाहरण है। दरअसल, अमेरिका के दोनों प्रमुख दलों के सांसदों के एक समूह ने सीनेट में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले भारत और चीन सहित पांच देशों पर सौ फीसद तक आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। इस विधेयक के पारित हो जाने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारी-भरकम शुल्क थोपने का अधिकार मिल जाएगा। इस नए परिदृश्य में भारत-अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता का क्या भविष्य होगा, यह एक बड़ा सवाल है और फिर समझौते का भी क्या महत्त्व रह जाएगा? गौरतलब है कि बीती फरवरी में व्यापार समझौते के लिए रूपरेखा तय होने पर रूसी तेल से जुड़े अतिरिक्त पच्चीस फीसद शुल्क को हटा दिया गया था। अब नए सिरे से सौ फीसद शुल्क लगाने की प्रक्रिया से प्रतीत होता है कि अमेरिका भयादोहन की नीति अपना रहा है।

हालांकि, संशोधित विधेयक को पहले के मसविदे से नरम बताया जा रहा है। शुरुआती प्रस्ताव में ट्रंप प्रशासन ने संसद में विधेयक पेश कर पांच सौ फीसद तक शुल्क लगाने की पेशकश की थी। मगर सवाल है कि कोई देश अगर रूस से तेल खरीदता है, तो उस पर अमेरिका को शुल्क लगाने का अधिकार कैसे मिल जाता है!

ईरान पर हमले से लेकर शुल्क थोपने तक के मुद्दे पर जिस तरह से राष्ट्रपति ट्रंप अपने रुख से पलटते रहे हैं, उससे अमेरिका की साख कम हुई है। यह स्पष्ट है कि दूसरे देशों को मनमाने तरीके से संचालित करने और उन पर नाहक दबाव बनाने से अमेरिका की महाशक्ति की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। दबाव बनाने और अपने मुताबिक संचालित करने के अलोकतांत्रिक कदमों से अमेरिका ने अपनी छवि धुंधली ही की है।

आज का कार्टून

बांकीपुर उपचुनाव: यकायक बदलाव से उभरने लगे सुलगते सवाल?

भोजपुरी में एक कहावत है- लइका मालिक, बूढ़ दीवान, मामला बिगड़े साँझ बिहान। यानी कि जिस घर का लड़का मालिक होता है और बूढ़ा व्यक्ति दीवान मतलब सलाहकार की भूमिका में आ जाता है तो वहां अच्छे और कार्यकुशल सुझावों पर भी विलंब से निर्णय होने के चलते मामला साँझ यानी शाम से सुबह तक कभी भी उलझ यानी बिगड़ जाता है। यदि पुरानी कुछ बातों को भूला भी दिया जाए तो हाल ही में बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा द्वारा घोषित उम्मीदवार अभिषेक कुमार सिन्हा (बंटी) का नामांकन वापस लेकर नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार बनाए जाने से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की काफी किरकिरी हुई है। चूंकि उनका चयन प्रधानमंत्री मोदी के स्तर पर यकायक हुआ है, इसलिए उँगली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ भी उठी। बात इतनी सी नहीं है, बल्कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और उनके चहेते मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सियासी रणनीति भी अचानक सवालों के घेरे में आ गई। यही वजह है कि नई दिल्ली से लेकर पाटलिपुत्र/पटना के सियासी गलियारों में राजनीतिक चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। लोग एक दूसरे से यह जानना चाह रहे हैं कि आखिर बांकीपुर उपचुनाव की उठापटक में हुए 'उम्मीदवार बदल' के निर्णायक निर्णय में किसका पलड़ा भारी रहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का या केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री सह गृहमंत्री सम्राट चौधरी का!

कमलेश पांडे

यक्ष प्रश्न है कि बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा को अपने ही घोषित उम्मीदवार को बदलने की नौबत क्यों आई? क्या यह राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष की विफलता नहीं है? क्या यह प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री या दोनों को गुमराह करके बदनाम करने की कोई नई चाल तो नहीं है? या फिर कुछ और बात है, एक तहकीकात तो बनती है, ताकि भविष्य में ऐसे फैसलों से बचा जा सके। वाकई बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा द्वारा पहले अभिषेक कुमार (बंटी) को उम्मीदवार बनाना और फिर उनका नाम वापस लेकर नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार घोषित करना स्वाभाविक रूप से कई सवाल खड़े करता है। आधिकारिक तौर पर अभिषेक कुमार ने 'पारिवारिक कारणों' का हवाला देकर नामांकन वापस लिया है।

हालांकि राजनीतिक हलकों और मीडिया चर्चाओं में कुछ संभावित कारणों की चर्चा है, जिन्हें केवल अटकलों या विश्लेषण के रूप में ही देखा जाना चाहिए। चूंकि राष्ट्रीय व सूबाई मीडिया के राजनीतिक विश्लेषण में कुछ संभावित पहलुओं पर चर्चा हो रही है जो लाजिमी है और इसप्रकार से हैं:- पहली, उम्मीदवार की पृष्ठभूमि पर मिली नई जानकारी से उभरी चिंताएं: कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि उम्मीदवार से जुड़े एक संभावित विवाद की जानकारी नामांकन के बाद सामने आने पर पार्टी ने जोखिम लेने के बजाय उम्मीदवार बदलना ही बेहतर समझा। चूंकि नामांकन के बाद कुछ ऐसी सूचनाएं सामने आईं जिन्हें पार्टी चुनावी दृष्टि से जोखिमपूर्ण मान रही थी। हालांकि इस पर भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दूसरी, स्थानीय संगठन की असहमतिः कुछ विश्लेषकों का मानना है कि पटना महानगर और बांकीपुर के स्थानीय नेताओं का एक वर्ग घोषित उम्मीदवार के पक्ष में पूरी तरह सहज नहीं था। यदि ऐसा था, तो चुनाव प्रबंधन प्रभावित होने की आशंका रही होगी। तीसरी, जीत की संभावना : भाजपा बांकीपुर को अपनी परंपरागत मजबूत सीट मानती है। यदि आंतरिक सर्वे या फीडबैक में उम्मीदवार को लेकर नकारात्मक संकेत मिले हों, तो अंतिम समय में बदलाव को बेहतर विकल्प माना गया होगा।चौथी, विपक्ष को मुद्दा बनने से रोकनाः यदि पार्टी को लगा कि उम्मीदवार से जुड़ा कोई विवाद चुनाव प्रचार के दौरान बड़ा मुद्दा बन सकता है, तो उसने पहले ही उम्मीदवार बदलकर संभावित नुकसान कम करने की कोशिश की हो सकती है। पांचवीं, क्या यह नेतृत्व की विफलता है?: इसके दो पक्ष हैं-यदि उम्मीदवार की पूरी जांच के बाद ही नाम घोषित हुआ था और बाद में वही कारण बदलने की वजह बना, तो प्रारंभिक जांच प्रक्रिया पर सवाल उठना स्वाभाविक है। लेकिन यदि नामांकन के बाद कोई नई और महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई, तो उम्मीदवार बदलना संगठन की त्वरित प्रतिक्रिया भी माना जा सकता है। छठी, क्या यह संगठन की विफलता है?: यदि किसी उम्मीदवार को केंद्रीय चुनाव समिति तक मंजूरी मिलने के बाद बदलना पड़े, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रारंभिक जांच पूरी तरह हुई थी या नहीं। इस दृष्टि से आलोचक इसे संगठनात्मक कमी मान सकते हैं।

सातवीं, नुकसान नियंत्रित करने की रणनीति : यह भी तर्क दिया जा सकता है कि यदि नामांकन के बाद कोई नई जानकारी सामने आए और पार्टी तुरंत निर्णय लेकर उम्मीदवार बदल दे, तो इसे नुकसान नियंत्रित करने की रणनीति भी माना जा सकता है। ऐसी स्थिति में बाद में बड़ा विवाद झेलने की बजाय तत्काल निर्णय लेना नेतृत्व की सक्रियता भी माना जा सकता है।

आठवीं, सबकुछ सामान्य है या असामान्य, चिता की बातः यहां यह कहना कि यह केवल राष्ट्रीय अध्यक्ष या प्रदेश अध्यक्ष की विफलता है, उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अभी जल्दबाजी होगी। वहीं यह कहना भी उचित नहीं होगा कि सब कुछ सामान्य था। दोनों संभावनाओं के बीच सच्चाई इस बात पर निर्भर करेगी कि उम्मीदवार बदलने की वास्तविक वजह क्या थी, जिसे भाजपा ने सार्वजनिक रूप से विस्तार से नहीं बताया है।

नौवीं, संगठनात्मक जवाबदेही का यक्ष प्रश्नः ऐसे में

यदि भविष्य में यह स्पष्ट हो जाए कि विवादित जानकारी पहले से उपलब्ध थी और जांच में चूक हुई, तो संगठनात्मक जवाबदेही का प्रश्न अधिक मजबूती से उठेगा। लेकिन यदि जानकारी बाद में सामने आई और उसी आधार पर निर्णय लिया गया, तो इसे जोखिम प्रबंधन के रूप में भी देखा जा सकता है।

दसवीं, भाजपा ने कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी, इसलिए सबकुछ भविष्य पर निर्भरः चूंकि बांकीपुर उपचुनाव में उम्मीदवार बदलने के पीछे के 'अंदरूनी कारणों' पर अभी तक भाजपा ने कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। इसलिए किसी एक कारण को तथ्य के रूप में कहना उचित नहीं होगा। हालांकि इस समय उपलब्ध सार्वजनिक तथ्यों के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है कि उम्मीदवार परिवर्तन का वास्तविक कारण क्या था। इसलिए किसी विशेष व्यक्ति, गुट या नेतृत्व पर निश्चित आरोप लगाना तथ्यों से परे होगा। यदि भविष्य में आधिकारिक दस्तावेज़, विश्वसनीय रिपोर्ट या संबंधित पक्षों के बयान सामने आते हैं, तब अधिक ठोस निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं।

वहीं, एक अन्य चौपाली चर्चा के मुताबिक भाजपा का या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का, क्योंकि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के बिहार की सत्ता में आने के बाद से पहले मुख्यमंत्री बदल यानी नीतीश कुमार की जगह पर सम्राट चौधरी का राज्याभिषेक और अब बांकीपुर उपचुनाव में उम्मीदवार बदल यानी भाजपा द्वारा पूर्व में घोषित उम्मीदवार अभिषेक कुमार सिन्हा (बंटी) का नामांकन वापस लेकर नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार बनाए जाने को सामान्य घटनाक्रम नहीं ठहराया जा सकता है। यह बिहार एनडीए के आपसी दांवपेच से भी अभिप्रेरित हो सकता है। चूंकि बिहार के कद्दावर नेता इन दिनों हाशिए पर चले गए हैं, इसलिए वो नहीं चाहते कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जैसे सुलझे हुए नेता सफल हों, क्योंकि इनकी सफलता से उनका सियासी भविष्य उलझ जाएगा। तभी तो कभी नीतीश कुमार की सेहत को मीडिया में उछाला गया, फिर सम्राट चौधरी के खिलाफ विजय कुमार सिन्हा की तैयारी को बेवजह तूल दिलवाया गया, उसके बाद तिवारी एनकाउंटर के बहाने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बदनाम करने की मुहिम चलाई-चलवाई गई, और अब पार्टी के सर्वेसर्वा नितिन नवीन के गृह क्षेत्र और खुद उनकी ही छोड़ी हुई सीट जहां से वे और उनसे पहले उनके पिताजी दशकों से विधायक रह चुके हैं, उस सीट पर उम्मीदवार बदल अभियान के पीछे की सियासत को समझना/समझाना जरूरी है। यह राजनीतिक पत्रकारों के लिए शोध का विषय है कि यह सबकुछ महज संयोग है या किसी शातिर राजनेता के इशारे पर चल रहा अनुप्रयोग दर अनुप्रयोग, क्योंकि सवाल बिहार के विकास और राजनीतिक भविष्य दोनों का। आजादी के 8 दशक में भी बिहार को प्रधानमंत्री पद नहीं मिलना भी चिंता का सबब है। इसलिए हर परिस्थिति को अनुकूल बनाइए, अनुकूल परिस्थितियों को प्रतिकूल बताने, बनाने से बाज आइए।

अभी तक उपलब्ध सार्वजनिक जानकारी के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता है कि यह फैसला सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी या आरएसएस भक्त/मोदी अनुगामी कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, पूर्व उपमुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से हुआ, प्रमाणित नहीं है। क्योंकि ऐसी किसी आधिकारिक पुष्टि या विश्वसनीय रिपोर्ट का अभाव है। वहीं, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के खासमखास एमएलसी, राष्ट्रीय प्रवक्ता व केंद्रीय मीडिया उपप्रभारी संजय मयूख और केंद्रीय भाजपा के पदाधिकारी ऋतुराज सिन्हा, पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद आदि के रहते हुए भी भाजपा नेतृत्व गुमराह हुआ, यह अंदरूनी जांच का विषय है, क्योंकि उम्मीदवार बदल अभियान से शीर्ष नेताओं की छवि और साख दोनों प्रभावित हुई है।वहीं, राजनीतिक गलियारों में कुछऐसी ही चर्चाएँ (गॉसिप) चल रही हैं, जिन्हें तथ्य के रूप में नहीं, बल्कि अटकलों के रूप में ही देखा जाना चाहिए। इनमें प्रमुख बातें हैं:- कुछ लोगों का मानना है कि उम्मीदवार चयन के बाद स्थानीय संगठन और प्रभावशाली नेताओं के एक वर्ग ने आपत्ति जताई, जिसकी ऊपर में सांकेतिक चर्चा की जा चुकी है, के बाद ही पार्टी ने नुकसान की आशंका देखते हुए अपना फैसला बदला।

वहीं, दूसरी चर्चा यह है कि बांकीपुर भाजपा की प्रतिष्ठित सीट है और यहां जनसुराज पार्टी के सर्वेसर्वा प्रशांत किशोर के चुनाव लड़ने से मुकाबला हाई-प्रोफाइल हो गया। इसलिए पार्टी ने अंतिम समय में अधिक सर्वमान्य चेहरे पर दांव लगाया। एक और अटकल यह है कि शीर्ष नेतृत्व तक स्थानीय फीडबैक पहुंचा, जिसके बाद संगठन ने तुरंत निर्णय बदल दिया।

पंजाब कांग्रेस में खींचतान: मोदी ने पलटी बाजी?

पंजाब में विधानसभा चुनावों से पहले का राजनीतिक परिदृश्य बड़ा हैरान कर देने वाला है। एक ओर सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी अपनी नाकामियों और तमाम तरह के आरोपों का सामना कर रही है, वहीं खुद को सत्ता की प्रबल दावेदार मान रही कांग्रेस में एकाएक जबरदस्त आपसी खींचतान मच गयी है। साथ ही पंजाब में कई बार राज कर चुका शिरोमणि अकाली दल अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है तो वहीं राज्य में पहली बार अपने दम पर सभी विधानसभा सीटों पर लड़ने का ऐलान कर चुकी भाजपा ने मौका देख कर अपनी चुनावी रणनीति को नई धार दे दी है।

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव को लक्ष्य बनाकर विकास, धार्मिक-सामाजिक समीकरणों और नए राजनीतिक संदेश के सहारे अपनी जमीन मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जालंधर दौरे पर आ रहे हैं। उनका दौरा केवल विकास परियोजनाओं के उद्घाटन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे 2027 की चुनावी बिसात का स्पष्ट राजनीतिक संदेश छिपा है। भाजपा के लिए प्रधानमंत्री मोदी का पंजाब दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब राज्य की राजनीति सतलुज फिल्म विवाद से गर्माई हुई है। इस पूरे विवाद में भाजपा सबसे अधिक राजनीतिक दबाव में दिखाई दी। पार्टी लगातार यह कहती रही कि फिल्म को ओटीटी मंच से हटाने में उसकी कोई भूमिका नहीं है, लेकिन विपक्ष ने पूरे विवाद का राजनीतिक ठीकरा भाजपा पर ही फोड़ दिया। भाजपा के भीतर भी मतभेद खुलकर सामने आए। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म को पंजाब की त्रासदी का 'एकतरफा चित्रण' बताते हुए इसकी आलोचना की और कहा कि इसमें आतंकवाद की पृष्ठभूमि तथा पुलिसकर्मियों के बलिदान की अनदेखी की गई है। दूसरी ओर वरिष्ठ भाजपा नेता इकबाल सिंह लालपुरा ने सार्वजनिक रूप से बिट्टू को 'अपनी सीमाओं में रहने' की सलाह दी। पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने भी माहौल शांत करने की अपील करते हुए कहा कि पंजाब ने बहुत खून-खराबा देखा है, इसलिए पुराने जख्मों को कुरेदने की बजाय शांति और जिम्मेदार संवाद की जरूरत है। पार्टी के भीतर यह स्वीकार किया जा रहा है कि फिल्म कांग्रेस शासनकाल की घटनाओं पर आधारित होने के बावजूद राजनीतिक जवाब भाजपा को देना पड़ रहा है।

ऐसे माहौल में प्रधानमंत्री मोदी का विकास एजेंडा भाजपा के लिए राजनीतिक नैरेटिव बदलने का प्रयास माना जा रहा है। जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का उद्घाटन, मोहाली, श्री मुक्तसर साहिब और श्री आनंदपुर साहिब समेत कई रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल लोकार्पण केवल आधारभूत ढांचे का विस्तार नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश भी है कि भाजपा पंजाब में विकास की राजनीति को केंद्र में रखना चाहती है। साथ ही यह भी तय माना जा रहा है कि भाजपा पंजाब में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ेगी।

इस दौरे का दूसरा बड़ा आयाम रविदासिया समाज तक पहुंच बनाना है। प्रधानमंत्री इससे पहले भी गुरु रविदास जयंती पर डेरा सचखंड बल्लां पहुंच चुके हैं। जालंधर और पूरा दोआबा क्षेत्र रविदासिया समुदाय का प्रभावशाली राजनीतिक केंद्र माना जाता है, जहां अनुसूचित जाति मतदाता चुनावी परिणाम तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आनंदपुर साहिब

और मोहाली जैसे धार्मिक एवं शहरी क्षेत्रों को भी इस दौरे में शामिल करना भाजपा की व्यापक सामाजिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। श्री मुक्तसर साहिब का चयन भी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल का गृह जिला है। हम आपको बता दें कि भाजपा पहले ही 2027 का चुनाव अपने दम पर लड़ने का ऐलान कर चुकी है, हालांकि उसने गठबंधन के विकल्प पूरी तरह बंद भी नहीं किए हैं। ऐसे में विकास और सामाजिक आउटरीच के जरिए पार्टी अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

दूसरी ओर कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती विपक्ष नहीं, बल्कि उसका अपना संगठन बन गया है। लंबे समय से चली आ रही गुटबाजी के बावजूद पार्टी हाईकमान ने अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष बनाए रखने का फैसला किया है। पार्टी का आकलन है कि विधानसभा चुनाव से पहले नेतृत्व परिवर्तन संगठन को कमजोर कर सकता है। कांग्रेस सूत्रों का दावा है कि राज्य के 29 में से 25 जिला अध्यक्ष, सात में से चार सांसद और 18 में से 10 विधायक वड़िंग के साथ हैं। पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने भी स्पष्ट संकेत दिया कि फिलहाल यथास्थिति ही बनी रहेगी और मीडिया में चल रही अटकलों पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए।

हालांकि यह फैसला कांग्रेस के भीतर नई खींचतान का कारण बन गया है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष बनाकर शक्ति संतुलन बनाने की कोशिश की गई, लेकिन चन्नी समर्थक इसे पर्याप्त नहीं मानते। उनका तर्क है कि चुनाव अभियान का नेतृत्व करने और पंजाब में पार्टी का प्रमुख चेहरा बनने के बाद चन्नी को अधिक अधिकार मिलने चाहिए थे। वरिष्ठ नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा समेत कई नेता भी वड़िंग के नेतृत्व पर सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस नेतृत्व का कहना है कि लोकतांत्रिक दल में मतभेद स्वाभाविक हैं और समय आने पर असंतुष्ट नेताओं को साथ लेकर चलने का प्रयास किया जाएगा, लेकिन फिलहाल संगठन में स्थिरता सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

बहरहाल, स्पष्ट है कि पंजाब की राजनीति अब केवल विकास बनाम विपक्ष की लड़ाई नहीं रह गई है। भाजपा अतीत की बहसों से निकलकर विकास, रेलवे परियोजनाओं और रविदासिया समाज के जरिए नया राजनीतिक विमर्श गढ़ना चाहती है, जबकि कांग्रेस अपने ही संगठनात्मक संकट से जूझते हुए एकजुटता बचाने में लगी है। इस बीच, सतलुज विवाद ने पंजाब के पुराने जख्मों को फिर से राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है, लेकिन असली मुकाबला इस बात का होगा कि 2027 तक कौन-सी पार्टी जनता के सामने सबसे विश्वसनीय राजनीतिक कथा स्थापित कर पाती है। फिलहाल भाजपा विकास और सामाजिक समीकरणों के सहारे नई जमीन तलाश रही है, जबकि कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी परीक्षा अपने घर की कलह पर नियंत्रण पाने की है। पंजाब की चुनावी बिसात बिछ चुकी है और आने वाले महीनों में यही दोनों ध्रुव राज्य की राजनीति की दिशा तय करेंगे क्योंकि आम आदमी पार्टी के प्रति बढ़ती नाराजगी को देखते हुए सत्ता से उसकी विदाई तय मानी जा रही है।

समय पर गणना प्रपत्र का डिजिटाइजेशन पूरा करने का डीसी ने दिया निर्देश

धनबाद (कासं) : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने मध्य विद्यालय झारुडीह, मिल्लत हाई स्कूल स्थित मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने एसआइआर२०२६ के तहत गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य के प्रगति का अवलोकन किया तथा उपस्थित बीएलओ एवं संबंधित पदाधिकारियों को प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए डिजिटाइजेशन कार्य को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बूथ पर मौजूद मतदाताओं से संवाद कर गणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया की जानकारी भी ली। साथ में मतदान केंद्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने धनबाद तथा झरिया विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वे २० जुलाई को भी अपने संबंधित मतदान केंद्र पर आयोजित विशेष शिविर में अवश्य पहुंचें, गणना प्रपत्र प्राप्त कर उसे सही ढंग से भरकर समय पर जमा करें तथा मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं अद्यतन अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं। उन्होंने कहा कि एक सशक्त लोकतंत्र की आधारशिला शुद्ध, अद्यतन एवं समावेशी मतदाता सूची है और इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदान केंद्रों के औचक निरीक्षण के दौरान उपायुक्त आदित्य रंजन के

जिया परवीन ने ऑल इंडिया बार एसोसिएशन में लहराया परचम

धनबाद (कासं) : वासेपुर की रहने वाली जिया परवीन ने ऑल इंडिया बार एसोसिएशन में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर पूरे धनबाद का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। जिया परवीन स्व. सैयद शिबली अहमद की पुत्री तथा धनबाद के प्रसिद्ध दंत चिकित्सक डॉ. एस. हैदर की बहन हैं। उनकी इस उपलब्धि से वासेपुर सहित पूरे जिले में खुशी का माहौल है। जिया परवीन की सफलता की खबर मिलते ही उनके वासेपुर स्थित आवास पर शुभचिंतकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों का तांता लग गया। सभी ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सोशल मीडिया पर भी बड़ी संख्या में लोगों ने शुभकामनाएं देकर उनकी उपलब्धि पर गर्व जताया। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिया परवीन ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफलता धनबाद की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और अन्य युवाओं को भी अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगी। जिया परवीन की इस उपलब्धि को वासेपुर ही नहीं, बल्कि पूरे धनबाद के लिए गौरव का क्षण माना जा रहा है।

लोगों ने विश्वास जताया कि वे आगे भी विधि के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूकर जिले और राज्य का नाम रोशन करती रहेंगी।

पूर्व मंत्री मन्नान मलिक की आदमकद प्रतिमा स्थापित करने की मांग

धनबाद (कासं) : जिला कांग्रेस मुख्यालय, हाउसिंग कॉलोनी में धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी की एक महत्वपूर्ण आवश्यक बैठक धनबाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, जनहित के विभिन्न मुद्दों एवं जिले के समसामयिक राजनीतिक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा जनभावनाओं का सम्मान करती रही है और धनबाद के इतिहास, संघर्ष तथा कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के योगदान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री स्व. मन्नान मलिक ने धनबाद के सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन में अमूल्य योगदान दिया था। उनके योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस कमिटी ने सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया कि हाउसिंग कॉलोनी पार्क में पूर्व मंत्री मन्नान मलिक की आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाए तथा मटकुरिया गोलीकांड स्थल से बन रहे ओवरब्रिज का नाम मन्नान मलिक ब्रिज रखा जाए। इस संबंध में राज्य सरकार एवं संबंधित विभागों को शीघ्र ज्ञापन सौंपा जाएगा। अपने संबोधन में जिला अध्यक्ष ने दूसरा महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखते हुए कहा कि मटकुरिया गोलीकांड के दौरान जिन कांग्रेसजनों पर न्यायालय मे कार्रवाई चल रही है, उनकी कानूनी लड़ाई जिला कांग्रेस कमिटी पूरी मजबूती एवं गंभीरता के साथ लड़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं को कभी अकेला नहीं छोड़ती और प्रत्येक परिस्थिति में उनके साथ खड़ी रहेगी। संगठन उनकी न्यायिक सहायता के लिए हरसंभव सहयोग साथ रहेगा।

बैठक को वरिष्ठ कांग्रेस नेता मदन महतो, मनोज यादव, मुख्तार खान, रामगोपाल भुवानिया, रमेश जिंदल, महेंद्र दुबे, शाहिद कमर, अवध नारायण प्रसाद सहित सैकड़ों कांग्रेसजन उपस्थित रहे।अंत में जिला अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने सभी उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की एकजुटता बनाए रखने तथा जनहित के मुद्दों पर निरंतर संघर्ष करने का संकल्प दोहराया।

मेगा यूथ फेस्टिवल में सीएमडी ने की सहभागिता

धनबाद (कासं) : इस्कॉन धनबाद द्वारा गोल्फ ग्राउंड में १६ से १९ जुलाई तक आयोजित भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव के अंतिम दिन आयोजित पांचवें मेगा यूथ फेस्टिवल में सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं को संबोधित किया। इस अवसर पर इस्कॉन धनबाद के पदाधिकारीगण, आईआईटीआईएसएम एवं अन्य शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि, बड़ी संख्या में स्थानीय युवा, इस्कॉन के स्वयंसेवक तथा विभिन्न क्षेत्रों के अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में श्री अग्रवाल ने इस्कॉन धनबाद को भव्य एवं सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि मेगा यूथ फेस्टिवल केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, नेतृत्व विकास, आध्यात्मिक जागरण और राष्ट्र निर्माण का सशक्त अभियान है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है और विकसित भारत२०४७ के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। इसके लिए युवाओं को केवल शिक्षित ही नहीं, बल्कि कुशल, नवाचारी, नैतिक मूल्यों से संपन्न

तथा आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनना होगा।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), डेटा एनालिटिक्स और इंडस्ट्री ४.० का युग है। ऐसे समय में युवाओं को केवल तकनीक का उपयोगकर्ता नहीं, बल्कि उसके सृजनकर्ता बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीसीसीएल सहित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भी डिजिटल परिवर्तन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और आधुनिक खनन में ड्रोन सर्वे, जीआईएस मैपिंग, स्मार्ट माइनिंग, ऑटोमेशन तथा एआई आधारित निर्णय प्रणाली जैसी तकनीकों का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है।

सीएमडी ने कहा कि तकनीक गति देती है, जबकि आध्यात्मिकता सही दिशा प्रदान करती है। यदि जीवन में दिशा का अभाव हो तो गति भी व्यक्ति को सही लक्ष्य तक नहीं पहुँचा सकती। उन्होंने कहा कि इस्कॉन जैसे संगठन युवाओं को केवल आध्यात्मिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि आत्मानुशासन, भावनात्मक संतुलन, करुणा, टीमवर्क और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा भी देते हैं। उन्होंने युवाओं से प्रतिदिन कुछ नया सीखने, मातापिता, गुरु एवं राष्ट्र का सम्मान करने तथा जीवन में तकनीक और आध्यात्मिकता के बीच संतुलन बनाए रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के समापन पर श्री अग्रवाल ने गोल्फ ग्राउंड परिसर में निर्मित श्री गुंडीचा मंदिर में स्थापित भगवान श्री जगन्नाथ, देवी सुभद्रा एवं भगवान बलभद्र के विग्रहों के दर्शन कर प्रदेश एवं समस्त जनमानस के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। उन्होंने आयोजन स्थल पर निर्मित भव्य भगवान श्री जगन्नाथ पंडाल, आनंद बाजार तथा रथ परिक्रमा स्थल का भी भ्रमण किया और भगवान श्री जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि इस्कॉन धनबाद द्वारा आयोजित चार दिवसीय श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव का शुभारंभ १६ जुलाई को हुआ था। इस वर्ष महोत्सव की विशेष आकर्षण आईआईटीआईएसएम एवं बीआईटी के विद्यार्थियों द्वारा विकसित विशेष ऑटोमेटिक रथ रहा, जिसमें मार्ग के अनुरूप ऊंचाई समायोजित करने की तकनीक तथा विशाल रस्सी का उपयोग किया गया। रथयात्रा के उपरांत भगवान श्री जगन्नाथ, देवी सुभद्रा एवं भगवान बलभद्र के विग्रहों को गोल्फ ग्राउंड परिसर में निर्मित भव्य श्री गुंडीचा मंदिर में श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ स्थापित किया गया। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के साथ श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद, आनंद बाजार, भागवत प्रवचन तथा अन्य विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

महोत्सव के अंतिम दिन आयोजित मेगा यूथ फेस्टिवल में दो हजार से अधिक पंजीकृत युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत नशा मुक्ति अभियान, शपथ ग्रहण, प्रेरक व्याख्यान तथा विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को सकारात्मक जीवन मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व, आध्यात्मिक चेतना एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रेरित करना रहा।

दिहाड़ी मजदूर की बेटी ने नीट में मारी बाजी

धनबाद (कासं) : कहते हैं कि अगर इरादे मजबूत हों तो आर्थिक अभाव भी मंजिल की राह नहीं रोक सकता। धनबाद की भूदा बस्ती की रहने वाली दिहाड़ी मजदूर की बेटी पूनम कुमारी ने अपनी मेहनत और लगन से यह साबित कर दिया है। एसएसएलएनटी और सीएम उत्कृष्ट गर्ल्स विद्यालय की छात्रा रही पूनम ने नीट परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर अपने परिवार, स्कूल और पूरे धनबाद का नाम रोशन किया है।

धनबाद की रहने वाली पूनम कुमारी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में ५८२ अंक, ९९.१३७५ परसेंटाइल और ऑल इंडिया रैंक १६,९७२ हासिल की है। पूनम के पिता धरमू गोराई दिहाड़ी मजदूर हैं, जबकि मां पीपू देवी गृहिणी हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं होने के बावजूद पूनम ने ऑनलाइन कोचिंग और लगातार मेहनत के दम पर यह मुकाम हासिल किया। इससे पहले वह सीबीएसई १२वीं बोर्ड परीक्षा में ९७.४ प्रतिशत अंक लाकर धनबाद जिला टॉपर भी रह चुकी हैं। पूनम का सपना भविष्य में कार्डियोलॉजिस्ट बनकर जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय मातापिता, शिक्षकों और परिवार के सहयोग को दिया। पूनम की इस उपलब्धि से पूरे परिवार में खुशी का माहौल है। पूनम के भाई अजीत गोराई ने कहा कि सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनकी बहन ने मेहनत और आत्मविश्वास से यह साबित कर दिया कि सफलता के लिए केवल मजबूत इरादों की जरूरत होती है। पूनम की यह सफलता उन हजारों विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है, जो अभावों के बावजूद अपने सपनों को साकार करने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

एसआईआर फॉर्म भरने को ले हंगामा

केन्दुआ (ससे) : केन्दुआडीह थाना क्षेत्र के हटिया स्थित सामुदायिक भवन बुथ संख्या ३७१ में एस आई आर फार्म भरने और जमा करने को लेकर काफी हो हंगामा हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि बीएलओ और बीएलए सहयोग नहीं कर रहे है। किसी का नाम किसी और के नाम में जोड़ दिया गया है। भारी अनियमितता बरती जा रही है। कोई गलती का जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। लोगों ने इसकी शिकायत पुटकी अंचलाधिकारी विकास आनंद से की है।

शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक संसाधनों का विस्तार समय की आवश्यकता : विधायक मथुरा

टुंडी (ससे) : टुंडी स्थित सरकारी डिग्री कॉलेज में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में टुंडी के विधायक मथुरा प्रसाद महतो एवं विशिष्ट अतिथि बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति वरीय प्रो (डॉ) रामकुमार सिंह के करकमलों द्वारा अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब, धन्वंतरि हर्बल गार्डन तथा कॉलेज की आधिकारिक वेबसाइट का विधिवत उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं बिनोद बिहारी महतो के चित्र पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पण कर हुआ। इसके पश्चात अतिथियों का पारंपरिक रूप से पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। उद्घाटन के बाद विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कॉलेज परिवार को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि कॉलेज की वेबसाइट के शुभारंभ से संस्थान की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियाँ अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं विद्यार्थियों के लिए सुलभ होंगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक संसाधनों का विस्तार समय की आवश्यकता है। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। कुलपति ने कंप्यूटर लैब का निरीक्षण करते हुए कहा कि डिजिटल शिक्षा के इस युग में आधुनिक कंप्यूटर लैब विद्यार्थियों के तकनीकी ज्ञान एवं कौशल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कॉलेज द्वारा स्थापित हर्बल गार्डन की सराहना करते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण, औषधीय पौधों के संवर्धन तथा विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति जागरूकता विकसित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. इंद्रजीत कुमार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कंप्यूटर लैब, हर्बल गार्डन एवं वेबसाइट का शुभारंभ महाविद्यालय के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन सुविधाओं से विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा, अनुसंधान तथा डिजिटल सेवाओं का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्रछात्राएँ उपस्थित रहे। समारोह का संचालन डॉ रानी सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो अविनाश कुमार द्वारा किया गया।

अस्पताल की बदहाली को ले बैठक

पुटकी (ससे) : डब्ल्यू जे एरिया मुनीडीह के स्थानीय अस्पताल के बदहाली को लेकर के मुनीडीह दुर्गा मंदिर के प्रांगण में आयोजित बैठक में मुनीडीह क्षेत्र से आये तमाम ग्रामीण, कालोनी के गणमान्य लोग शामिल हुए। बैठक में मुनीडीह परियोजना के मुख्य द्वार के समीप होने वाली धरनाप्रदर्शन, आंदोलन की रणनीति को लेकर आपस में विचारबिमर्श की गई। बैठक का अध्यक्षता बिरू सिंह ने किया। बैठक में मनोज सिंह, पी एन सिंह, गोपीनाथडीह के मुखिया कौशल्या देवी, अर्जुन सिंह, बाबा चरण महतो, राजू पांडे, राखल दास, रोहित गोराई, गौतम चौधरी, गुड्डू वर्मा, प्रताप सिंह, बादल मंडल, अरुण महतो, शिवराम सिंह, प्रताप सिंह, दुनियालाल सिंह, प्रकाश साव, कामदेव सिंह, विजय महतो, राहुल सिंह, आदि उपस्थित थे।

सीटू व किसान सभा का 10 अगस्त को जेल भरो आंदोलन

धनबाद (कासं) : सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) तथा झारखंड राज्य किसान सभा के संयुक्त जिला स्तरीय कन्वेंशन में १० अगस्त को जेल भरो आंदोलन का निर्णय लिया गया। इस कन्वेंशन में सीटू राज्य सचिव सह सीटू जिला अध्यक्ष कॉ आनंदमय पाल ने उद्घाटन करते हुए कहा कि भविष्य केवल वर्तमान नीति -निर्माताओं या सत्ता में बैठे लोगों से तय नहीं होगी, बल्कि वैकल्पिक जनपक्षी नीतियों के लिए संघर्षरत उत्पादक वर्ग अर्थात किसान और मजदूरों के नेतृत्व में मेहनतकश जनता के अन्य सभी तबको का संगठित एवं एकजुट संघर्ष देश के भविष्य की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। इस कन्वेंशन को समापन भाषण देते हुए सीटू राज्य सचिव जिला प्रभारी कॉ मानस चटर्जी ने कहा कि मजदूर -किसान की एकजुट १० अगस्त का जेल भरो आंदोलन ही देश को साम्राज्यवादी दबाव, कारपोरेट लूट और जन विरोधी नीतियों से बचाएगा एवं स्वतंत्र, आत्मनिर्भर, न्यायपूर्ण और लोकतांत्रिक भारत की राह बनाएगा, जबकि देश की मोदी सरकार अमेरिकी साम्राज्यवाद के राष्ट्रपति ट्रंप और विश्व बैंक के दबाव में देश की आर्थिक आजादी और आत्मनिर्भर को संकट में डाल दिया है।

कन्वेंशन में शामिल मजदूर और किसान के नेताओं ने कहा कि हमारे प्राकृतिक संसाधनों, खेती, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों पर देसी विदेशी कॉर्पोरेट घरानों का कैंजा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका सीधा नुकसान स्थानीय उद्योगों, किसानों मजदूरों और मेहनकश जनता को उठाना पड़ रहा है। महंगाई, बेरोजगारी, किसान -मजदूरों के अधिकारों पर हमले, छात्रों के भविष्य पर मंडराता संकट तथा आम जनता के जीवन और आजीविका की समस्याएं लगातार बढ़ रही रही है। प्रस्ताव में ट्रेड यूनियंस तथा संयुक्त किसान मोर्चा संयुक्त रूप से १० अगस्त को राष्ट्रव्यापी जेलभरो अभियान को धनबाद में सफल करने हेतु प्रखण्ड स्तर पर कार्यक्रम करना। २९ जुलाई को दिल्ली में संयुक्त कन्वेंशन में किसान सभा से परशुराम महतो और सीटू से भूषण महतो प्रतिनिधि के रूप में शामिल होंगे। २१ जुलाई को मजदूर किसानों का लोकप्रिय नेता कॉ ए के रॉय का स्मृति दिवस पूरे मर्यादा के साथ मनाना शामिल था। कन्वेंशन में विशेष प्रस्ताव सीटू नेता सपन माजी ने सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुंग की रिहाई की मांगों को लेकर २० जुलाई को रणधीर वर्मा चौक पर प्रदर्शन किया जाएगा का प्रस्ताव लाया, जिसे बीएसएसआर यूनियन नेता अरिंदम विश्वास ने समर्थन किया और पूरे हॉल ने भी ताली बजा कर समर्थन किया।

कन्वेंशन को संबोधित करने वालों में सीटू राज्य सचिव कोल फेडरेशन नेता सपन बनर्जी, जनसंगठनों का साझा मंच के नेता विकास कुमार ठाकुर, बीसीकेयू केंद्रीय नेता रामजी यादव, मजदूर कर्मचारी समन्वय समिति से हेमंत मिश्रा, जेसीएमयू से उमाशंकर चौहान, जेपीएयू से शिव बालक पासवान, बीएसएसआर यूनियन से संदीप अईच, किसान नेता बैजनाथ महतो तथा स्टाफ कोडिनेशन से आशीष कुमार सिंह के अलावे बी डी गोस्वामी, गौतम प्रसाद, तुलसी रवानी, रतिलाल टुडू, परेश बाउरी, महादेव हांसदा, राम बालक मुख्य थे।

काला हीरा कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने जलवा बिखेरा

धनबाद (कासं) : सीसीडब्ल्यूओ कम्युनिटी हॉल में काला हीरा (ऑल इंडिया मल्टीलिंगुअल ड्रामा, डांस, ड्रॉइंग एंड म्यूजिक) कार्यक्रम के दूसरे दिन स्थानीय कलाकारों के लिए बहुत खास रहा। दूसरे दिन स्थानीय कलाकारों ने भरतनाट्यम कथक, फोक नृत्य लोक गीत, क्लासिकल शास्त्रीय नृत्य व पाश्चात्य नृत्य संस्कृतियों का अनूठा संगम दर्शकों को देखने को मिला, अपने छोटेछोटे बच्चों के बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए अभिभावक काफी उत्साहित थे और कार्यक्रम में माताएं अपने बच्चों को सजाने संवारने में व्यस्त थीं। दूसरे दिन के कार्यक्रम में काफी चहल-पहल दिखी।

लोकगीतों का सिलसिला शुरू होने पर दर्शकों में नया जोश भर गया। लोगों ने इन गीतों को सुनकर पुरानी परंपरा और भारतीय संस्कृति को बनाए रखने की काला हीरा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद की अपील को सराहा।दर्शकों ने तालियों व वाहवाही से स्थानीय कलाकारों की हर शानदार और एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों का स्वागत किया। इन प्रस्तुतियों का आनंद लेने में बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सभी आगे रहे। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकार जॉली छाबड़ा ने पंजाबी गाना व दूरदर्शन में गाना गा चुके रवि कुमार उर्फ आर्या कुमार ने मोहम्मद रफी के नग़मे गाकर दर्शकों का दिल जीत लिया।जॉली छाबड़ा व आर्य कुमार धनबाद और आसपास के जिलों में भी अपनी प्रस्तुतियां देते रहते हैं।

ड्राइंग कंपटीशन में भी प्रतिभागियों ने विभिन्न थीमों पर एक से बढ़कर चित्रकारी बना कर प्रशंसा बटोरी। पेश कर काला हीरा कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आए सिवान के फिल्म डायरेक्टर बिजय कुमार, मुंबई के फिल्म अभिनेता ए बी मिश्रा व पश्चिम बंगाल की अभिनेत्री मोनालिसा दास के द्वारा ए ग्रेड ,बी ग्रेड और सी ग्रेड में घोषित विजेताओं को अतिथियों के द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एक निजी हॉस्पिटल के द्वारा कार्यक्रम परिसर में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। जिसमें करीब २ सौ अभिभावक ब्लड प्रेशर, शुगर जांच कराकर लाभान्वित हुए। तीसरे दिन सोमवार को १३ राज्य से आए नाट्य मंचों द्वारा नाट्य की प्रस्तुति की जाएगी। नाट्य मंचों में एमपी के आईटीएम नाट्य मंच, वेस्ट बंगाल के बांकुड़ा से जॉय की टीम, उड़ीसा से नटराज थियेटर गिरिडीह से तीन टीम कलासंगम, विरंग और महेश अमन की टीमें नाटक की प्रस्तुति करेंगे। गुजरात से दो डांस की टीमें में अपनी शानदार और मनमोहक प्रस्तुतियां पेश करेंगे। कार्यक्रम में को सफल बनाने में काला हीरा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, पूनम प्रसाद, वैभव प्रसाद, मिताली मुखर्जी, सरसी चंद्रा, वशिष्ठ प्रसाद सिन्हा सचिव हेमंत कुमार मंडल, कोषाध्यक्ष नरेश राय, यू सी मिश्रा महेंद्र गिरी सक्रिय थे।

एसआईआर अभियान पर डीसी की पैनी नजर विशेष शिविरों का किया निरीक्षण

बोकारो (ससे): रविवार को डीईओ-सह-डीसी अजय नाथ झा ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत ३६ बोकारो विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विशेष शिविरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर गणना प्रपत्रों के संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के क्रम में उन्होंने मतदान केंद्र संख्या २६७ एवं २७१ (दिल्ली पब्लिक स्कूल), २८१ से २८५ (केंद्रीय विद्यालय) तथा २९९ से ३०१ (बोकारो महिला कॉलेज) का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित बीएलओ से गणना प्रपत्रों के संग्रहण, डिजिटाइजेशन की प्रगति तथा शिविर के संचालन की जानकारी प्राप्त की।

डीईओ-सह-डीसी ने शिविर में उपस्थित मतदाताओं से संवाद कर उन्हें गणना प्रपत्र सही एवं पूर्ण रूप से भरकर जमा करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है। इसके लिए भी पात्र मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिया कि प्राप्त गणना प्रपत्रों का समयबद्ध डिजिटाइजेशन सुनिश्चित करें तथा कार्य में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनाए रखें। साथ ही अधिक से अधिक मतदाताओं से संपर्क स्थापित कर अभियान को सफल बनाने* की दिशा में पूरी गंभीरता से कार्य करें। निरीक्षण के दौरान ईआरओ सह अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, एईआरओ सत्यबाला सिन्हा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

आमिर के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ाई

मुंबई(ईएमएस) : आमिर खान को तीसरी शादी करने पर मिली कथित धमकी को लेकर जांच शुरू कर दी गई। शनिवार को वॉयस क्लिप और सोशल मीडिया पोस्ट सामने आने के बाद पुलिस ने बांद्रा पश्चिम के पाली हिल स्थित आमिर खान के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी। हालांकि, आमिर खान फिलहाल देश से बाहर हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अभी तक न तो वॉयस क्लिप और न ही सोशल मीडिया पोस्ट की असलियत कन्फर्म हुई है।

वहीं, मुंबई पुलिस कमिश्नर देवन भारती ने कहा कि हम सोशल मीडिया पोस्ट और वॉयस क्लिप की सत्यता की जांच कर रहे हैं। बता दें कि शनिवार को आमिर खान को लॉरेंस गैंग की तरफ से कथित तौर पर जान से मारने की धमकी मिलने की खबर सामने आई थी। आमिर खान की ५ जुलाई को हुई गौरी स्प्रैट से शादी को लव जिहाद बताया गया था।

असफलता ही सफलता की कुंजी है : अंशिका वर्मा

डुमरी (ससे): नीट मेडिकल प्रवेश परीक्षा २०२६ में सफलता पाने वाली बस स्टैंड समीप प्रोफेसर कालोनी निवासी सह सहायक अध्यापक राजेश कुमार एवं माता मधु देवी की सुपुत्री अंशिका वर्मा ने बातचीत में कहा कि मेरा यह तीसरा प्रयास था।कहा कि इसबार जब नीट की परीक्षा पेपर लीक के कारण रद्द हुआ तो लगा कि दुबारा परीक्षा होगी तो सफलता मिलेगी की नहीं परंतु मुझे अपनी मेहनत और अपने माता पिता के सपनों को साकार करने की जिद पर विश्वास था कि मुझे इस परीक्षा में सफलता जरूर मिलेगी।कहा कि जब नीट की परीक्षा रद्द तो मुझे रिलाईज ही नहीं हुआ कि क्या हो गया है मेरे साथ।माता पिता भी काफी निराश हो गए थे।फिर मैंने सोचा कि मुझे हिम्मत नहीं हारनी है। मुझे तैयारी करना है क्योंकि इस मोड़ पे मैं आ चुकी थी कि मैं छोड़ नहीं सकती थी।बहुत कुछ दांव पे लगा हुआ था।पिता अपना हरसंभव प्रयास कर चुके थे और मैं वापस से अपने अभिभावक को निराश नहीं देखना चाहती थी।एक प्रश्न के जवाब में कहा कि कई लोगों को एक बार में सक्सेस मिल जाता है, कई लोगों को कई अटेंप्ट देने के बाद मिलता है।पर हमेशा अपने में पॉजिटिविटी रखना है।जिन्हें एक बार में सक्सेस मिल जाता है वो खुश होते हैं लेकिन उसके मुकाबले जिन लोगों को ड्रॉप लगता है जो एक प्रयास में नहीं निकाल पाते हैं,उन्हें उस ठोकर से अपने आप को संभालने का मौका मिलता है।ये दर्शाता है कि उनमें कितना ताकत है,कितना सहनशक्ति है।असफल होने के बाद लोग बहुत सारे कमेंट करते हैं।कुछ लोग आलोचनाएँ करते हैं।बहुत तरह की बातें सुननी पड़ती हैं।बताया कि दो बार असफल होने पर एक शिक्षक चाचा ने कहा था कि नीट मेडिकल प्रवेश परीक्षा में फेल कर गई ना।पास नहीं कर पाई।बताया कि पूर्व में मुझे और कोर्स बीडीएस मिल रहे थे।लेकिन मेरी जिद्द थी कि करुंगी तो एमबीबीएस करुंगी वरना कुछ नहीं करुंगी।

नागपुर में युवाओं का उग्र प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

नागपुर (ईएमएस) : महाराष्ट्र के नागपुर में रविवार को बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और युवाओं ने प्रदर्शन किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर यह प्रदर्शन था । प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया, परीक्षा प्रणाली में लगातार हो रही अनियमितताओं, पेपर लीक और छात्रों की समस्याओं के लिए जवाबदेही तय की जानी चाहिए। आंदोलन के दौरान युवाओं ने हाथों में तख्तियां लेकर भारी नारेबाजी की. शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग उठाई।

प्रदर्शन में विभिन्न छात्र संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं ने हजारों की संख्या में भाग लिया। आंदोलन शांतिपूर्ण रहा, प्रदर्शनकारी काफी उत्तेजित थे। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था । आयोजकों ने कहा कि जब तक परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं होती। केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा नहीं होता है।

आशा लाता हॉल में स्वतंत्रता दिवस पूर्व उत्सव का आयोजन

बोकारो (ससे): आशा लाता हॉल में स्वतंत्रता दिवस पूर्व उत्सव का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम का संचालन हस्तशिल्प विकास संसथान, हजारीबाग द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में देशभक्ति गीत, नृत्य प्रतियोगिता, भाषण,चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में ३०० से अधिक छात्र-छात्राएं में भाग लिया यह आयोजन भारत के ८०वें स्वतंत्रता दिवस (१५ अगस्त) के आगमन से पहले आयोजित किए जाने वाले विभिन्न स्कूलों का देशभक्ति कार्यक्रमों का सामूहिक आयोजन है। इसका उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर बच्चों और युवाओं में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, संविधान के प्रति सम्मान तथा स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान के प्रति कृतज्ञता की भावना विकसित करना है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ओएनजीसी सी.एस.आर. टीम के श्री दयानंद कालुंडिया महाप्रबंधक मानव संसाधन, प्रमुख अभियन्त्रिक सेवाएँ श्री एम.के.रॉय, श्री वी.सी.सिंह प्रमुख कूप सेवाएँ , श्री वीरेन्द्र कुमार प्रमुख लोगिंग सेवा,श्री विजेंद्र कुमार सिंह -प्रमुख एच एसइ, श्रीमती डॉली कुमारी उप महाप्रबंधक मानव संसाधन - सह- समन्वयक, सी.एस.आर, चंदना चालसानी-प्रबंधक मानव संसाधन, जयंत कुमार खलखो कूप सेवाएं , अजय कुमार दास - इंचार्ज सीसी, श्री शशि कुमार वरिष्ट राज्यभाषा पदाधिकारी - सह- एफ.पी.आर.सी.एस.आर के आलावा संसथान से श्रीमती मंजू देवी मौके पर हस्तशिल्प विकास संस्थान, हजारीबाग के सचिव नरेश ठाकुर, संजय गोप, उमा कुमारी अगस्त शर्मा कार्यक्रम में सहयोग किये ।

नीट परीक्षा में सफल अंशिका को किया सम्मानित

डुमरी (ससे): नीट मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाली बस स्टैंड समीप प्रोफेसर कालोनी निवासी सह सहायक अध्यापक राजेश कुमार एवं माता मधु देवी की पुत्री अंशिका वर्मा को झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन के केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो एवं उपाध्यक्ष भगतू रविदास रवि ने रविवार को उनके आवास में श्रीमद्भागवत गीता देकर सम्मानित किया साथ ही एक सफल डॉक्टर बनने हेतु अपनी शुभकामनाएं दी।झाएकिमयू के पदाधिकारियों ने कहा कि अंशिका वर्मा उन युवक युवतियों के लिए एक प्रेरणास्रोत है जो नीट मेडिकल जैसी प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षा की तैयारी में जूटे हैं।झाएकिमयू पदाधिकारियों ने आमजनों से यह अपील की कि वे अपने बच्चों को उच्चतर शिक्षा अवश्य दिलायें।कहा कि आज लड़कियां हरेक क्षेत्र में अपनी क्षमता और नेतृत्व का लोहा मनवा रही है।

ट्रायल के दौरान स्विमिंग पूल में गोते लगाते प्रतिभागी

बोकारो (ससे): आगामी २४-२६ जुलाई, २०२६ को होटवार, रांची स्थित वीर बुद्ध भगत एक्वेटिक स्टेडियम, मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्विमिंग पूल में आयोजित १६वीं जूनियर एवं सब-जूनियर झारखंड राज्य तैराकी प्रतियोगिता के लिए बोकारो जिले की टीम गठित कर ली गई। बोकारो डिस्ट्रिक्ट स्विमिंग एसोसिएशन के बैनर तले रविवार सुबह नगर के सेक्टर-४ स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो परिसर स्थित स्विमिंग पूल में बोकारो टीम का चयन ट्रायल आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न स्कूलों एवं अन्य जगहों से लगभग १०० प्रतिभागी बच्चों ने भाग लिया। बोकारो टीम का हिस्सा बनने के लिए उनमें काफी उत्साह दिखा। सुबह छह बजे से ही उनका आना शुरू हो गया। सभी ने पूरे उत्साह के साथ पूल में छलांग लगाई और स्विमिंग की फ्री स्टाइल, बैक स्ट्रोक, ब्रेस्ट स्ट्रोक, बटरफ्लाई स्ट्रोक, व्यक्तिगत मेडले, फ्रीस्टाइल रिले और मेडले रिले रेस स्पर्धाओं में जमकर अपने जौहर दिखाए। समेकित रूप से सभी स्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर टीम के तैराकों का चयन किया गया।

बोकारो डिस्ट्रिक्ट स्विमिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार के अनुसार, चयन प्रक्रिया के तहत कुल २१ बाल तैराक बोकारो टीम के लिए चयनित किए गए। इनमें बालक वर्ग में १३ एवं बालिकाओं के वर्ग में आठ तैराक शामिल हैं। बालकों की टीम में अंकित बासु, रेहान अहमद, आरव कुमार, ईशान शर्मा, युवराज सिंह, अतुल्य प्रकाश, लवित लुकेश, दर्श प्रसाद, पुन्नान पुरहान, रुद्र सिंह, अवियांक मंडल, अपूर्व सिंह और दर्शिल राज तथा बालिकाओं के दल में दिव्यांशी आर्या, मरियम हुसैन, आद्या प्रीशा, अरुणिमा, अंशिका आनंद, चारवी सिंह, ईशान्वी आर्या एवं ईशानी शुक्ला के नाम शामिल हैं। ये सभी चयनित प्रतिभागी होटवार, रांची में होने वाली राज्यस्तरीय उक्त प्रतियोगिता में बोकारो जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। डॉ. गंगवार ने टीम के सभी सदस्यों को उम्दा प्रदर्शन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। टीम के साथ प्रशिक्षक के रूप में रूपेश कुमार मौजूद रहेंगे।

बोदरो में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

नावाडीह (बेरमो) (ससे): नावाडीह प्रखंड अंतर्गत बाराडीह पंचायत के ग्राम बोदरो स्थित बजरंगबली मंदिर के समीप १५वें वित्त आयोग (अनाबद्ध अनुदान) मद से लगभग ७.२ लाख रुपए की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास रविवार को हुआ। निर्माण कार्य की स्वीकृति जिला परिषद सदस्य महेंद्र प्रसाद की अनुशंसा पर प्रदान की गई है। शिलान्यास कार्यक्रम का शुभारंभ जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी एवं जिला परिषद सदस्य महेंद्र प्रसाद ने आचार्य त्रिपुरारि पांडेय के मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न पूजा उपरांत नारियल फोड़कर एवं शिलापट अनावरण कर किया । इस अवसर पर बाराडीह पंचायत के मुखिया प्रदीप कुमार वर्मा, पंचायत समिति सदस्य गायत्री देवी, वार्ड सदस्य दिनेश स्वर्णकार, राधिका देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिप अध्यक्ष सुनीता देवी ने कहा कि सामुदायिक भवन का निर्माण क्षेत्र के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके निर्माण से ग्रामीणों को सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक सुव्यवस्थित एवं सुविधायुक्त स्थान उपलब्ध होगा। साथ ही पंचायत स्तर पर आयोजित विभिन्न सरकारी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन में भी सहूलियत मिलेगी। यहां नरेश वर्मा, ओमप्रकाश स्वर्णकार, संजय सोनी, कृष्णदेव पांडेय, रामानंद पांडेय, बालेश्वर सोनार, महेश सोनार आदि उपस्थित थे ।

आजीविका योजना को मिलेगा नया आयाम

बोकारो (ससे): उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा की अध्यक्षता में माइन्स क्लोजर के अंतर्गत कम्युनिटी डेवलपमेंट एंड लाइवलीहुड प्लान (सीडीएलपी) की गतिविधियों को अंतिम रूप देने के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीसीएल एवं बीसीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों के महाप्रबंधक, परियोजना पदाधिकारी तथा पर्यावरण एवं माइन्स क्लोजर से जुड़े नोडल पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में काथारा एवं ढोरी क्षेत्र द्वारा प्रस्तावित सीडीएलपी गतिविधियों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने कहा कि माइन्स क्लोजर के तहत तैयार की जाने वाली योजनाओं का मुख्य उद्देश्य स्थानीय समुदाय के लिए स्थायी एवं सम्मानजनक आजीविका के अवसर सृजित करना होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि गतिविधियों का चयन क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकताओं एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप किया जाए, ताकि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके और लोगों को दीर्घकालिक लाभ मिल सके। उपायुक्त ने काथारा, ढोरी एवं बीएंडके क्षेत्रों को निर्देश दिया कि वे बैठक में प्राप्त सुझावों के अनुरूप प्रस्तावित गतिविधियों का पुनर्मूल्यांकन करें तथा संशोधित कार्ययोजना अगली बैठक से पूर्व समिति को उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि इससे सभी सदस्य प्रस्तावों का पूर्व अध्ययन कर सकेंगे, आवश्यक सुझाव दे सकेंगे तथा अगली बैठक में योजनाओं को प्रभावी एवं समन्वित ढंग से अंतिम रूप दिया जा सकेगा।

निर्धारित समय-सीमा के भीतर ईएफ अवश्य भरें और जमा करें

बोकारो (ससे): विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत ३६-बोकारो विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक मतदाता की सुविधा एवं सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा २४☐७ हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। इन हेल्पलाइन नंबरों के माध्यम से मतदाता किसी भी समय एन्यूमरेशन फॉर्म (गणना प्रपत्र) प्राप्त करने, उसे सही तरीके से भरने तथा उससे संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी एवं सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

यदि किसी मतदाता को अब तक एन्यूमरेशन फॉर्म (गणना प्रपत्र) प्राप्त नहीं हुआ है, तो वे जारी हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर अपना फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही, फॉर्म भरने में आने वाली किसी भी कठिनाई के समाधान के लिए भी इन नंबरों पर सहायता उपलब्ध रहेगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने ३६-बोकारो विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि मताधिकार केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। इसलिए जहाँ कहीं भी हों, यदि आप ३६-बोकारो विधानसभा क्षेत्र के मतदाता हैं, तो अपना एन्यूमरेशन फॉर्म (गणना प्रपत्र) अवश्य प्राप्त करें, उसे सही एवं पूर्ण रूप से भरकर निर्धारित समय-सीमा के भीतर संबंधित बीएलओ को जमा करें।

आपका एक छोटा-सा प्रयास यह सुनिश्चित करेगा कि मतदाता सूची में आपका नाम सही एवं अद्यतन बना रहे और भविष्य में आप अपने लोकतांत्रिक अधिकार का निर्बाध रूप से प्रयोग कर सकें।

२४☐७ हेल्पलाइन नंबर :- १९५०.९२६४४४१९९२,८२९२६६६५२२,७०३३३०५०३४

जिला प्रशासन ने सभी मतदाताओं से आग्रह किया है कि इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाएं तथा अपने परिवार, पड़ोस और परिचितों को भी इसके प्रति जागरूक* करें।एक *जागरूक मतदाता ही सशक्त लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव* होता है। आइए, सभी मिलकर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को सफल बनाएं।

ओएनजीसी के सीएसआर फंड पर विवाद

नई दिल्ली (ईएमएस): सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड को लेकर नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। एक खोजी रिपोर्ट में दावा किया गया है.सरकारी स्वामित्व वाली कई कंपनियों, विशेषकर (ओएनजीसी) ने पिछले एक दशक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) से जुड़े सहयोगी करीब २० संगठनों को सैकड़ों करोड़ रुपये का सीएसआर फंड से अनुदान दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार ओएनजीसी ने वर्ष २०१३ से २०२५ के बीच सीएसआर फंड से लगभग ६६८ करोड़ ऐसे २० संगठनों को दिए हैं.जो संघ से संबद्ध या उससे जुड़े व्यक्तियों द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। सबसे बड़ी राशि असम के एक अस्पताल तथा कुछ शैक्षणिक एवं सेवा संस्थानों को दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है, २०१५ से २०२५ के दौरान ओएनजीसी ने लगभग ४,५३१ करोड़ का सीएसआर फंड दिया है. जिसमें लगभग १४.७ प्रतिशत राशि इन २० संस्थाओं को दी गई गई है।

घर में पानी प्रवेश करने से ग्रामीणों ने कराया निर्माण कार्य बंद

नावाडीह (बेरमो) (ससे): नावाडीह स्थित देवी महतो स्मारक इंटर कॉलेज नावाडीह से महुआटांड तक लगभग ३१ किलोमीटर पीडब्लूडी विभाग से बन रहे पथ चौड़ीकरण व मजबूतीकरण में संवेदक की ओर से भारी अनियमितता बरतने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने बरई मुखिया विजय कुमार रवि एवं जेएलकेएम के प्रखंड अध्यक्ष देवनारायण महतो के अगुवाई में रविवार को वोनकटवा के समीप विरोध किया । साथ ही निर्माण कार्य में अनियमितता बरतने तथा भू अर्जन को तहत रैयत के बगैर मुआवजा दिए काम करने का विरोध करते हुए निर्माण कार्य बंद करवा दिया । बरई मुखिया विजय कुमार रवि ने बताया कि उक्त पथ निर्माण में संवेदक पीसीसी निर्माण सरकारी मापदंड के विरुद्ध कर रहा है । यहां तक कि वोनकटवा में पहले से बने पीसीसी पथ को बगैर हटाए, उस पर ढलाई कर देने से पूरे गांव के घरों में सड़क का पानी प्रवेश कर जा रहा है । जिससे घर के अंदर रखे समान पानी से बरबाद हो जा रहा है । संवेदक की लापरवाही के वजह से वोनकटवा के लोगों का इस बारिश में जीना दुश्वार हो गया है । यह भी बताया कि सड़क निर्माण के पहले हुए ग्रामसभा में भू अर्जन को पहले रैयतों को भुगतान करने पर सहमति बनी थी । किन्तु संवेदक रैयतों को मुआवजा राशि उपलब्ध कराए बगैर जबरन निर्माण काम कर रहा है । यहां संवेदक के मनमाने के खिलाफ पवन महतो, प्रदीप महतो, जानकी महतो, तुलाराम महतो, परमेश्वर महतो, कामेश्वर महतो, प्रकाश महतो, मुन्नीलाल महतो, जाहिद हुसैन, इस्लाम अंसारी, गौतम कुमार महतो, सुरेश कुमार महतो, ननकी देवी, नारायण महतो, विनोद महतो, लीलावती देवी, लिलवा देवी, अभिषेक कुमार महतो, दिनेश कुमार महतो, पिंटू कुमार महतो आदि उपस्थित थे ।

दिल्ली हाई कोर्ट का आदेश, प्राइवेट हॉस्पिटल में नहीं शिफ्ट होंगे वांगचुक

नई दिल्ली(ईएमएस): दिल्ली हाई कोर्ट में सोनम वांगचुक मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान, हाई कोर्ट ने कहा कि इस स्टेज पर कोई अंतरिम आदेश जारी करने की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने वांगचुक को डॉक्टरों का सहयोग करने का निर्देश दिया और उन्हें किसी प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट करने की उनकी मांग को भी ठुकरा दिया। कोर्ट ने कहा कि वांगचुक को अस्पताल भेजने का फैसला मनमाना नहीं था। इस मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया गया है और अगली सुनवाई २४ जुलाई को तय की गई है।

इससे पहले सोनम वांगचुक से जुड़े मामले में कोर्ट में केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने कोर्ट को बताया कि वांगचुक ने पहले आईवी-ड्रिप लेने से इनकार किया था। लेकिन बाद भी इसके लिए मंजूरी दे दी। इस पर कोर्ट ने पूछा कि क्या उन्हें यह इलाज उनकी मर्जी से दिया गया था? इस पर एडिशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने कोर्ट को बताया कि हां, उन्होंने सिर्फ इतना पूछा था कि क्या शुगर-फ्री दवा उपलब्ध है। उधर, दिल्ली हाई कोर्ट में दायर याचिका में सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि द्वारा सफदरजंग अस्पताल के कामकाज पर गंभीर सवाल उठाए गए।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

कमिटी विवाद में सर्कस मैदान बना रणभूमि, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

जोड़ापोखर (ससे) : कोयलांचल के ऐतिहासिक और बहुचर्चित ३८वें श्री श्री गणेश महोत्सव की तैयारियों के बीच डिगवाडीह सर्कस मैदान में कमिटी गठन को लेकर ऐसा बवाल मचा कि पूरा मैदान रणभूमि में तब्दील हो गया। नई कमिटी बनाने और दोबारा भूमि पूजन कराने पहुंचे एक गुट का पहले से कार्यरत पूजा कमेटी के सदस्यों से आमनासामना हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक मारपीट में बदल गई। लातघूंसे चलने लगे, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई और श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद इतना बढ़ गया कि स्थिति नियंत्रण से बाहर होने लगी। सूचना मिलते ही जोड़ापोखर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को अलग करने का प्रयास किया। विरोध नहीं थमने पर पुलिस को हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को तितरबितर करना पड़ा। इस दौरान चार लोगों को हिरासत में लिया गया, जिससे माहौल और गर्मा गया।

जानकारी के अनुसार विगत १६ को पूजा कमिटी द्वारा विधिवत भूमि पूजन कर महोत्सव की तैयारियों का शुभारंभ किया गया था। वर्तमान कमिटी का नेतृत्व अध्यक्ष जगजीवन राम, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. एम.के. ठाकुर, सचिव मोहन यादव, संयुक्त सचिव दिनेश यादव तथा कोषाध्यक्ष उत्सव राम कर रहे हैं।

शैलेन्द्र खरवार एवं पूर्व मेला संचालक पवन प्रजापति के नेतृत्व में एक अन्य गुट ने नई कमिटी गठन के लिए आमसभा बुलाकर दोबारा भूमि पूजन करने का प्रयास किया। वर्तमान कमिटी ने इसका कड़ा विरोध किया। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हुई, जो कुछ ही देर में हाथापाई में बदल गई। सर्कस मैदान में भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई।

घटना के बाद दोनों गुटों के समर्थक बड़ी संख्या में जोड़ापोखर थाना पहुंच गए और एकदूसरे पर पूजा समिति के नाम पर लाखों की आय में गड़बड़ी, अनियमितता और मनमानी के गंभीर आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। स्थिति बिगड़ते देख पुलिस को थाना परिसर में भी हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को हटाना पड़ा।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सिंदरी अनुमंडल के एसडीपीओ प्रकाश चंद्र महतो तथा झरिया थाना प्रभारी जोड़ापोखर थाना पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने करीब दो घंटे तक दोनों पक्षों के साथ अलग-अलग और संयुक्त रूप से वार्ता कर समझौते का प्रयास किया, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका। दोनों पक्ष अपनी-अपनी मांगों पर अड़े रहे।

फिलहाल डिगवाडीह सर्कस मैदान एवं आसपास के इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। गणेश महोत्सव से पहले उत्पन्न इस विवाद ने पूरे क्षेत्र का माहौल गर्मा दिया है और अब सभी की नजर प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई है।

कलश यात्रा के साथ श्रीमदभागवत कथा शुरू

गोविंदपुर (ससे) : साबलपुर गांव में कलश यात्रा के साथ-साथ श्रीमद् भागवत कथा की

शुरुआत हुई। भागवत मर्मज्ञ सुरेन्द्र हरिदास जी महाराज के सानिध्य में आयोजित कलश यात्रा में बड़ी संख्या में भाग लिया। कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु बाजा-गाज एवं ढोल-नगाड़े के साथ कथा स्थल से मड़ई थान तक गये और फिर वापस कथा पहुंचे।

संपूर्ण यात्रा के दौरान वातावरण 'राधेसधे' के जयकारों से गूंजता रहा और साबलपुर भक्ति और श्रद्धा की अनुपम छटा से आलोकित हो उठा। कथा में नो तिलक, नो एंट्री। का नियम बनाया है। बिना तिलक के कोई पूजा भगवान स्वीकार नहीं करते है। उन्होंने कहा कलयुग के लोगो का कल्याण श्रीमद्भागवत से ही होगा। कलियुग में मनुष्य अनेक प्रकार की मोहमाया और अशांति से घिरा हुआ है। ऐसे समय में श्रीमद्भागवत कथा ही वह दिव्य साधन है, जो मनुष्य के जीवन को सही दिशा प्रदान कर सकता है। भागवत कथा के श्रवण से हृदय में भगवान के प्रति प्रेम जागृत होता है, मन के विकार दूर होते हैं और जीवन में आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है। जो व्यक्ति श्रद्धा और विश्वास के साथ भागवत कथा का श्रवण करता है, उसके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आने लगते हैं। कथा मनुष्य को धर्म, भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का मार्ग दिखाती है तथा उसे ईश्वर से जोड़ने का कार्य करती है।

आज बहुत से लोग मंगलवार के दिन मांस और शराब का सेवन नहीं करते, लेकिन सप्ताह के बाकी दिनों में बिना किसी संकोच के वही सब करते हैं। यदि कोई कार्य एक दिन गलत है, तो वह बाकी दिनों में सही कैसे हो सकता है। भगवान ने कहीं यह नहीं कहा कि केवल मंगलवार को ही सात्विक बनो और शेष दिनों में मनमानी करो। सच्ची भक्ति का अर्थ है कि हमारे विचार, वाणी और आचरण हर दिन पवित्र रहें। यदि हम भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा रखते हैं, तो हमें केवल विशेष दिनों पर ही नहीं, बल्कि हर दिन नशे, हिंसा और बुरी आदतों से दूर रहने का प्रयास करना चाहिए। मौके पर मंतोष साधु, यजमान परिवार तपन कुमार गोप व पारूल देवी, विनोद महतो व उतरा देवी, पूर्व प्रमुख डीएन सिंह, सुभाष गिरि, कमलेश गोप, नितेश गोप, गौतम गोप, शिवपूजन गोप, डीएन सिंह, धीरेन महतो, राजकिशोर गोप, महेंद्र प्रसाद, संतोष गोप, हरिभजन गोप, सत्यनारायण महतो, छठीलाल महतो, परमेश्वर महतो, भरत कुंभकार, विद्यासागर समेत साबलपुर व गोसाईडीह नागरिक समिति थे। कथा २५ जुलाई तक प्रतिदिन शाम ४:०० से शाम ७:०० बजे तक होगी।

आरएसएस की युवा संगोष्ठी में राष्ट्र निर्माण का संदेश

धनबाद (कासं) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर धनबाद में युवा

संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आईआईटीआईएसएम के जीजेएलटी सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी, गैरसरकारी और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े २० से ३५ वर्ष आयु वर्ग के २२३ युवाओं ने हिस्सा लिया। संगोष्ठी में राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता और संघ के पंच परिवर्तन अभियान को लेकर युवाओं के साथ संवाद किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। आईआईटीआईएसएम के प्रोफेसर धीरज कुमार ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए युवाओं की सकारात्मक भागीदारी पर जोर दिया। इसके बाद युवाओं ने राष्ट्र निर्माण और पंच परिवर्तन जैसे विषयों पर मंचासीन पदाधिकारियों से सीधे संवाद कर अपने सवाल रखे।

मुख्य वक्ता एवं क्षेत्र सामाजिक सद्भाव संयोजक राकेश लाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्थापना के सौ वर्ष पूरे कर रहा है और इस शताब्दी वर्ष में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, स्व का बोध, सामाजिक समरसता, स्वदेशी जीवनशैली और नागरिक कर्तव्य जैसे पांच प्रमुख विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ संस्कार और देशभक्ति भी उतनी ही जरूरी है, तभी आत्मनिर्भर और सशक्त भारत का निर्माण संभव होगा।

संगोष्ठी में सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, स्वदेशी, पर्यावरण संरक्षण, अनुशासन, समय प्रबंधन और स्वरोजगार जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। युवाओं से अपने घर और मोहल्ले से सामाजिक बदलाव, स्वच्छता, जल संरक्षण, पौधारोपण और प्लास्टिक मुक्त जीवन की शुरुआत करने का संकल्प लेने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि युवा ही राष्ट्र की रीढ़ हैं और राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित युवाओं का निर्माण करना है। ताकि विकसित भारत की परिकल्पना पूरी हो सके।

धनबाद जेल में लगी अदालत व जांच शिविर

धनबाद (कासं) : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धनबाद द्वारा मंडल कारा धनबाद में जेल अदालत एवं मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। इस बाबत जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि जेल अदालत में बंदियों के मुकदमों पर सुनवाई हुई वहीं मेडिकल कैम्प में सदर अस्पताल धनबाद के चिकित्सक डॉ राजीव सिंह के नेतृत्व में डॉ. प्रमात कुमार (सर्जरी रोग), स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ अंजना कुमारी, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ हरेंद्र कुमार, नेत्र रोग विशेषज्ञ, हुआ मनोरोग काउंसलर अभीशिक्ता मुखर्जी द्वारा कुल १२७ बंदियों का स्वास्थ्य जांच किया गया तथा उन्हें जरूरी दवाई उपलब्ध कराई गई। इस मौके पर जेलर दिनेश कुमार, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ कुमार विमलेन्दु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक नीरज गोयल, कन्हैयालाल ठाकुर, स्वाति कुमारी, शैलेंद्र झा, पारा लीगल वॉलंटियर, अंशुल कुमार समेत जेल के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्री श्री सार्वजनिक आषाढ़ी पूजा संपन्न

केंदुआ (ससे) : खैरा नंबर ४ के शिव मंदिर मुहल्ला में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रविवार को श्री श्री सार्वजनिक आषाढ़ी पूजा धूमधाम से संपन्न किया गया। इस पूजा अनुष्ठान में भगत सनोज पासवान द्वारा विधि विधान पूर्वक देवी देवताओं में शीतला माता, काली माता, डीहवाल बाबा आदि के स्थान पर धूप अगरबती जलाया गया एवं फूल मालाओं तथा प्रसाद स्वरुप लड्डू-बतासा चढ़ा खीर का भोग लगाते हुए पूजाअर्चना शुभारंभ की गई। सर्व प्रथम मुर्गे की बलि दी गई एवं कुछ क्षण बाद विधिवत ६ बकरे की बलि दी गई। लोगों के बीच प्रसाद वितरण की गई। वहीं इस पूजा अनुष्ठान को लेकर स्थानीय सहयोगी भगत सूरज पासवान ने बताया कि यह आषाढ़ी पूजा यहां खैरा शिव मंदिर मुहल्ले में परम्परागत लगभग १०० वर्षों से अधिक समय से होती चली आ रही है और जो कोई भी पुरुष माता बहने इस पूजा के माध्यम से मन्नतें मांगते है उनकी मन्नतें पूर्ण होती है। यहां यह पूजा अनुष्ठान गांव मुहल्ले में शांति का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि यहां के लोग कहीं भी काम रोजगार करने दूर दराज जाते है पर आषाढ़ी पूजा के समय वे अपने घर चले आते है और पूजा में शामिल होकर सफल बनाते है। इस पूजा अनुष्ठान को सफल बनाने में सर्वश्री देव मुनी पासवान,देवेंद्र मालाकार, रंजीत पासवान, सनोज पासवान, सूरज पासवान, अंकुश कुमार पासवान, हर्ष पासवान, सुनील मालाकार, सुनील पासवान, बक्सरी पासवान, सुधीर पासवान, सबुजा देवी, सुनैना देवी, सुमन कुमारी, सुभद्रा देवी, मुन्नी देवी, बसंती देवी आदि का सराहनीय योगदान रहा।

समसामयिक मुद्दों को ले विधायक रागिनी ने जनमत सर्वेक्षण के वी.के. पांडेय से की सार्थक चर्चा

धनबाद/झरिया (कासं) : झरिया विधायक रागिनी सिंह ने धनबाद स्थित अपने आवास सिंह मेंशन में

जनमत सर्वेक्षण के वी.के. पांडेय से शिष्टाचार भेंट एवं आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच धनबाद एवं झारखंड से जुड़े विभिन्न समसामयिक, सामाजिक और जनहित के महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं सकारात्मक चर्चा हुई। बैठक में क्षेत्र के विकास, जनभावनाओं, स्थानीय समस्याओं, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर विचारविमर्श किया गया। साथ ही जनसरोकार से जुड़े विषयों पर समाज की अपेक्षाओं और विकास की दिशा में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि जनप्रतिनिधियों, समाज के प्रबुद्ध वर्ग और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ होने वाला संवाद जनहित में बेहतर निर्णय लेने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को गति देना तथा क्षेत्र की समस्याओं का प्रभावी समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा, जनसेवा और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे सार्थक संवाद सदैव प्रेरणादायी एवं मार्गदर्शक होते हैं। जनभावनाओं को समझकर उनके अनुरूप कार्य करना ही एक जनप्रतिनिधि का दायित्व है। मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई और दोनों ने भविष्य में भी जनहित के मुद्दों पर निरंतर संवाद बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की।

पूर्व मंत्री व विधायक स्व. मन्नान मलिक को दी गई श्रद्धांजलि

जोड़ापोखर (ससे) : राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर के अध्यक्ष

कुमार जयमंगल (अनूप सिंह) एवं कार्यकारी अध्यक्ष अनुपमा सिंह ने संध्या ४.३० बजे स्व. मन्नान मलिक के आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की। दोनों नेताओं ने अपने संयुक्त शोक संदेश में कहा कि स्व. मन्नान मल्लिक एक ईमानदार, संघर्षशील, निर्भीक एवं जनसेवा के प्रति समर्पित जननेता थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन गरीबों, मजदूरों, शोषितों, वंचितों एवं समाज के हर वर्ग के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित किया। उनका निधन धनबाद, झारखंड की राजनीति, विधि जगत एवं मजदूर आंदोलन के लिए अपूरणीय क्षति है।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में हुब्बान मल्लिक, जिला अध्यक्ष संतोष सिंह, ए के झा, मुख्तार खान, रामप्रीत यादव, रामगोपाल भुवानिया, करीम अंसारी, बाबू अंसारी, मनोज सिंह, शाहिद कमर, कुमार गौरव, सोनू, अक्षेयवर प्रसाद, क्यूम खान आदि सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर आयोजित हनुमत् महायज्ञ का समापन

धनबाद (कासं) : ९९ कोयलांचल सिटी धनबाद में चल रहे श्री श्री १०८ हनुमत् महायज्ञ का हवन, आहुति, रूद्राभिषेक एवं महाप्रसाद व महाभंडारे के साथ सम्पन्न हुआ।चार दिवसीय हनुमत् महायज्ञ के समस्त अनुष्ठानों का सम्पादन प्रकांड विद्वानों व द्विजों द्वारा किया गया। आचार्य रविन्द्र तिवारी एवं अन्य ग्यारह आचार्यों द्वारा महायज्ञ कराया गया। आचार्य बाल्मुकुंद पाडेय एवं श्री श्यामेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी आचार्य अमरदीप पाडेय ने महायज्ञ में अहम भूमिका निभाई। महायज्ञ के मुख्य यजमान की भूमिका में पापू श्रीवास्तव एवं उनकी पत्नी अंजला सिन्हा रहे।

बताते चलें कि महायज्ञ के साथ साथ विगत १६ की संध्या से १८ जुलाई की संध्या तक देवी अदिति प्रिया पाठक जी द्वारा प्रवचन कथा वाचन किया गया। प्रवचन के दौरान श्रद्धालुओं की अपार भीड़ देखी गई एवं श्रद्धालुओं ने प्रवचन का भरपूर लाभ उठाया। चारों दिन ९९ कोयलांचल सिटी एवं आसपास में भक्ति भाव व्याप्त रहा। यज्ञ के दौरान किए गए मंत्र जाप एवं हवन के मंत्रों से पूरे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित होता रहा। महायज्ञ के पूर्णाहुति के के बाद संध्या में श्री श्यामेश्वर महादेव का महाकाल के रूप में श्रृंगार किया गया। दर्शनार्थी श्यामेश्वर महादेव को महाकाल के रूप में दर्शन कर अभिभूत हुए। श्री श्री १०८ हनुमत् महायज्ञ में यज्ञ समिति के बी के तिवारी, अरूण कुमार शाही, अमित कुमार सिंह, हरे राम पंडित, उमेश पाडेय, केशरी नन्दन, कुन्दन मिश्रा, ब्रह्मदेव सिंह,एस पी शर्मा,अशोक कुमार शर्मा, ९९ ग्रुप ऑफ कंपनीज एवं ९९ कोयलांचल सिटी के निवासियों की सक्रिय भूमिका रही।

रैयतों का एक प्रतिनिधिमंडल झामुमो के केन्द्रीय सदस्य से मिला

धनबाद (कासं) : झामुमो के केन्द्रीय सदस्य एवं मुख्यमंत्री के मामा गुरुचरण किस्कू से धनबाद के चन्द्र शेखर पाठक के नेतृत्व में रैयतों का एक प्रतिनिधिमंडल चांडिल स्थित उनके आवास में जाकर मिला एवं रैयतों की समस्या उनके समक्ष रखी। रैयतों ने गोन्दुडीहखास कुसुण्डा ओपन कास्ट परियोजना के प्रभावित रैयतों एवं ग्रामीणों की समस्या को विस्तार से रखा जिसे झामुमो नेता श्री किस्कू ने ध्यानपूर्वक सुना एवं पूर्ण भरोसा दिलाया है कि रैयतों के लड़ाई में हर परिस्थिति में साथ रहूंगा एवं मामले को मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाकर पूर्ण समाधान होने तक रैयतों का साथ दूंगा। प्रतिनिधिमंडल में भागीरथ रवानी, अशोक तिवारी, महेश तिवारी, विकास रवानी, चन्द्र शेखर पाठक आदि शामिल थे।

जिप सदस्य घायल छात्र का हालचाल जाना

गोविंदपुर (ससे) : जिप सदस्य नाजिश रहमानी ने एसएनएमएमसीएच में भर्ती नगर कियारी निवासी जवाहर नवोदय विद्यालय बेनागोड़िया के छात्र सुमित कुमार का हालचाल लिया। उन्होंने कहा कि सुमित के साथ अमानवीय करतूत की गई है। उन्होंने दोषियों को सजा के साथसाथ लापरवाही के लिए विद्यालय प्रबंधन के जिम्मेदारों पर भी कार्रवाई की मांग की।

क्रिकेट के समग्र विकास को ले संघ की प्रबंध समिति की बैठक

धनबाद (कासं) : धनबाद क्रिकेट संघ की प्रबंध समिति की बैठक में क्रिकेट के समग्र विकास से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचारविमर्श कर सर्वसम्मति से कई निर्णय लिए गए। अवधेश कुमार सिंह की ओर से डीसीए को विशेष आम सभा बुलाए जाने को लेकर भेजे गए पत्र को यह कहते हुए खारिज कर दिया गया कि इसमें कई सदस्यों के हस्ताक्षर फर्जी थे, कई ऐसे लोगों के हस्ताक्षर थे जो सदस्य ही नहीं थे। संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि अवधेश कुमार सिंह की ओर से भेजे गए पत्र पर प्रबंध समिति की विगत २६ जून को हुई बैठक में चर्चा हुई थी। बैठक में उस पत्र में सदस्यों के हस्ताक्षर की वैधता को लेकर संशय व्यक्त किया गया था। पत्र देने के तीन दिन के बाद स्वयं अवधेश कुमार सिंह ने ईमेल भेजकर स्वीकार किया था कि उस पत्र में दस सदस्यों के हस्ताक्षर वैध नहीं थे। इसपर समिति ने सदस्यों के हस्ताक्षर की वैधता की जांच कराने के लिए धनबाद प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजीव कुमार झा को अधिकृत किया था। संजीव

कुमार झा ने इसपर अपनी रिपोर्ट विगत १६ जुलाई को सौंपी जिसमें यह कहा गया कि कई सदस्यों ने उसमें अपना फर्जी हस्ताक्षर होने की बात कही। कई क्लबों के प्रतिनिधियों के तौर पर जो हस्ताक्षर किए गए वे क्लब की ओर से प्राधिकृत ही नहीं थे। एक ऐसे सदस्य के भी इसपर हस्ताक्षर मिले जो लंबे समय से विदेश में हैं। कुल मिलाकर ६५ प्रतिशत सदस्यों के हस्ताक्षर में गड़बड़ी पाई गई। संजीव झा के जांच प्रतिवेदन के आधार पर अवधेश कुमार सिंह की मांग को अस्वीकृत कर दिया गया और इस संबंध में उन्हें पत्र भेज भी दिया गया।

बैठक में कई और महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। इसमें धनबाद में महिला क्रिकेट को प्रोत्साहन देने और महिला क्रिकेटरों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महिला समिति का गठन किया गया। समिति की अध्यक्ष डीपीएस की प्राचार्य डा. सरिता सिन्हा को बनाया गया जबकि पूनम शर्मा, आशनी सिंह, डा. नीतू सहाय, सोनाली सिंह, सुप्रिया कुमारी, कल्याणी सिन्हा, डा. रीना बर्णवाल और बिंदु सिंह को इसका सदस्य मनोनीत किया गया। बैठक में कार्यकारिणी सदस्य संतोष कुमार सिंह एवं दिवेन तिवारी के आचरण एवं एसोसिएशन की गतिविधियों के प्रति उनके असहयोगात्मक रवैये को लेकर चर्चा की गई।

प्रबंध समिति का मत था कि उनके व्यवहार से ऐसा लग रहा था कि उनका उस समिति पर विश्वास ही नहीं है, जिसके वे सदस्य हैं। इससे लगता है कि वे कार्यकारिणी सदस्य के रूप में कार्य करने के इच्छुक नहीं हैं और ऐसा माना जाता है कि उन्होंने अपना पद त्याग दिया है। उनके स्थान पर अशोक सर्राफ और शिव शक्ति को तत्काल प्रभाव से कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा अभिषेक सिंह को भी कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

रोजगार की माँग क़ो लेकर प्रदर्शन

लोयाबाद (ससे) : ग्रामीणों ने रोजगार की मांग करते हुए एक बार फिर से कनकनी कोलियरी में संचालित रामअवतार आउटसोर्सिंग कंपनी का काम चालू नहीं होने दिया। कंपनी का काम क़रीब एक माह से बंद पड़ा था। दो दिन पूर्व भी शुक्रवार क़ो रामअवतार कंपनी का कार्य चालू होने से पहले ही ग्रामीणों ने बंद करवा दिया था। कोलियरी पीओ धीरज कुमार सिन्हा तथा प्रबंधक रोहित कुमार ने ग्रामीणों से वार्ता भी किया। मगर वार्ता विफल रहा था।वही ग्रामीणों ने कहा की आउटसोर्सिंग कंपनी स्थानीय बेरोजगारो क़ो रोजगार से वंचित कर रहे है जो ग़लत है। अगर जल्द ही स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार नहीं दिया गया तो आंदोलन तेज होगा। रविवार होने के कारण कोई भी अधिकारी वार्ता के लिए नहीं पहुंचे। सुरक्षा को लेकर मौके पर भारी संख्या मे सीआईएसएफ जवान कैम्प किये हुए है। धरना प्रदर्शन में भाजपा नेत्री गीता सिंह, अनिता देवी, निलु बाउरी, उषा देवी, मुन्नी देवी, जसीम अंसारी सहित सैकड़ों महिलापुरुष शामिल थे।

डॉ. अनीता कुमारी ऑनर ऑफ अशोका अवार्ड से सम्मानित

धनबाद (कासं) : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खनि विद्यापीठ) आईआईटी-आईएसएम धनबाद की शारीरिक शिक्षा एवं खेल अधिकारी डॉ. अनीता कुमारी को नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित एक गरिमामय समारोह में चार्ल्स वॉल्टर्स काउंसिल फॉर इनोवेशन एंड रिसर्च के प्रतिष्ठित ऑनर ऑफ अशोका अवार्ड से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर समारोह में तेलंगाना के राज्यपाल एच.ई. शिव प्रताप शुक्ल, भारत सरकार के पूर्व सचिव विश्वपति त्रिवेदी (आईएएस सेवानिवृत्त) तथा उत्तराखंड उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेश टंडन सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के साक्षी के रूप में भारत सरकार के पूर्व गृह एवं वाणिज्य सचिव गोपाल कृष्ण पिल्लई (आईएएस), हरियाणा के पूर्व पुलिस महानिदेशक आर.सी. मिश्रा (आईपीएस, सेवानिवृत्त) तथा जालना (महाराष्ट्र) की उपायुक्त आशिमा मित्तल (आईएएस) भी मौजूद थे।

यह सम्मान डॉ. अनीता कुमारी के खेल, शारीरिक शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता और युवा सशक्तीकरण के क्षेत्र में लंबे समय से दिए जा रहे योगदान की राष्ट्रीय स्तर पर मिली महत्वपूर्ण पहचान है। २२ वर्षों से अधिक के अपने सेवाकाल में उन्होंने खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ महिला स्वास्थ्य एवं शारीरिक सक्रियता से जुड़े विषयों पर उल्लेखनीय शोध कार्य किया है। उनके शोध-पत्र राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पीयर-रिव्यूड शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।

डॉ. अनीता कुमारी शारीरिक शिक्षा में पीएचडी, मास्टर डिग्री तथा यूजीसी-नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण हैं। वे योगा सर्टिफिकेशन बोर्ड से प्रमाणित हैं और मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, नई दिल्ली से योग एवं वेलनेस का प्रमाणन भी प्राप्त कर चुकी हैं। एक खिलाड़ी के रूप में उन्होंने वर्ष २००१ की ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी मीट में पदक जीतने के साथ विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में अपने विश्वविद्यालय और राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

आईआईटी-आईएसएम धनबाद ने डॉ. अनीता कुमारी को इस राष्ट्रीय सम्मान के लिए बधाई देते हुए इसे संस्थान तथा झारखंड के लिए गर्व का विषय बताया। यह सम्मान खेल, शिक्षा, शोध और नेतृत्व के क्षेत्र में उनके सतत योगदान का सम्मान है तथा युवा खिलाड़ियों और छात्राओं के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि है।

असंगठित मजदूर मोर्चा का सम्मेलन संपन्न

सिंदरी (ससे) : सिंदरी चर्च हॉल में असंगठित मजदूर मोर्चा का प्रथम धनबाद जिला सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाकपा (माले) पोलित ब्यूरो सदस्य एवं पूर्व विधायक आनंद महतो मुख्य अतिथि तथा सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। आनंद महतो ने केंद्र सरकार पर मजदूर विरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि संगठन मजदूरों के हक और अधिकार की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाएगा। विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि असंगठित मजदूर मोर्चा हर स्तर पर मजदूरों की समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करता रहेगा। केंद्रीय महामंत्री निताई महतो ने संगठन को झारखंड के सभी जिलों में मजबूत करने का आह्वान किया। सम्मेलन में सर्वसम्मति से धनबाद जिला कमेटी का गठन किया गया। सुरेश प्रसाद को अध्यक्ष, अंबुज मंडल को कार्यकारी अध्यक्ष, पवन महतो को सचिव, गणेश दास को कोषाध्यक्ष तथा ममता देवी को सह-कोषाध्यक्ष चुना गया। अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का भी चयन किया गया।

पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक को दी गई श्रद्धांजलि

धनबाद (कासं) : भूली में नवसंकल्प मंच के बैनर तले झारखंड के पूर्व मंत्री एवं धनबाद के पूर्व विधायक स्व. मन्नान मल्लिक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा और उनके सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान को स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा में वार्ड संख्या १५ के पार्षद, पार्षद प्रतिनिधि, वार्ड संख्या १६ के पार्षद प्रतिनिधि, नवसंकल्प मंच के संरक्षक एवं पदाधिकारी, अंबेडकर विचार मंच के पदाधिकारी, स्थानीय समाजसेवी तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे। सभी ने स्व. मन्नान मल्लिक के व्यक्तित्व और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि स्व. मन्नान मल्लिक ने अपने राजनीतिक जीवन में हमेशा जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान और क्षेत्र के विकास के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य हमेशा लोगों को प्रेरित करते रहेंगे। कार्यक्रम का समापन स्व. मन्नान मल्लिक को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने के संकल्प के साथ किया गया।

पंजाब पुलिस ने एसएचओ गुरिंद्रजीत सिंह नागरा को गिरफ्तार कर किया निलंबित

चंडीगढ़,(ईएमएस): जबरन वसूली और भ्रष्टाचार के मामले में पंजाब पुलिस ने होशियारपुर के टांडा थाने के तत्कालीन एसएचओ गुरिंद्रजीत सिंह नागरा को गिरफ्तार कर निलंबित कर दिया है। ये कार्रवाई अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के ऑपरेशन हार्ड बॉल के दौरान उनका नाम सामने आने के बाद की गई। विभागीय जांच में सबूत मिलने के बाद उनके खिलाफ एक्सटॉर्शन और भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अब मामले के हर पहलू की गहन जांच कर रही है।

यह पूरा मामला अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के परिवार से कथित तौर पर ४ लाख डॉलर यानी करीब ४ करोड़ रुपए की फिरौती मांगने के आरोप से जुड़ा है। एफबीआई और अन्य अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसियों का दावा है कि गैंगस्टर नेटवर्क से जुड़े लोगों ने पंजाब में दर्ज एक हत्या के केस का दबाव बनाकर पीड़ित परिवार से बड़ी रकम वसूलने की कोशिश की। जांच के दौरान इस पूरे घटनाक्रम में तत्कालीन एसएचओ गुरिंद्रजीत सिंह नागरा का नाम भी सामने आया।

अमेरिका, कनाडा और यूरोप में सक्रिय गैंगस्टर नेटवर्क के खिलाफ १० जुलाई को एफबीआई और अन्य एजेंसियों ने संयुक्त अभियान ऑपरेशन हार्ड बॉल चलाया। इस दौरान कुख्यात गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की पड़ताल की गई। इसमें भारतीय पुलिस अधिकारी की भूमिका सामने आई, जिसकी पहचान टांडा के तत्कालीन एसएचओ गुरिंद्रजीत सिंह नागरा के रूप में की गई। अमेरिकी एजेंसियों ने दावा किया कि नागरा का नाम कथित फिरौती की साजिश में सामने आया है।

जांच एजेंसियों के मुताबिक अमेरिका में रह रहे एक परिवार पर हत्या के मामले में कार्रवाई का डर दिखाकर ४ लाख डॉलर की मांग की गई थी। आरोप है कि गैंगस्टर नेटवर्क से जुड़े लोगों ने विदेश में रह रहे परिवार की जानकारी जुटाई और भारत में अपने संपर्कों के जरिए उन पर दबाव बनाया। अमेरिकी एजेंसियों ने इस मामले में नागरा की तस्वीर भी जारी कर उन्हें संदिग्ध भूमिका वाला अधिकारी बताया था।

यह विवाद होशियारपुर के मियाणी गांव में १५ जनवरी २०२६ को हुए आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता एवं हार्डवेयर कारोबारी बलविंदर सिंह सतकरतार हत्याकांड से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू की थी और बाद में अमेरिका में रह रहे रिटायर्ड एएसआई चरनजीत सिंह का नाम सामने आया। चरनजीत सिंह मृतक के समधी बताए गए थे और उन पर पारिवारिक विवाद के चलते हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था। तत्कालीन एसएचओ गुरिंद्रजीत सिंह नागरा ने २४ मई २०२६ को प्रेस वार्ता कर दावा किया था कि पुलिस जांच में सामने आया है कि हत्या पारिवारिक रंजिश के कारण करवाई गई। उन्होंने कहा था कि अमेरिका में रहने वाले रिटायर्ड एएसआई चरनजीत सिंह ने अपनी बेटी के वैवाहिक विवाद के चलते शूटरों को कथित तौर पर सुपारी दिलवाई। इसी आधार पर पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाया था।

बाद में अमेरिकी एजेंसियों की जांच में दावा किया गया कि हत्या के इसी मामले को आधार बनाकर अमेरिका में रह रहे परिवार से पैसे की मांग की गई। आरोप है कि यदि रकम नहीं दी जाती तो केस में फंसाए रखने और कानूनी कार्रवाई जारी रखने की धमकी दी गई। अमेरिकी अटॉर्नी बिलाल ए. एसायली ने भी आरोप लगाया कि इस पूरे घटनाक्रम में गैंगस्टर नेटवर्क के साथ कुछ भारतीय पुलिस अधिकारियों की भूमिका की जांच की गई, जिसमें नागरा का नाम भी शामिल था।

एलजीबीटीक्यूआईए की वजह शादी की पवित्रता खत्म हुई, समाज में इनका क्या योगदान

नई दिल्ली,(ईएमएस): दिग्गज सिंगर अनुराधा पौडवाल इन दिनों ट्रोल्स के निशाने पर हैं। हाल ही में उन्हें राम मंदिर विवाद पर हुई ट्रोलिंग को लेकर सफाई देनी पड़ी। अब वो अपने एक और बयान को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त विवादों में घिर गई हैं। उन्होंने एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय के अधिकारों को भारत में शादी जैसी संस्था के कमजोर होने की वजह बताया। इतना ही नहीं, उन्होंने ये भी सवाल उठाया कि ये समुदाय समाज के लिए आखिर क्या योगदान देता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अनुराधा पौडवाल ने कहा- आज शादी की पवित्रता पहले जैसी नहीं रही। इसकी वजह एलजीबीटीक्यूआईए+समुदाय को दिए गए अधिकार हैं। मैं जानना चाहती हूं कि ये समाज के लिए क्या योगदान दे रहे हैं? किस तरह से योगदान कर रहे हैं? एक लड़का और लड़की शादी करके परिवार बनाते हैं, वही सही तरीका है।

उन्होंने आगे कहा कि वो आए दिन ऐसी बातें सुनती हैं जो उन्हें अजीब लगती हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कहीं कोई महिला बच्चा पैदा करती है, लेकिन उसका पति ही बच्चे का पिता नहीं होता। इस पर उन्होंने सवाल उठाया कि- इससे समाज का भला कैसे हो रहा है? हो सकता है मैं कुछ समझ नहीं पाई हूं, लेकिन आखिर इस समुदाय का समाज के कल्याण में क्या योगदान है?

रिपोर्ट के मुताबिक अनुराधा पौडवाल का ये बयान सोशल मीडिया यूजर्स को पसंद नहीं आया और लोग उनकी आलोचना कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- जब किसी समुदाय को सालों तक शिक्षा, नौकरी, घर और सार्वजनिक जीवन में बराबरी का मौका ही नहीं मिला, तो उसके योगदान को कैसे मापा जा सकता है?

वहीं, एक और इंस्टाग्राम यूजर ने टिप्पणी की- योगदान जानना है तो सुनिए एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय कानूनी तौर पर शादी करना चाहता है, उन बच्चों को गोद लेना चाहता है जिन्हें कई विषमलैंगिक लोग छोड़ देते हैं। इससे बड़ा योगदान क्या होगा? कृपया हर किसी को माइक देना बंद कीजिए। एक और यूजर ने लिखा- मैं बचपन से आपका बहुत सम्मान करता था, लेकिन आपके इस बयान ने मेरा सम्मान हिला दिया है।

उम्मीद है कि आप इस विषय पर थोड़ा और समझने की कोशिश करेंगी। फिलहाल, अनुराधा पौडवाल का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और इसे लेकर बहस छिड़ी हुई है। हालांकि इस पर अभी तक सिंगर की ओर से कोई सफाई नहीं आई है।

सोनम वांगचुक के समर्थन में बक्सर के किसान जंतर-मंतर पहुंचे

नई दिल्ली,(ईएमएस): दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन को अब बिहार के बक्सर के किसानों का भी समर्थन मिल गया है। बक्सर के प्रभावित किसान मजदूर मोर्चा के अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह यादव दर्जनों किसानों के साथ जंतर-मंतर पहुंचे और आंदोलन में शामिल छात्रों एवं युवाओं से मुलाकात कर उनके प्रति समर्थन व्यक्त किया। धरना स्थल पर किसानों को संबोधित करते हुए रामप्रवेश सिंह यादव ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाए जाने की कार्रवाई पर आपत्ति जताते हुए प्रशासन से उन्हें सुरक्षित रूप से वापस धरना स्थल पर लाने की मांग की, ताकि आंदोलन लोकतांत्रिक तरीके से जारी रह सके।

यादव ने कहा कि जब तक वांगचुक को वापस नहीं लाया जाता, तब तक किसान आंदोलनकारियों के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने छात्रों और युवाओं से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि किसान, छात्र और नौजवान यदि जनहित के मुद्दों पर साथ आएंगे तो उनकी आवाज सरकार तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा जैसे विषय किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे समाज और आने वाली पीढ़ियों से जुड़े मुद्दे हैं।

ईमानदारी, साहस के साथ बनाई फिल्म, हमारा मकसद पुरस्कारों के पीछे भागना नहीं

मुंबई,(ईएमएस): फिल्म निर्माता आदित्य धर ने फिल्म आर्टिकल ३७० के लिए तीन राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर आभार माना है। आदित्य धर ने हाल ही में धुरंधरः द रिवेंज का निर्देशन किया है। फिल्म आर्टिकल ३७० ने सर्वश्रेष्ठ संगीत, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री और सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए तीन राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आदित्य ने एक्स लिखा- आर्टिकल ३७० के लिए तीन राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना एक ऐसा क्षण है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह मेरे लिए गर्व की बात है, बेहद भावुक कर देने वाला है और मेरे दिल को अपार कृतज्ञता से भर देता है। जब हमने इस फिल्म को बनाना शुरू किया था, तब हमारा मकसद पुरस्कारों के पीछे भागना नहीं था। हम एक दृढ़ विश्वास से प्रेरित थे, एक ऐसी कहानी को ईमानदारी, साहस और निष्ठा के साथ कहना। अब यह देखना वाकई बहुत भावुक कर देने वाला है कि देश भर के दर्शकों ने इस सफर को इतना पसंद किया और अब इसे भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान से नवाजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आपके प्यार ने इस फिल्म को पर्दे से परे एक जीवंतता दी। यह सम्मान हमारे असाधारण निर्देशक आदित्य सुहास जांभले का है, जिनकी दूरदृष्टि और दृढ़ विश्वास ने हर दृश्य को आकार दिया। यामी गौतम धर और प्रियामणि का भी, जिन्होंने अपने अभिनय में इतनी गहराई, शक्ति और प्रामाणिकता लाई। शाश्वत सचदेव का भी, जिनका संगीत हमारी फिल्म की आत्मा बन गया। हमारी कास्ट और क्रू के हर सदस्य का भी, जिनकी अथक मेहनत, जुनून और विश्वास ने असंभव को संभव कर दिखाया।

ज्योति देशपांडे ने कहा कि आर्टिकल ३७० के लिए तीन राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना जियो स्टूडियोज में हम सभी के लिए बेहद भावुक क्षण है। मैं इस फिल्म में अपना दिल लगाने वाले हर व्यक्ति के प्रति गहरी कृतज्ञता, विनम्रता और गर्व महसूस करती हूं। हमारा मानना था कि यह एक ऐसी फिल्म है, जिसे ईमानदारी, साहस और दृढ़ विश्वास के साथ बताया जाना चाहिए।

दर्शकों के दिलों को छूते हुए और अब भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान से नवाजे जाना हमारे लिए बेहद गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा, हमारी पूरी कास्ट और क्रू के हर सदस्य को, जिनके जुनून, लगन और समर्पण ने इस सफर को मुमकिन बनाया। उन्होंने कहा कि जियो स्टूडियोज में हम हमेशा से मानते आए हैं कि सार्थक कहानियों में लोगों को प्रभावित करने, सोचने पर मजबूर करने और अमिट छाप छोड़ने की शक्ति होती है।

फिर हुआ भू-धसान, आधा दर्जन घर जमींदोज, कोई हताहत नहीं

कतरास (ससे): रामकनाली ओपी क्षेत्र स्थित बुद्धू बाबू बंगला बस्ती में एक बार फिर भू-धसान की घटना हुई। लगातार हो रही बारिश के बीच हुए भू-धसान में करीब आधा दर्जन घर पूरी तरह ध्वस्त हो गए। हालांकि, पूर्व में इस इलाके को खाली करा दिए जाने के कारण घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

बताया जाता है कि यह क्षेत्र लंबे समय से भूमिगत कोयला खनन से प्रभावित रहा है। कुछ महीने पहले भी इसी बस्ती में बड़े पैमाने पर भू-धसान हुआ था, जिसमें कई मकान जमीन में समा गए थे। वहीं, समीप स्थित एक आउटसोर्सिंग खदान में हुए भूस्खलन में छह लोगों की मौत हो गई थी।

उस घटना के बाद बीसीसीएल प्रबंधन ने प्रभावित बस्ती को खाली कराकर लोगों के पुनर्वास की प्रक्रिया शुरू की थी। इसी कारण इस बार बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद अपने पुराने आशियाने को मलबे में तब्दील होते देख विस्थापित परिवार भावुक नजर आए। लोगों ने बताया कि वर्षों की यादें इन घरों से जुड़ी थीं, जिन्हें इस तरह ढहते देख वे काफी दुखी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार हो रही बारिश से इलाके में भू-धसान का खतरा अभी भी बना हुआ है। उनका आशंका है कि बस्ती के पास स्थित दो मंदिर तथा कुछ ही दूरी पर बह रही कतरी नदी भी भू-धसान की चपेट में आ सकती हैं। लोगों ने प्रशासन और बीसीसीएल से इलाके की लगातार निगरानी करने तथा आवश्यक सुरक्षा उपाय करने की मांग की है।

सुप्रिया 2 सप्ताह तक ना कुछ बोलेंगी, न राजनीति करेंगी

नई दिल्ली,(ईएमएस): संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से ठीक पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने स्वास्थ्य कारणों से खुद को राजनीतिक गतिविधियों और मीडिया से दूर रखने का फैसला किया है। बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने बताया कि डॉक्टरों की सलाह पर वह अगले एक से दो सप्ताह तक वॉयस रेस्ट पर रहेंगी। इस दौरान वह न तो मीडिया से बातचीत करेंगी, न प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगी और न ही किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में भाषण देंगी।सुप्रिया सुले ने बताया कि गले और आवाज में परेशानी के कारण उन्होंने विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ली। जांच में गले में हल्की सूजन पाई गई, जिसके बाद उन्हें लंबे समय तक बोलने, भाषण देने और साक्षात्कार से बचने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह वॉयस थेरेपी भी लेंगी और मीडिया तथा समर्थकों से सहयोग की अपील की है।

स्वास्थ्य कारणों के चलते सुप्रिया सुले विपक्षी गठबंधन की उस अहम बैठक में भी शामिल नहीं हो पाएंगी, जिसमें संसद के मानसून सत्र के दौरान सरकार के खिलाफ रणनीति तैयार करने और विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष की एकजुटता को लेकर चर्चा होनी है। सुप्रिया सुले का यह फैसला ऐसे समय आया है जब वह कई राजनीतिक मुद्दों को लेकर चर्चा में थीं। हाल ही में उन्होंने महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी विधेयक का अध्ययन करेगी और यदि इसमें सभी राज्यों के लिए लोकसभा सीटों में समान वृद्धि की व्यवस्था होगी तो समर्थन पर विचार किया जा सकता है। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में इस विधेयक को लेकर बहस तेज हो गई थी।

इसके अलावा महाराष्ट्र की राजनीति में पवार परिवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के बीच संभावित सुलह को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। राजनीतिक गलियारों में ऐसी अटकलें हैं कि शरद पवार गुट और अजित पवार गुट के बीच किसी समझौते की संभावना बन सकती है। हालांकि, इन चर्चाओं की अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मानसून सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण विधायी कदम उठाने की तैयारी में है।

सीएम उमर बोले दिल्ली से लौटकर हालात का जायजा लेंगे

जम्मू,(ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ जिलों में भारी बारिश तथा अचानक आई बाढ़ से उत्पन्न गंभीर स्थिति के बीच मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है, कि वह दिल्ली से लौटकर स्वयं प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे और राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार प्रभावित परिवारों की हरसंभव सहायता करेगी।

मुख्यमंत्री उमर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी संदेश में कहा कि वह जम्मू संभाग, विशेषकर राजौरी शहर और आसपास के क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की संपत्ति और आजीविका को नुकसान पहुंचा है, उनकी सहायता के लिए सरकार हरसंभव कदम उठाएगी। उमर अब्दुल्ला ने बताया कि मौसम विभाग की चेतावनी और जम्मू संभाग के कई हिस्सों में बिगड़ते हालात को देखते हुए वह दिल्ली से जम्मू रवाना हो रहे हैं, ताकि प्रभावित इलाकों की स्थिति का मौके पर जाकर आकलन किया जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनके दिल्ली से लौटने के बावजूद प्रस्तावित राजनीतिक विरोध कार्यक्रम निर्धारित योजना के अनुसार जारी रहेगा। उनके अनुसार, यह कार्यक्रम जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा।

इस बीच, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भी राजौरी और पुंछ में आई बाढ़ पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस आपदा ने कई परिवारों को प्रभावित किया है, लोगों को बेघर होना पड़ा है और घरों, सड़कों तथा अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त का कार्यालय, बोकारो।

(निर्वाचन शाखा)

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 36–बोकारो विधानसभा अंतर्गत एस०आई०आर० प्रक्रिया में मतदाताओं की सुविधा के लिए हेल्पलाईन नंबर जारी किये गए हैं। यह हेल्पलाईन नं0 24×7 खुले रहेंगे। इस हेल्पलाईन नंबर से एस०आई०आर० प्रक्रिया के लिए फार्म भरने में किसी भी प्रकार की कठिनाई हो रही हो अथवा किसी प्रकार की जानकारी प्राप्त करनी हो तो निम्न हेल्पलाईन नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

हेल्प लाइन नंबर–

- 9264441992
- 8292666522
- 7033305034

इसके अतिरिक्त हेल्प लाइन नंबर 1950 पर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

हेल्पलाइन सेंटर का पता–समाहरणालय के द्वितीय तल पर स्थित निर्वाचन शाखा।

36–बोकारो विधानसभा के सभी मतदाताओं से अपील है कि आप यदि 36–बोकारो विधानसभा के मतदाता हैं और यदि आप देश के किसी भी हिस्से में रह रहें हैं तो एस०आई०आर० की प्रक्रिया में निश्चित रूप से भाग लें तथा अपना इनुमरेशन फॉर्म भरकर अपने मतदान केन्द्र के बी०एल०ओ० के पास जमा करें। आप अपना इनुमरेशन फार्म (EF) ऑनलाईन https://Voters.eci.gov.in) पर भी भर सकते हैं।

निवेदक

अजय नाथ झा, भ.प्र.से.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त, बोकारो।

PR 385299 (Bokaro)26-27

वन विभाग को सूचना देने के बाद भी नहीं पहुंची टीम, परिवार ने खुद किया रेस्क्यू

पश्चिम चम्पारण,(ईएमएस) : जिले के योगपट्टी प्रखंड स्थित सिसवा बैरागी पंचायत के बरवा सानी गांव में एक हैरान कर देने वाली घटना घटी। जोखन यादव के घर की अलमारी के नीचे से करीब २५ संपोले निकले।

विषैले सपोलों को घर के अंदर देख जोखन समेत पूरे परिवार में अफरा तफरी मच गई। शोर गुल और तेज आवाज सुनकर गांव के अन्य लोग घर के अंदर आए तो नजारा देख उनकी भी जान सूख गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक परिजनों का कहना है कि गुरुवार देर रात जब वो घर में रखी अलमारी के नीचे से सामान निकाल रहे थे। तब उन्हें अंदर से गेहुवन के बच्चे निकलते दिखाई दिए। शुरुवात में उन्हें कुछ खास हैरानी नहीं हुई, लेकिन जैसे जैसे सपोलों की संख्या बढ़ने लगी परिवार के सदस्यों में डर बढ़ता गया। अपनी आंखों के सामने दर्जनों संपोलों को देख परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित स्थान पर चले गए। इसके बाद वन विभाग को इसकी सूचना दी गई। आश्चर्य की बात यह है कि अगले दिन शुक्रवार तक दोपहर तक विभाग के कर्मियों ने किसी भी प्रकार के एक्शन नहीं लिया, जिससे परिवार की चिंता बढ़ गई।

आखिर हारकर घर वालों ने संपोलो को खुद ही रेस्क्यू करने का फैसला लिया। एक-एक कर सभी को एक बाल्टी में उठाकर सुरक्षित रखा। हालांकि उन्हें अब भी इस बात का डर सता रहा था कि अलमारी के नीचे कहीं बिल न हो। चुकी अबतक उन्हें वयस्क सांप नजर नहीं आया था। इसलिए उन्हें डर सता रहा था। इधर घटना की जानकारी मिलते ही बरवा सानी सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग सांपों को देखने के लिए पहुंचे। लोगों की भीड़ जुटने से मौके पर कौतूहल का माहौल बना रहा।

इस घटना को लेकर वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट्स का कहना है कि वनवर्ती और तटीय क्षेत्र होने की वजह से बारिश में बहकर ऐसे जीव घरों तक पहुंच जाते हैं। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में बरसात के समय ऐसे मामले कई गुना बढ़ जाते हैं। ऐसी स्थिति में लोगों को घबराना नहीं चाहिए और संयम से काम लेना चाहिए। सबसे पहले खुद को सरीसृपों से सुरक्षित दूरी पर रखें और फिर एक लंबे डंडे से उन्हें खुली जगह पर करने की कोशिश करें। ध्यान रहे कि इससे उन्हें किसी प्रकार की चोट न पहुंचे। स्थिति को सामान्य कर वन विभाग को सूचित करें।

धोखाधड़ी मामले में बैंक ऑफ इंडिया का कर्मी गिरफ्तार

पटना (ईएमएस): बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने वर्ष २०१६ की नोटबंदी के दौरान हुए कथित वित्तीय अनियमितता के एक बड़े मामले में कार्रवाई की है। ईओयू ने कोडरमा जिले के डोमचांच स्थित बैंक ऑफ इंडिया की फुलवरिया शाखा में कार्यरत बैंककर्मी अरविंद कुमार को गिरफ्तार किया है।

उस पर गया शाखा में पदस्थापित रहते हुए अन्य लोगों के साथ मिलकर ग्राहक के बैंक खाते का दुरुपयोग कर लाखों रुपये के संदिग्ध लेनदेन को अंजाम देने का आरोप है। ईओयू के अनुसार, अरविंद कुमार नोटबंदी के समय बैंक ऑफ इंडिया की गया शाखा में कार्यरत था। आरोप है कि उसने वादी राजेश कुमार के बैंक खाते का कथित तौर पर उसकी जानकारी और सहमति के बिना उपयोग कर लाखों रुपये का संदिग्ध लेन-देन किया था। राजेश कुमार की शिकायत पर गया में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसे बाद में जांच के लिए आर्थिक अपराध इकाई को सौंप दिया गया।

बिहार में लगेगा वेस्ट टू एनर्जी प्लांट,कचरे से बनेगी बिजली, बायोगैस और जैविक खाद

पटना (एजेंसी): राजधानी पटना और आसपास के कचरे का निस्तारण करने के लिए 'वेस्ट टू एनर्जी प्लांट' लगाने का निर्णय लिया गया है। इस परियोजना के तहत शहर के १२ नगर निकायों के कचरे को अब बिजली, कंप्रेस्ड बायोगैस और जैविक खाद तैयार किया जाएगा। रामचक बैरिया में ४० एकड़ जमीन पर अत्याधुनिक वेस्ट टू एनर्जी प्लांट स्थापित किया जाएगा। शुरुआत में २० से २५ एकड़ जमीन पर प्लांट का निर्माण होगा। प्लांट शुरू होने के बाद पटना सहित १३ नगर निकायों का कचरा यहां प्रोसेस किया जाएगा।

इस परियोजना की अनुमानित लागत करीब ५१४ करोड़ रुपये है। निर्माण और संचालन की जिम्मेदारी हैदराबाद की कंपनी री-सस्टेनेबिलिटी को दी गई है। कंपनी सरकार से १२६ करोड़ रुपये की सहायता लेगी, जबकि बाकी ३८८ करोड़ रुपये का निवेश खुद करेगी। यह प्लांटपब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर तैयार किया जाएगा। नगर निकायों को रोजाना करीब ४०० टन कचरा प्लांट तक पहुंचाने की जिम्मेदारी होगी। कंपनी कचरे से बनने वाली बिजली और गैस की बिक्री से आय अर्जित करेगी।

इस वेस्ट टू एनर्जी प्लांट की क्षमता प्रतिदिन १६०० टन कचरा प्रोसेस करने की होगी। इसमें १५ मेगावाट क्षमता का बिजली संयंत्र, १०० टन प्रतिदिन क्षमता का बायो-मीथेनेशन प्लांट और ७०० टन प्रतिदिन क्षमता की कम्पोस्टिंग यूनिट बनाई जाएगी। इसके अलावा सूखे कचरे की रीसाइक्लिंग के लिए मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी भी विकसित की जाएगी। शहर के छह अंचलों में गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन बनाए जाएंगे, जहां कचरे की छंटाई के बाद उसे बैरिया प्लांट भेजा जाएगा। इस परियोजना से कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण होगा। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

बंटी यादव मर्डर केस : पीड़ित परिवार से मिले खेसारी लाल यादव

पटना (एजेंसी): पटना के चर्चित बंटी यादव हत्याकांड में रविवार को भोजपुरी अभिनेता खेसारी लाल यादव पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर पहुंचे। उन्होंने परिवार को आर्थिक सहायता दी और भोजपुरी कलाकारों से भी पीड़ित परिवार की मदद के लिए आगे आने की अपील की। इस दौरान मीडिया से बातचीत में खेसारी लाल यादव ने बिहार की शराबबंदी नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य में घर-घर शराब उपलब्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस असली तस्करों तक नहीं पहुंच पाती और सरकार को इस मामले में गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए।

बताया जा रहा है कि कथित अवैध सेक्स रैकेट के खिलाफ आवाज उठाने वाले बंटी यादव का ६ जुलाई को पटना जंक्शन के पास से अपहरण कर लिया गया था। अपहरण का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद ११ जुलाई को अथमलगोला इलाके से बंटी यादव का शव बरामद हुआ। शव मिलने के बाद परिवार में मातम छा गया। परिजनों का आरोप है कि अपहरण की सूचना देने के बावजूद पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की। उनका कहना है कि अगर पुलिस समय रहते सक्रिय होती तो शायद बंटी की जान बच सकती थी।

वहीं, इस मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में एक एसआई समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी रवीश उर्फ बीसी को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया, जिसमें उसके पैर में गोली लगी। हालांकि पुलिस का दावा है कि बंटी यादव खुद शराब के कारोबार से जुड़ा था। पैसों के लेनदेन और शराब विवाद के चलते उसकी हत्या की गई। वहीं, परिवार ने निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के साथ सरकार से न्याय की मांग की है।

बिहार वि का मानसून सत्र आज से अनुपूरक बजट पर होगी चर्चा

पटना (एजेंसी): बिहार विधानसभा का पांच दिवसीय मानसून सत्र २० जुलाई से शुरू होगा, जो २४ जुलाई तक चलेगा। सत्र के दौरान वित्तीय वर्ष २०२६-२७ का प्रथम अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा। २१ और २२ जुलाई को सरकार की ओर से विभिन्न विधेयक सदन में रखे जाएंगे। २३ जुलाई को अनुपूरक बजट पर चर्चा और मतदान होगा। विधानसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई बैठक में सदन की कार्यवाही को सुचारू और प्रभावी बनाने को लेकर चर्चा की गई। इस बार विधायकों की सुविधा के लिए शून्यकाल और ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं ऑनलाइन जमा करने की व्यवस्था भी की गई है।

शून्यकाल की सूचनाएं सुबह ८ से ९ बजे तक जबकि ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं सुबह ९ से १० बजे तक ऑनलाइन जमा की जाएंगीं। राजद, कांग्रेस और वाम दल राज्य में बढ़ती आपराधिक घटनाओं और कानून-व्यवस्था समेत राज्य के कई मुद्दे को लेकर एनडीए सरकार को घेर सकती हैं। विपक्ष हालिया घटनाओं को लेकर सरकार से जवाब मांग सकता है। विधानसभा अध्यक्ष ने सभी दलों के नेताओं से अपील की है कि वे अपने विधायकों को सदन की कार्यवाही में अनुशासित और रचनात्मक भागीदारी के लिए प्रेरित करें, ताकि जनहित के मुद्दों पर गंभीर चर्चा हो सके।

सत्र को देखते हुए बिहार विधानसभा परिसर की सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत की जा रही है। सभी प्रवेश द्वारों पर बैगेज स्कैनर, वाहन जांच मशीन और मेटल डिटेक्टर लगाए जाएंगे। परिसर में प्रवेश करने वाले सभी लोगों, वाहनों और सामानों की जांच की जाएगी। अधिकारियों, कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों के लिए अलग-अलग रंग और श्रेणी के पास जारी होंगे। बिना अनुमति वाले लोगों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक रहेगी।

19 जिलों में भारी बारिश और वज्रपात का अलर्ट

पटना (एजेंसी): राजधानी पटना सहित राज्य के कई इलाकों में शनिवार देर रात गरज-चमक के साथ बारिश हुई, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। बिहार में मानसून लगातार सक्रिय है। इसी बीच मौसम विभाग ने आज राज्य के १९ जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जबकि अन्य जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं।

आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है। रविवार सुबह पश्चिम चंपारण के बगहा क्षेत्र में तेज बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने मानसून की सक्रियता को देखते हुए गया, नवादा, बेगूसराय, पश्चिम चंपारण, रोहतास और औरंगाबाद सहित कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। खराब मौसम को देखते हुए विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

बारिश के साथ कई इलाकों में आकाशीय बिजली गिरने का खतरा भी बना हुआ है। विभाग की माने तो अगले ४८ घंटों तक मानसून पूरी तरह सक्रिय रहेगा, जिसका सबसे ज्यादा असर दक्षिण-मध्य बिहार में देखने को मिल सकता है। इस दौरान ३० से ४० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है।

भाजपा नेता की संस्था से तीन साल में पांच नाबालिग बच्चियां लापता

बच्चियों की गुमशुदगी रिपोर्ट तुरंत दर्ज करने का नियम एसआईटी जांच शुरू

इटारसी (ईएमएस): शहर की चर्चित मुस्कान संस्थान एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है। संस्था से पिछले तीन वर्षों के दौरान पांच नाबालिग बालिकाओं के लापता होने का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर दिया है।

एसपी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एसआईटी पूरे मामले की जांच करेगी। ३ साल में पांच बच्चियों गायब हो गई और संस्था ने कभी पुलिस में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई इसको लेकर संस्था और उसके संचालक के ऊपर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वर्ष २०२४ से २०२६ के बीच अलग-अलग समय पर पांच नाबालिग बालिकाएं संस्थान से गायब हुई। संस्था प्रबंधन ने किसी भी मामले में तत्काल पुलिस को सूचना देने या एफआईआर दर्ज कराने की कानूनी जिम्मेदारी नहीं निभाई। बताया जा रहा है, अधिकांश मामलों में विभागीय पत्राचार तक ही कार्रवाई सीमित रखी गई है। जिससे तीन वर्षों तक घटनाएं दबी रहीं।

मामला सामने आने के बाद अब लड़कियों की सुरक्षा, संभावित मानव तस्करी और खरीद-फरोख्त की आशंकाओं को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाएंगी, बच्चियां किन परिस्थितियों में लापता हुई हैं, उन्हें खोजने के लिए संस्था ने क्या प्रयास किए। पुलिस को तत्काल सूचना क्यों नहीं दी गई।

एसपी ने स्पष्ट किया है, एसआईटी प्रत्येक मामले की अलग-अलग जांच करेगी। संस्थान के रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज, कर्मचारियों की भूमिका और बाल कल्याण समिति को भेजी गई रिपोर्टों की पड़ताल की जाएगी। यदि जांच में किसी भी स्तर पर लापरवाही, तथ्यों को छिपाने या किसीआपराधिक साजिश के प्रमाण मिलते हैं। संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह मामला सामने आने के बाद बाल संरक्षण व्यवस्था और निजी संस्थाओं की जवाबदेही पर गंभीर बहस शुरू हो गई है।

ससुर ने लगाई फांसी, दो बेटों और बहु ने खाई सल्फास

नालंदा (एजेंसी): नालंदा में ससुर और बहु के बीच कथित अवैध संबंध सामने आने के बाद एक ही परिवार के चार लोगों ने आत्मघाती कदम उठाया। पिता ने फांसी लगा कर अपनी जान दी, वहीं दो बेटों और बहु ने सल्फास खा ली। बहु ने अपने ४ साल के बेटे को भी सल्फास खिलाकर मारने की कोशिश की, लेकिन बच्चे ने नहीं खाई। घटना जिले के थाना क्षेत्र के विशुनपुर गांव की है। इस घटना में पिता, बड़े बेटे और बहु की मौत हो गई, जबकि छोटे बेटे की हालत गंभीर बतायी जा रही है।

मृतकों की पहचान दिलेंद्र तांती (६५), बड़े बेटे रंजीत तांती (४०) और बहू गौरी देवी (३०) के रूप में की गई है। वहीं छोटे पुरुषोत्तम तांती जिसकी उम्र ३५ साल है, गंभीर रुप से घायल है और अस्पताल में इलाजरत है। पुरुषोत्तम के मुताबिक, गौरी ने अपने ४ साल के बच्चे को भी सल्फास खिलाकर मारने की कोशिश की थी, लेकिन वह सल्फास की टिकिया फेंक दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची और जांच शुरु कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि ससुर और बहू के बीच कथित अवैध संबंध को लेकर लंबे समय से परिवार में विवाद चल रहा था। इसी तनाव के बीच यह दर्दनाक घटना हुई। पुलिस के अनुसार, दंपती ने अपने चार वर्षीय बेटे प्रिंस को भी सल्फास खिलाने की कोशिश की, लेकिन बच्चे ने गोली फेंक दी, जिससे उसकी जान बच गई। बच्चे ने बताया कि उसके माता-पिता बाजार से कीटनाशक दवा खरीदकर लाए थे। वहीं डीएसपी सुनील कुमार सिंह और चंडी थाना पुलिस ने बताया कि मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और परिजनों व ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल घटनास्थल से मिले तथ्यों और बयानों के आधार पर पूरे मामले की जांच जारी है।

बीपीएससी 72वीं प्रीलिम्स परीक्षा स्थगित

पटना(ईएमएस): बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने ७२वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा (सीसीई प्रीलिम्स २०२६) को स्थगित कर दिया है। इस संबंध में आयोग द्वारा एक आधिकारिक नोटिस जारी कर उम्मीदवारों को सूचित किया गया है।

मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 के ग्रैंड फिनाले में इंदौर की श्रेया बेड़िया दिखाएंगी हुनर

इंदौर (ईएमएस): मिस यूनिवर्स इंडिया २०२६ के ग्रैंड फिनाले में इंदौर की बेटी श्रेया बेड़िया मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। गुमाश्ता नगर निवासी २३ वर्षीय श्रेया देशभर की ५२ फाइनलिस्ट प्रतिभागियों के साथ इस प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता के विभिन्न चरण जयपुर, इंदौर, बेंगलुरु और दिल्ली में आयोजित किए जा रहे हैं।

श्रेया १८ जुलाई को जयपुर के लिए रवाना हुई। एयरपोर्ट पर वह सिर पर ताज और हाथ में तिरंगा लेकर नजर आई। उनके इस अंदाज ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। गोविंद बेड़िया और नीलम बेड़िया की बेटी श्रेया की स्कूली शिक्षा इंदौर में हुई। इसके बाद उन्होंने अमेरिका में नासा और हार्वर्ड के शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लिया। दिल्ली में स्नातक शिक्षा पूरी करने के बाद जापान के एक शैक्षणिक कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। वर्तमान में वह पेरिस में फैशन एंड लक्जरी प्रोग्राम की पढ़ाई कर रही हैं।

श्रेया का मानना है कि सुंदरता तभी सार्थक है, जब वह समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बने। पिछले तीन वर्षों से वह वंचित बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य कर रही हैं। 'ब्यूटी विद ए पर्पज' पहल के माध्यम से वह शिक्षा के क्षेत्र में अपने सामाजिक अभियान को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाना चाहती हैं। उनके सामाजिक कार्यों के लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार माहेश्वरी द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है। श्रेया ने कहा कि मिस यूनिवर्स इंडिया का मंच उनके लिए केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि इंदौर, मध्यप्रदेश और अपने माता-पिता का प्रतिनिधित्व करने का अवसर है। उनका कहना है कि सपनों का आकार शहर से तय नहीं होता, बल्कि मेहनत, साहस और आत्मविश्वास से सफलता हासिल की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि सुष्मिता सेन, लारा दत्ता और हरनाज कौर संधू जैसी भारतीय सुंदरियां मिस यूनिवर्स का खिताब जीत चुकी हैं।

दुष्कर्म का आरोपी शूटिंग खिलाड़ी को कर रहा ब्लैकमेल

आगरा,(ईएमएस): दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग के मामले में जमानत पर जेल से बाहर आए आरोपी से एक राष्ट्रीय स्तर की शूटिंग खिलाड़ी और उसका परिवार दहशत में है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी लगातार उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। निजी फोटो और वीडियो उसके कोच को भेजकर खेल प्रतियोगिताओं से बाहर करवाने की साजिश रच रहा है। भय के कारण खिलाड़ी ने प्रैक्टिस पर जाना भी बंद कर दिया है और परिवार खुद को घर तक सीमित करने को मजबूर है। पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि थाना सदर क्षेत्र की न्यू सुरक्षा विहार कॉलोनी निवासी संदीप कुमार उर्फ विराज ने उसे नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म किया था और बेहोशी की हालत में अश्लील फोटो व वीडियो बना लिए थे।

क्या इस बार भी संसद का सत्र हंगामा और स्थगन की भेंट चढ़ जाएगाः मायावती

लखनऊ,(ईएमएस): संसद का मॉनसून सत्र सोमवार यानी २० जुलाई से शुरू हो रहा है। इससे पहले बसपा सुप्रीमो मायावती ने पश्चिम बंगाल से लेकर राजस्थान तक के मुद्दों पर बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी, पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद के हालात और राजस्थान में गर्भवती महिलाओं की मौत मामले पर चिंता जताई। रविवार सुबह मायावती ने अपने एक्स अकाउंट पर सात पॉइंट में लंबा चौड़ा पोस्ट किया।

उन्होंने लिखा- अब जबकि संसद का मॉनसून सत्र २० जुलाई से शुरू हो रहा है। एक बार फिर यह देश और आमजन की चिंता है कि क्या इस बार भी फिर से संसद का सत्र हंगामा व स्थगन आदि की भेंट चढ़ जाएगा या फिर जबरदस्त महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, महिला असुरक्षा, अहम परीक्षाओं के भी पेपरलीक आदि से जुड़े देश के ज्वलन्त मुद्दों से उत्पन्न उत्तेजित, आक्रोशित व आन्दोलित माहौल को शान्त करने व इनके संतोषजनक समाधान के लिए गंभीरता दिखाई जाएगी।

मायावती ने लिखा- वैसे खासकर अयोध्या श्रीराम मन्दिर में चढ़ावा की चोरी, हेराफेरी व ग़बन आदि को लेकर व्यापक जन आक्रोश ने भी यूपी व देश को काफी झकझोर कर रख दिया है और लोग, धर्म का चुनावी स्वार्थ के लिए राजनीतिकरण करने वालों को इसके लिए कठघरे में खड़ा करके, उनसे दिल दुखाने की जवाबदेही मांग रहे हैं, जिसकी गूंज सड़कों से लेकर अदालत तक में है और संसद में भी यह मुद्दा गर्म होगा, जिसपर लोगों की पैनी नजर है।

बसपा सुप्रीमो ने लिखा- इतना ही नहीं बंगाल में विधानसभा आमचुनाव के बाद के हालात्, राजस्थान में सरकार की लापरवाही के कारण गर्भवती महिलाओं की मौत समेत कई राज्यों में बढ़ती महिला असुरक्षा आदि भी गंभीर मुद्दे हैं। उन्होंने लिखा- भारत की अर्थव्यवस्था व यहां के जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित करती हुई अमेरिका-इजराइल का ईरान के विरुद्ध लगातार युद्ध और रुपया का अवमूल्यण आदि देश व जनहित के ऐसे ख़ास मुद्दे हैं जिनपर राजनीतिक द्वेष, स्वार्थ व आरोप-प्रत्यारोप की संकीर्णता/वैमनस्य को त्यागकर सत्ता और विपक्ष दोनों को एकजुट होकर अच्छा उपाय ढूंढ कर सराहनीय कार्य करना होगा, वरना १४० करोड़ की जनसंख्या वाले अपने देश में बहुजनों का जीवन यहां और भी बुरे दिन वाला बनकर उनका भविष्य अधर में लटकायेगा, जिसकी आशंका भी व्यक्त की जा रही है।

अतः देश को त्रस्त करने वाली इन भारी चुनौतियों व उसके प्रति चेतावनियों को ध्यान में रखकर संसद के मानसून सत्र को, बिना किसी उत्तेजना, रोष व विद्वेष के, सुचारू, शान्तिपूर्ण एवं स्वस्थ्य लोकतांत्रिक परम्परा के मुताबिक चलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

बसपा प्रमुख ने कहा कि संसद को भी इन ज्वलन्त राष्ट्रीय मुद्दों पर पूरी तरह से गंभीर व संवेदनशील होना जरूरी है और इसकी शुरूआत अगर संसद के वर्तमान मानसून सत्र से ही हो तो यह बेहतर ही होगा। जनहितैषी गुड गवर्नेंस के लिए संसद का प्रभावी होना जरूरी। जय भीम, जय भारत।

बिगड़ती शिक्षा व्यवस्था पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरा

प्रदीप यादव बोले- छात्रों के भविष्य की लड़ाई जारी रहेगी

रांची (एजेंसी): झारखंड में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने देश की वर्तमान परीक्षा प्रणाली और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आज देश के नौजवानों और छात्र-छात्राओं का गुस्सा सातवें आसमान पर है। इस भ्रष्ट कुव्यवस्था से पीड़ित युवा पूरी तरह से लोकतांत्रिक और अहिंसात्मक तरीके से सड़कों पर उतरकर आंदोलन कर रहे हैं। प्रदीप यादव ने रविवार को रांची स्थित कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि यह बेहद कड़वा सच है कि पेपर लीक के कारण देश में दो दर्जन से अधिक होनहार छात्र-छात्राओं ने तंग आकर खुदकुशी कर ली है। लेकिन, सत्ता के नशे में चूर देश के प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार को न तो इन परिवारों का दर्द महसूस हो रहा है और न ही युवाओं के आक्रोश की गूंज सुनाई दे रही है। प्रधानमंत्री इन गंभीर हालातों से पूरी तरह आंखें मूंदे बैठे हैं।

भाजपा सरकार को छात्रों के भविष्य की तनिक भी चिंता नहीं

सरकारी रिकॉर्ड्स का हवाला देते हुए कांग्रेस विधायक दल के नेता ने बताया कि वर्ष २०१४ से लेकर अब तक देश में विभिन्न महत्वपूर्ण परीक्षाओं के १५२ पेपर लीक हो चुके हैं। जम्मू-कश्मीर से लेकर तमिलनाडु तक फैली इस बीमारी से करीब ७.५ करोड़ छात्र-छात्राओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। इसके बावजूद आज तक किसी भी बड़े दोषी को सजा नहीं मिल सकी है और न ही सरकार ने इस पर कोई जवाबदेही तय की है। नीट परीक्षा के पेपर लीक के बाद जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, सरकार के किसी नुमाइंदे ने उनसे मुलाकात कर उनका हाल-चाल तक जानने की जहमत नहीं उठाई। प्रदीप यादव ने कहा कि हर साल करोड़ों छात्र दिन-रात ८ से १० घंटे तक कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन यह भ्रष्ट व्यवस्था उनकी पूरी मेहनत पर पानी फेर देती है। दिल्ली में बैठी भाजपा सरकार को छात्रों के भविष्य की तनिक भी चिंता नहीं है। उनकी एकमात्र प्राथमिकता यह है कि कैसे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी जैसे देश के बड़े शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और अपने विचारधारा के लोगों को बिठाया जाए।

राहुल गांधी ने छात्रों के इस दर्द को समझा

प्रदीप यादव ने कहा कि देश और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने छात्रों के इस दर्द को समझा है और उनकी आवाज को बुलंद करने का काम किया है। देहरादून और राजस्थान में सरकार ने उनके कार्यक्रमों को रोकने और रद्द करने की तमाम कोशिशें कीं, लेकिन युवाओं का राहुल गांधी पर अटूट विश्वास है। राहुल गांधी ने साफ कर दिया है कि वे राजनीति करने नहीं, बल्कि शिक्षा जगत से भ्रष्टाचार और कुव्यवस्था को खत्म कर छात्रों की इस लड़ाई को धार देने आए हैं। उनके इस आह्वान पर हजारों छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रमों में शिरकत की है। वहीं इस दौरान कांग्रेस पार्टी के द्वारा चलाई जा रही छात्रों की गूंज कार्यक्रम के संयोजक कुमार राजा ने बताया कि यह राष्ट्रव्यापी अभियान देश के २८ शहरों में ४० दिनों तक चलाया जा रहा है। इसके पहले और दूसरे सप्ताह के कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं। इस अभियान के तहत छात्रों से संवाद, मैराथन दौड़, सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई हैं। इसी कड़ी में रविवार को मशाल जुलूस निकालकर छात्रों का संदेश सरकार तक पहुंचाया जायेगा।

शहरों में जमीन-भवन की रजिस्ट्री होगी महंगी, 10% सरचार्ज की तैयारी, नियमावली का ड्राफ्ट तैयार

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार शहरी क्षेत्रों में जमीन और भवन की खरीद-बिक्री पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालने की तैयारी में है। नगर विकास एवं आवास विभाग ने 'झारखंड नगरपालिका भूमि/भवन स्थानान्तरण अधिभार नियमावली, २०२६' का प्रारूप (ड्राफ्ट) प्रकाशित कर दिया है। सरकार ने इस प्रारूप पर आम जनता और संबंधित पक्षों से सुझाव एवं आपत्तियां मांगी हैं। निर्धारित अवधि में प्राप्त सुझावों पर विचार करने के बाद नियमावली को अंतिम रूप देकर कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

प्रस्तावित नियमावली के अनुसार, राज्य के सभी नगर निगम, नगर परिषद, नगर पंचायत और अधिसूचित औद्योगिक नगरी क्षेत्रों में स्थित भूमि और भवन के हस्तांतरण पर देय स्टाम्प शुल्क एवं निबंधन शुल्क की कुल राशि का १० प्रतिशत अधिभार (सरचार्ज) वसूला जाएगा। यह राशि रजिस्ट्री से पहले ऑनलाइन जमा करानी होगी। यदि किसी कारण से रजिस्ट्री नहीं होती है तो अधिभार की राशि भी वापस कर दी जाएगी। वहीं, जहां सरकार स्टाम्प शुल्क या निबंधन शुल्क में छूट देगी, वहां अधिभार भी नहीं लिया जाएगा।

यदि प्रस्तावित नियमावली को कैबिनेट की मंजूरी मिल जाती है तो शहरी क्षेत्रों में जमीन और भवन की रजिस्ट्री पहले की तुलना में महंगी हो जाएगी। खरीदारों को मौजूदा स्टाम्प शुल्क और निबंधन शुल्क के अलावा उनकी कुल राशि का १० प्रतिशत अतिरिक्त भुगतान करना होगा। हालांकि सरकार का तर्क है कि इससे नगर निकायों को अतिरिक्त राजस्व मिलेगा, जिसे सड़क, नाली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, पार्क और अन्य शहरी अधोसंरचना के विकास पर खर्च किया जाएगा।

नगर निकायों के खाते में जाएगी पूरी राशि

ड्राफ्ट के अनुसार अधिभार की राशि सीधे संबंधित नगर निकाय के अलग बैंक खाते में जमा होगी। इसके लिए ऑनलाइन पेमेंट गेटवे विकसित किया जाएगा। नगर निकाय इस राशि का उपयोग राजस्व एवं पूंजीगत विकास कार्यों में करेंगे और इसके लिए अलग लेखा-जोखा भी रखना होगा।

कैबिनेट की मंजूरी के बाद ही होगा लागू

फिलहाल यह केवल प्रारूप नियमावली है। सरकार ने इसे सार्वजनिक कर लोगों से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। प्राप्त सुझावों की समीक्षा के बाद नियमावली को अंतिम रूप देकर मंत्रिपरिषद की स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी और अंतिम अधिसूचना जारी होने के बाद ही यह नियम प्रभावी होगा।

पृष्ठ एक का शेषांश

संसद का मानसून सत्र---

शनिवार को, राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडग़े ने राम मंदिर विवाद पर पीएम मोदी को एक संयुक्त पत्र लिखा, जिसमें उन्हें याद दिलाया गया कि उन्होंने संसद में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट बनाने का अनाउंसमेंट किया था और इसके सदस्य आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद से जुड़े माने जाते हैं। पत्र में कहा गया कि ऐसे क्राइम के सामने अब आपकी चुप्पी मंज़ूर नहीं है। दोनों नेताओं ने ट्रस्ट के आर्थिक मामलों की इंडिपेंडेंट जांच और नतीजों को पब्लिक करने की मांग की। जहां विपक्ष अपनी कम होती संख्या के बावजूद सरकार को बैकफुट पर लाने की कोशिश करेगा, वहीं सरकार विपक्षी दलों में फूट का फायदा उठाएगी, जिससे मॉनसून सत्र में हंगामा होने की उम्मीद है।

पुंछ में फ्लैश फ्लड---

महिला की मौत हो गई। उनके पति और तीन बच्चों को घायल अवस्था में बचाकर अस्पताल पहुंचाया गया है। लोअर मुर्रा क्षेत्र में भूस्खलन के कारण एक अन्य शख्स मकान में दब गया। वहीं, मकान समेत परिवार के ६ सदस्य लापता बताए जा रहे हैं। उनकी तलाश के लिए बचाव अभियान चलाया गया है। इसके अलावा मरहोट में एक नाबालिग लड़की नाले में बह गई, जबकि धुंदक लाथूंग पुल के पास एक नाले से एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक किश्तवाड़ के दाछन के सुरनू (कियार) में बादल फटा है। इससे इलाके में हालात काफी बिगड़ गए। खेत में खड़ी फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। लगातार हो रही भारी बारिश और सलाल व बगलिहार बांध से पानी छोड़े जाने के कारण चिनाब नदी का जलस्तर अलर्ट लेवल तक पहुंचने वाला है। घाट किनारे पर बने मंदिर परिसर तक पानी पहुंच गया है और घाट पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। प्रशासन ने लोगों को अलर्ट पर रहने को कहा है। वहीं, जम्मू के पीर खो क्षेत्र के पास तवी नदी में तेज बहाव के बीच फंसे ३ लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।

भारत को ऑस्ट्रेलिया---

जाने पर उसे तुरंत भारत को लौटा दिया था। अब ऑस्ट्रेलिया इस प्रक्रिया को और आसान बना रहा है ताकि भारत को अपनी ही धरोहरों के लिए लंबी कानूनी लड़ाई न लड़नी पड़े। भारत की ये अनमोल धरोहरें अंतरराष्ट्रीय तस्कर सुभाष कपूर के एक बड़े नेटवर्क के जरिए सात समंदर पार पहुंची थीं। इस रैकेट ने भारत के सुदूर इलाकों और विशेष रूप से तमिलनाडु के चोल काल के ऐतिहासिक मंदिरों से प्राचीन मूर्तियां चुराकर उनके फर्जी मालिकाना हक और जाली कागजात तैयार किए थे। ऑस्ट्रेलिया की नेशनल गैलरी ऑफ ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी संस्थाओं ने उस वक्त इन दस्तावेजों को वैध मानकर भारी-भरकम रकम चुकाई थी। अंतरराष्ट्रीय ब्लैक मार्केट में इन ऐतिहासिक कलाकृतियों की कुल कीमत आज २०० करोड़ रुपए से भी कहीं ज्यादा आंकी गई है।

अभिषेक बनर्जी को कलकत्ता---

शुरू होनी थी, लेकिन सरकारी वकील के मौजूद न होने की वजह से सुनवाई समय पर नहीं हो सकी। बाद में दोपहर १:३० बजे जस्टिस राजा बसु चौधरी के कोर्ट रूम में सुनवाई फिर से शुरू हुई। इसके बाद कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी के ऑफिस को गिराने पर कुछ समय के लिए रोक लगा दी। बार-बार आरोप लगते रहे हैं कि आमतला में अभिषेक बनर्जी का पार्टी ऑफिस गैर-कानूनी तरीके से बनाया गया है। राज्य में सत्ता बदलने से पहले सुशांत मंडल नाम के एक व्यक्ति ने डिस्ट्रिक्ट काउंसिल में शिकायत की थी। आरोप है कि यह पांच मंजिला बिल्डिंग बिना डिजाइन के बनाई गई थी।

हवा में गायब हो---

वैज्ञानिकों ने कंप्यूटर सॉफ्टवेयर की मदद से इसके तारों, बैटरी और अन्य पुर्जों को अलग-अलग ऊंचाई और कोणों पर फिट किया है, जिससे यह आसमान में महज रोशनी का एक मामूली सा भ्रम नजर आता है। विजिबिलिटी मॉडल के आधार पर यह नया ड्रोन आम फोर-रोटर क्वाडकॉप्टर की तुलना में १० गुना तक कम दिखाई देता है। इस लो-विजिबिलिटी ड्रोन का विकास पर्यावरण और बुनियादी ढांचे के लिए एक बड़ा वरदान साबित होगा। वन्यजीवों के संरक्षण के दौरान यह नाजुक इकोसिस्टम में बिना किसी खलल के लुप्तप्राय जीवों की सटीक निगरानी कर सकेगा, क्योंकि सामान्य ड्रोन के शोर और आकार से डरकर जानवर भाग जाते हैं।

ओएनजीसी ने 14 हजार ---

जताई जा रही है, जिससे बिजली उत्पादन क्षमता और बढ़ सकती है। हालांकि, इस परियोजना को पूरा करना आसान नहीं था। ऊंचाई, ऑक्सीजन की कमी, कठिन मौसम और दुर्गम पहाड़ी रास्तों के कारण भारी ड्रिलिंग मशीनों को वहां तक पहुंचाना बड़ी चुनौती साबित हुआ। इसके बावजूद पहला कुआं २२ मई २०२६ और दूसरा ८ जुलाई २०२६ को सफलतापूर्वक तैयार कर लिया गया।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में झारखंड का जलवा, संथाली फिल्म 'आंगेन' के लिए रवि राज मुर्मू बने सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक

जमशेदपुर (एजेंसी): झारखंड की धरती से निकली एक और प्रतिभा ने पूरे देश में राज्य का नाम रोशन किया है। जमशेदपुर निवासी युवा फिल्म निर्देशक रवि राज मुर्मू को उनकी संथाली शॉर्ट फिल्म 'आंगेन' के लिए ७२वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में 'सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक' के सम्मान से नवाजा गया है। उनकी इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी उन्हें बधाई देते हुए इसे झारखंड और संथाली भाषा के लिए गौरव का क्षण बताया है। महज १२ मिनट की शॉर्ट फिल्म 'आंगेन' ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी अलग पहचान बनाई है।

परंपराओं और भावनाओं को पर्दे पर जीवंत कर दिया

फिल्म की पूरी शूटिंग जमशेदपुर के ग्रामीण इलाकों में हुई है, जिसमें झारखंड की मिट्टी, संस्कृति और संथाली समाज की जीवनशैली की खूबसूरत झलक देखने को मिलती है। फिल्म में रामचंद्र मार्डी, सलोनी, जीतराय हांसदा और फुलमनी जैसे स्थानीय कलाकारों ने अभिनय किया है। इन कलाकारों ने अपनी सहज अदाकारी से संथाली समाज की परंपराओं और भावनाओं को पर्दे पर जीवंत कर दिया है। रवि राज मुर्मू की यह सफलता वर्षों की मेहनत और संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई जमशेदपुर के करीम सिटी कॉलेज से की। इसके बाद फिल्म निर्माण की बारीकियां सीखने के लिए पुणे गये, जहां उन्होंने फिल्म एडिटिंग में पढ़ाई की।

झारखंड की कला, संस्कृति और संथाली भाषा के लिए गर्व का विषय

तकनीकी समझ और झारखंड की लोक संस्कृति के मेल से तैयार हुई 'आंगेन' ने अब राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना ली है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रवि राज मुर्मू को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान सिर्फ एक निर्देशक की उपलब्धि नहीं, बल्कि झारखंड की कला, संस्कृति और संथाली भाषा के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि रवि की सफलता राज्य के युवाओं और नये फिल्मकारों के लिए प्रेरणा बनेगी। रवि राज मुर्मू की यह उपलब्धि साबित करती है कि झारखंड की कहानियों और यहां की प्रतिभाओं में देश-दुनिया को प्रभावित करने की पूरी क्षमता है।

झारखंड चौकीदार भर्ती में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, अभ्यर्थियों को राहत

रांची (एजेंसी): झारखंड में चौकीदार भर्ती को ले हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। इस फैसले से चौकीदार बनने का सपना देख रहे युवाओं बड़ी राहत मिली है। अदालत ने साफ कर दिया है कि किसी भी योग्य उम्मीदवार को सिर्फ इसलिए नौकरी देने से मना नहीं किया जा सकता कि वह उसी खास बीट क्षेत्र का रहने वाला नहीं है।

हाई कोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने गोड्डा जिले की एक चौकीदार भर्ती से जुड़े मामले में यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। कोर्ट ने झारखंड सरकार और गोड्डा जिला प्रशासन को आदेश दिया है कि वे इस मामले पर दोबारा विचार करें और नियमों के तहत योग्य उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपें।

गोड्डा जिले में चौकीदार के २७६ पदों पर बहाली निकाली गई थी। विशाल हेंब्रम और कुछ अन्य युवाओं ने लिखित और शारीरिक जांच परीक्षा पास कर लिए थे। लेकिन जब फाइनल रिजल्ट आया तो केवल १०९ अभ्यर्थियों को ही चुना गया और कई पद खाली छोड़ दिए गए।

उम्मीदवारों का आरोप था कि उनसे कम नंबर लाने वालों का सिलेक्शन हो गया, लेकिन उन्हें सिर्फ इसलिए छांट दिया गया क्योंकि वे उस खास बीट क्षेत्र के निवासी नहीं थे। सरकार भी कोर्ट में उम्मीदवारों को रिजेक्ट करने की कोई और ठोस वजह नहीं बता सकी।

हाई कोर्ट ने नियमों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि चौकीदार भर्ती नियमावली २०१५ और विज्ञापन की शर्तों में कहीं भी यह नहीं लिखा है कि उम्मीदवार का उसी बीट का होना अनिवार्य है। अगर किसी खास इलाके में योग्य उम्मीदवार नहीं मिलता है तो पास के दूसरे इलाके के योग्य व्यक्ति को नौकरी दी जा सकती है। सिर्फ रहने की जगह के आधार पर भेदभाव करना कानूनन सही नहीं है। अदालत ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अगर ये उम्मीदवार बाकी सभी पैमानों पर सही हैं और कोई कानूनी बाधा न हो तो इन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान करें।

नक्सली कमांडर रविंद्र गंझू ने मिट्टी में गाड़कर रखी थी एके-56 राइफल और गोलियां, पुलिस ने किया बरामद

लातेहार (एजेंसी): २० लाख रुपये के इनामी नक्सली कमांडर रविंद्र गंझू ने पेड़ के नीचे मिट्टी में गाड़कर रखी थी एके-५६ राइफल और गोलियां जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। रविंद्र की निशानदेही पर पुलिस ने हथियारों बड़ा जखीरा बरामद किया। लातेहार पुलिस इसे बहुत बड़ी कामयाबी मान रही है।

इस कार्रवाई में एक खतरनाक एके-५६ राइफल, दो मैगजीन और ९० कारतूस मिले हैं। नक्सलियों ने इन घातक हथियारों को चंदवा इलाके के बांझीटोला गांव में एक पुराने बरगद के पेड़ के नीचे मिट्टी में छिपाकर रखा था। माओवादी संगठन की रीजनल कमेटी के सदस्य रविंद्र गंझू को पुलिस ने १२ जुलाई को दबोचा था। इसके बाद कोर्ट से रिमांड मिलने पर जब पुलिस ने उससे कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने अपने संगठन के इस खुफिया ठिकाने का राज उगल दिया। पुलिस कप्तान कुमार गौरव के आदेश पर तुरंत एक स्पेशल टीम तैयार की गई।

गढ़वा में दिनदहाड़े बाइक सवार की गोली मारकर हत्या

गढ़वा (एजेंसी): गढ़वा जिले में रविवार की दिनदहाड़े अपराधियों ने एक बाइक सवार युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात बड़गड़ थाना क्षेत्र के सालो जंगल के समीप हुई, जहां अपराधियों ने युवक को रोककर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने घटनास्थल से तीन जिंदा कारतूस, दो खोखा और मृतक की अपाचे मोटरसाइकिल बरामद कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान सिमडेगा जिले के रहने वाले दीपक कुजूर ३५ वर्षीय के रूप में हुई है। बताया गया कि वह वर्तमान में रामकंडा थाना क्षेत्र के बरवा गांव स्थित अपने ससुराल में रह रहा था। जानकारी केअनुसार दीपक -रिलहशश बाइक से बड़गड़ से भंडरिया की ओर जा रहा था। इसी दौरान एक अन्य मोटरसाइकिल पर सवार दो अपराधियों ने उसका पीछा किया और ललमटिया मोड़ के पास उसे रोककर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। वहीं घटना की सूचना मिलते ही बड़गड़ थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल दीपक कुजूर को तत्काल इलाज के लिए भंडरिया अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

रांची में सैकड़ों समर्थकों के साथ फिटनेस एक्सपर्ट सुमित दुबे भाजपा में हुए शामिल

रांची (एजेंसी): भारतीय जनता पार्टी, रांची महानगर जिला द्वारा तुपुदाना में आयोजित भव्य सदस्यता ग्रहण एवं मिलन समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में हटिया-तुपुदाना क्षेत्र के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता एवं फिटनेस एक्सपर्ट सुमित दुबे एवं उनकी धर्मपत्नी श्वेता दुबे ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, भाजपा रांची महानगर जिला अध्यक्ष वरुण साहू, भाजपा रांची जिला पूर्वी अध्यक्ष विनय महतो, रांची नगर निगम के उप महापौर नीरज कुमार, प्रदेश प्रवक्ता आरती कुजूर, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्षा आरती सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष के.के. गुप्ता, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, ने नव सदस्यों को पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर भाजपा परिवार में आत्मीय स्वागत किया।

भारतीय जनता पार्टी केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं

वहीं मिलन समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का एक व्यापक जन आंदोलन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास, सुशासन और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सुमित दुबे एवं नव सदस्यों का स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके जुड़ने से संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा जनसेवा के कार्यों को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर सुमित दुबे ने भाजपा परिवार में शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रवादी विचारधारा, सेवा भाव एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे ऐतिहासिक कार्यों से प्रभावित होकर उन्होंने अपने साथियों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने का निर्णय लिया है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत बनाने तथा समाज एवं राष्ट्रहित में कार्य करेंगे।

संगठन की विचारधारा और कार्यशैली से प्रभावित

रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज देश की सबसे विश्वसनीय राजनीतिक शक्ति है। संगठन की विचारधारा और कार्यशैली से प्रभावित होकर समाज के विभिन्न वर्गों के लोग लगातार भाजपा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुमित दुबे एवं उनके समर्थकों का भाजपा परिवार में स्वागत है और उनके जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती मिलेगी। रांची जिला पूर्वी अध्यक्ष श्री विनय महतो ने कहा कि भाजपा का संगठन कार्यकर्ताओं की मेहनत, अनुशासन और सेवा भावना पर खड़ा है। पार्टी हर उस व्यक्ति का स्वागत करती है जो राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा के संकल्प के साथ जुड़ना चाहता है। उन्होंने कहा कि आज का सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम संगठन की बढ़ती जन स्वीकार्यता का प्रमाण है। रांची नगर निगम के उप महापौर नीरज कुमार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विकासोन्मुखी नीतियों और जन कल्याणकारी योजनाओं के कारण समाज के सभी वर्गों का विश्वास पार्टी के प्रति निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने नव सदस्यों से जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ कार्य करने का आह्वान

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा रांची महानगर जिला अध्यक्ष वरुण साहू ने की जबकि मंच संचालन भाजपा रांची महानगर जिला के महामंत्री जितेंद्र वर्मा ने किया। समारोह के अंत में सभी अतिथियों ने नव सदस्यों का अभिनंदन करते हुए उन्हें संगठन की रीति-नीति एवं राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा रांची महानगर जिला के महामंत्री बलराम सिंह, सत्यदेव मुंडा, नीरज चौधरी, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी सूरज शहदेव, सोशल मीडिया प्रभारी राहुल शहदेव, तुपुदाना मंडल अध्यक्ष गणेश तिग्गा, हटिया मंडल अध्यक्ष सुप्रिया दुबे, पूर्व मंडल अध्यक्ष राम मनोज साहू सहित जिला एवं मंडलों के अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खीरा खरीदते समय न करें ये गलती! पहले ऐसे करें टेस्ट

गर्मियों का मौसम आते ही लोगों की थाली में खीरा अपनी खास जगह बना लेता है। सलाद हो, रायता हो या फिर हल्की-फुल्की भूख मिटानी हो, खीरा लगभग हर घर में पसंद किया जाता है। पानी से भरपूर होने के कारण यह शरीर को ठंडक पहुंचाता है और तेज गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचाने में भी मदद करता है। लेकिन कई बार बाजार से खरीदा गया खीरा कड़वा निकल आता है, जिससे पूरा स्वाद खराब हो जाता है। अक्सर लोग घर पहुंचने के बाद ही यह जान पाते हैं कि खीरा कड़वा है। ऐसे में अगर खरीदारी के समय ही कुछ बातों का ध्यान रखा जाए, तो आसानी से ताजा और स्वादिष्ट खीरे का चुनाव किया जा सकता है।

रंग देखकर करें पहचान

अच्छा और ताजा खीरा आमतौर पर हल्के हरे रंग का होता है और उसकी सतह पर प्राकृतिक चमक दिखाई देती है। यदि खीरा पीलेपन लिए हुए हो या उसका रंग फीका पड़ चुका हो, तो यह संकेत हो सकता है कि वह पुराना है या उसका स्वाद कड़वा हो सकता है।

छिलके की बनावट भी देती है संकेत

खीरा खरीदते समय उसके छिलके को ध्यान से देखें। ताजा खीरे का छिलका चिकना और साफ होता है। उस पर गहरे हरे रंग की लंबी धारियां साफ नजर आती हैं। यदि छिलका बहुत अधिक खुरदुरा, दागदार या असमान दिखाई दे, तो ऐसे खीरे से बचना बेहतर होता है हल्का दबाकर करें जांच खरीदते समय खीरे को हल्के हाथ से दबाकर जरूर देखें। यदि वह थोड़ा नरम महसूस हो लेकिन पूरी तरह ढीला न हो, तो समझिए कि खीरा ताजा है। बहुत ज्यादा सख्त या जरूरत से ज्यादा मुलायम खीरा अंदर से खराब या कड़वा हो सकता है।

सही आकार का खीरा चुनें

अक्सर लोग बड़े आकार का खीरा देखकर उसे खरीद लेते हैं, लेकिन बहुत बड़े खीरे में बीज ज्यादा होते हैं और स्वाद भी प्रभावित हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार मध्यम आकार के सीधे और पतले खीरे अधिक स्वादिष्ट और ताजे होते हैं। डंठल जरूर देखें खीरे का डंठल उसकी ताजगी का सबसे बड़ा संकेत माना जाता है। यदि डंठल हरा और ताजा दिखाई दे तो खीरा हाल ही में तोड़ा गया होता है। वहीं सूखा या मुरझाया हुआ डंठल इस बात का संकेत है कि खीरा काफी समय पहले तोड़ा गया था।

गर्मियों में क्यों जरूरी है खीरा

खीरे में लगभग 95 प्रतिशत पानी होता है, जो शरीर को लंबे समय तक हाइड्रेट रखने में मदद करता है। तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच यह शरीर को अंदर से ठंडक पहुंचाने का काम करता है। कम कैलोरी और अधिक पानी की मात्रा होने के कारण खीरा वजन कम करने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए अच्छा विकल्प माना जाता है। इसे खाने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है और बार-बार भूख नहीं लगती। नियमित रूप से खीरा खाने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती, जिसका सीधा असर त्वचा पर दिखाई देता है। इससे त्वचा ताजा, मुलायम और चमकदार बनी रहती है। खीरे में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाने के साथ-साथ पेट को भी हल्का महसूस कराता है। खीरा शरीर में जमा कई हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें मौजूद पोटैशियम रक्तचाप को संतुलित रखने में भी सहायक माना जाता है।

नहीं खराब होगी कटी हुई सब्जियां

वर्किंग महिलाओं के लिए किचन और बाहर के काम संभालना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वह किचन के काम को आसान बनाने के लिए कुछ स्मार्ट हैक्स का इस्तेमाल करती हैं। सब्जियां बनाने के लिए महिलाएं पहले से ही काटकर रख लेती हैं लेकिन ज्यादा समय तक किचन में सब्जियां पड़ी रहने के कारण खराब होने लगती हैं। आपको बताते हैं कुछ ऐसे स्मार्ट ट्रिक्स जिनका इस्तेमाल करके आप सब्जियों को स्टोर कर सकते हैं। चलिए जानते हैं इनके बारे में...

कटे हुए आलू का इस तरह करें स्टोर

कटे हुए आलू यदि लंबे समय तक बाहर पड़े रहें तो उनका रंग काला पड़ने लगता है। ऐसे में आप कटे हुए आलू को ठंडे पानी में स्टोर कर लें। इससे वह खराब नहीं होंगे और न ही काले पड़ेंगे।

केले स्टोर करने का तरीका

केले भी बाहर पड़े रहने के कारण खराब होने लगते हैं ऐसे में आप केले के गुच्छे के सीरे को प्लास्टिक या फिर अल्यूमिनियम पेपर से रेप करके रख दें। इससे केले लंबे समय तक चलेंगे और फ्रेश भी रहेंगे।

कटे हुए फल स्टोर करने का हैक्स

कटे हुए फलों का आप स्टोर करने के लिए उन पर नींबू का रस लगा लें। नींबू के अलावा आप फलों पर शहद भी लगा सकते हैं। शहद का पानी लगाने से भी फल जल्दी काले नहीं होंगे। साथ ही इस तरीके से फल लंबे समय तक फ्रेश भी रहेंगे।

ब्राउन शुगर रहेगी फ्रेश

ब्राउन शुगर को यदि आप लंबे समय तक फ्रेश रखना चाहते हैं तो इसे जिस भी कंटेनर में रख रहें हैं इसमें एक सेब का टुकड़ा डाल दें। इससे वह जल्दी खराब नहीं होगी और लंबे समय तक फ्रेश भी रहेगी।

शावर कैप आएगी काम

खाना बनाने के बाद आप उन्हें हवा के कणों से बचाने के लिए आप शावर कैप का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह बालों के अलावा खाने को भी साफ-सुथरा रखने में मदद करेगी। इस बात का ध्यान रखें कि शावर कैप एकदम फ्रेश हो।

क्या आपका गैस सिलेंडर जल्दी हो जाता है खाली?

आज के समय में रसोई का बजट संभालना हर परिवार के लिए चुनौती बनता जा रहा है। खासकर जब एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें लगातार बढ़ रही हों, तब हर गृहिणी और परिवार यही चाहता है कि सिलेंडर ज्यादा दिनों तक चले। लेकिन कई बार हमारी छोटी-छोटी गलतियां गैस की खपत बढ़ा देती हैं और सिलेंडर समय से पहले ही खत्म हो जाता है। अगर आपका सिलेंडर भी 30 दिन पूरे होने से पहले खाली हो जाता है, तो हो सकता है कि इसकी वजह आपकी कुछ रोजमर्रा की आदतें हों। आइए जानते हैं गैस बचाने के ऐसे आसान और प्रभावी तरीके, जिन्हें अपनाकर आप एलपीजी की खपत कम कर सकते हैं।

बर्नर की नियमित सफाई है बेहद जरूरी

रसोई में सबसे ज्यादा नजरअंदाज की जाने वाली चीज बर्नर की सफाई है। समय के साथ बर्नर के छेदों में तेल, मसाले और धूल जमा हो जाती है, जिससे गैस का फ्लो प्रभावित होता है। गंदे बर्नर में गैस ज्यादा खर्च होती है लेकिन गर्मी कम मिलती है। इसलिए समय-समय पर बर्नर की सफाई करते रहें ताकि गैस पूरी क्षमता से काम कर सके।

लौ का रंग बताता है गैस की स्थिति

यदि गैस जलाने पर नीली लौ दिखाई दे रही है तो इसका मतलब है कि गैस सही तरीके से जल रही है। लेकिन अगर लौ पीली या नारंगी दिखे तो यह बर्नर में गंदगी या गैस के असमान दहन का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में गैस की खपत बढ़ जाती है और बर्तनों के नीचे कालापन भी जमने लगता है। इसलिए लौ के रंग पर ध्यान देना जरूरी है।

तैयारी पूरी होने के बाद ही गैस जलाएं

अक्सर लोग सब्जियां काटने या मसाले तैयार करने से पहले ही गैस ऑन कर देते हैं और बर्तन चढ़ा देते हैं। इस दौरान गैस लगातार जलती रहती है और बेवजह खर्च होती है। बेहतर होगा कि खाना बनाने की सारी तैयारी पहले कर लें और उसके बाद ही गैस चालू करें। यह छोटी-सी आदत महीने भर में काफी गैस बचा सकती है।

ढक्कन लगाकर पकाएं खाना

खाना पकाते समय बर्तन को ढककर रखने से अंदर की भाप बाहर नहीं निकलती और भोजन जल्दी पक जाता है। चावल, दाल, सब्जी या अन्य व्यंजन बनाते समय ढक्कन का इस्तेमाल करने से गैस की बचत होती है और खाना भी बेहतर तरीके से पकता है। छोटे बर्तन को बड़े बर्नर पर रखने से गैस की लौ चारों तरफ फैल जाती है और काफी गैस व्यर्थ चली जाती है। हमेशा बर्नर के आकार के अनुसार ही बर्तन का इस्तेमाल करें। इससे गैस की गर्मी सीधे बर्तन तक पहुंचेगी और ईंधन की बचत होगी।

प्रेशर कुकर का ज्यादा इस्तेमाल करें

गैस बचाने का सबसे प्रभावी तरीका है प्रेशर कुकर का उपयोग। दाल, चावल, सब्जियां और कई अन्य व्यंजन कुकर में जल्दी पक जाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार प्रेशर कुकर का इस्तेमाल करने से 30 से 50 प्रतिशत तक गैस की बचत की जा सकती है। कई लोग जल्दी खाना बनाने के लिए गैस को हमेशा हाई फ्लेम पर रखते हैं। लेकिन इससे खाना समान रूप से नहीं पकता और गैस की खपत भी बढ़ जाती है। सब्जियां और मसाले भूनने के बाद मध्यम या धीमी आंच पर पकाना ज्यादा फायदेमंद होता है। इससे स्वाद भी बेहतर रहता है और गैस की बचत भी होती है।

गैस लीकेज की जांच करते रहें

यदि सभी सावधानियों के बावजूद आपका सिलेंडर जल्दी खत्म हो रहा है तो गैस पाइप और रेगुलेटर की जांच जरूर कराएं। पाइप में दरार या रेगुलेटर की खराबी के कारण धीरे-धीरे गैस लीक होती रह सकती है। यदि रसोई में गैस जैसी गंध महसूस हो तो तुरंत जांच करवाएं। फ्रीजर से निकाले गए खाद्य पदार्थों को तुरंत पकाने से उन्हें सामान्य तापमान तक आने में ज्यादा समय लगता है और गैस की खपत बढ़ जाती है। बेहतर होगा कि ऐसे खाद्य पदार्थों को पहले कुछ देर कमरे के तापमान पर रखें और फिर पकाएं।

एक साथ खाना बनाने की आदत डालें

अगर संभव हो तो एक ही समय में दिन के कई व्यंजनों की तैयारी करें। इससे बार-बार गैस जलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और ईंधन की बचत होगी। योजनाबद्ध तरीके से खाना बनाना गैस बचाने का आसान और असरदार तरीका माना जाता है। एलपीजी गैस बचाने के लिए किसी बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होती। बस रोजमर्रा की कुछ अच्छी आदतें अपनाकर आप गैस की खपत को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

बर्नर की सफाई, सही आंच का इस्तेमाल, प्रेशर कुकर का उपयोग और गैस लीकेज की नियमित जांच जैसे छोटे कदम आपके सिलेंडर को ज्यादा दिनों तक चलाने में मदद कर सकते हैं। इससे न केवल पैसे बचेंगे, बल्कि रसोई का बजट भी बेहतर तरीके से संभाला जा सकेगा।

फ्रिज में रखी ये चीजें जल्दी हो सकती हैं खराब, कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये आम गलती?

अक्सर लोग बाजार से फल, सब्जियां या खाने-पीने का सामान लाते ही उन्हें सीधे फ्रिज में रख देते हैं। ऐसा माना जाता है कि ठंडा तापमान हर चीज को लंबे समय तक ताजा बनाए रखता है, लेकिन सच इससे थोड़ा अलग है। कई खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं जिनकी गुणवत्ता, स्वाद और टेक्सचर फ्रिज में रखने से बिगड़ने लगती है। फूड एक्सपर्ट्स का मानना है कि कुछ चीजों को सामान्य तापमान पर रखने से वे ज्यादा समय तक बेहतर बनी रहती हैं। आइए जानते हैं ऐसी कौन-सी चीजें हैं जिन्हें बिना सोचे-समझे फ्रिज में रखना नुकसानदायक साबित हो सकता है।

टमाटर का स्वाद हो सकता है फीका

टमाटर को फ्रिज में रखने की गलती ज्यादातर घरों में की जाती है। ठंडे तापमान की वजह से इसका प्राकृतिक स्वाद कम होने लगता है और इसका गूदा दानेदार या मुलायम हो सकता है। अगर टमाटर पूरी तरह पके नहीं हैं, तो उन्हें कमरे के तापमान पर रखना ज्यादा अच्छा माना जाता है।

आलू में बदल सकता है स्वाद

आलू को फ्रिज में रखने से उसमें मौजूद स्टार्च शुगर में बदलने लगता है। इसका असर न सिर्फ स्वाद पर पड़ता है, बल्कि पकाने के बाद उसकी बनावट भी बदल सकती है। आलू को हमेशा सूखी, ठंडी और अंधेरी जगह पर स्टोर करना बेहतर रहता है।

प्याज में बढ़ सकती है नमी

फ्रिज में रखी प्याज जल्दी नरम पड़ सकती है। अधिक नमी की वजह से इसमें फफूंदी लगने का खतरा भी बढ़ जाता है। प्याज को ऐसी जगह रखना चाहिए जहां हवा का अच्छा प्रवाह हो और नमी कम हो।

लहसुन की क्वालिटी हो सकती है खराब

लहसुन को फ्रिज में रखने से उसमें जल्दी अंकुर निकल सकते हैं। इसके अलावा इसकी खुशबू और स्वाद भी प्रभावित हो सकता है। लहसुन को हमेशा सूखी और ठंडी जगह पर स्टोर करना बेहतर माना जाता है।

केला जल्दी काला पड़ सकता है

केला कमरे के तापमान पर बेहतर तरीके से पकता है। फ्रिज में रखने से इसका छिलका काला पड़ सकता है और पकने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। हालांकि अगर केला पूरी तरह पक चुका है, तो उसकी शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए कुछ समय के लिए फ्रिज में रखा जा सकता है।

ब्रेड जल्दी हो सकती है बासी

बहुत से लोग ब्रेड को खराब होने से बचाने के लिए फ्रिज में रख देते हैं, लेकिन ऐसा करने से ब्रेड जल्दी सूखने लगती है और उसका स्वाद भी बदल सकता है। अगर ब्रेड एक-दो दिन में इस्तेमाल करनी है तो उसे एयरटाइट कंटेनर में रखना बेहतर होता है।

शहद को फ्रिज की जरूरत नहीं

शहद प्राकृतिक रूप से लंबे समय तक सुरक्षित रहता है। फ्रिज में रखने से इसमें क्रिस्टल बनने लगते हैं और यह जम सकता है, जिससे इसका इस्तेमाल करना मुश्किल हो जाता है। शहद को हमेशा सामान्य तापमान पर बंद डिब्बे में रखें।

कॉफी की खुशबू हो सकती है गायब

कॉफी बहुत जल्दी आसपास की नमी और गंध को सोख लेती है। फ्रिज में रखने से इसकी असली खुशबू और स्वाद प्रभावित हो सकता है। इसे एयरटाइट कंटेनर में ठंडी और सूखी जगह पर रखना सबसे अच्छा ऑप्शन है।

एवोकाडो को पकने दें नेचुरल तरीके से

अगर एवोकाडो अभी कच्चा है तो उसे फ्रिज में रखने से बचना चाहिए। ठंडे तापमान के कारण उसका पकना धीमा हो जाता है और सही टेक्सचर नहीं बन पाता। इसे किचन काउंटर पर रखना ज्यादा बेहतर माना जाता है।

गर्मियों में स्टोरेज के दौरान रखें इन बातों का ध्यान

गर्मी के मौसम में आलू, प्याज और लहसुन को घर की सबसे ठंडी और हवादार जगह पर रखें। टमाटर को जरूरत के हिसाब से बाहर रखें और ज्यादा पक जाने पर ही कुछ समय के लिए फ्रिज में स्टोर करें। केले को सीधी धूप से बचाकर रखें और पूरी तरह पकने के बाद ही फ्रिज में रखें। वहीं शहद और कॉफी जैसी चीजों को हमेशा एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें ताकि उनका स्वाद और गुणवत्ता बनी रहे।

छोटी सी सावधानी बचा सकती है स्वाद और सेहत

फ्रिज का इस्तेमाल जरूरी है, लेकिन हर चीज को उसमें रखना समझदारी नहीं है। सही स्टोरेज न सिर्फ खाने की गुणवत्ता बनाए रखता है बल्कि उसका स्वाद और पोषण भी लंबे समय तक सुरक्षित रखता है। इसलिए अगली बार कोई सामान फ्रिज में रखने से पहले यह जरूर सोचें कि उसे वास्तव में ठंडे तापमान की जरूरत है या नहीं।

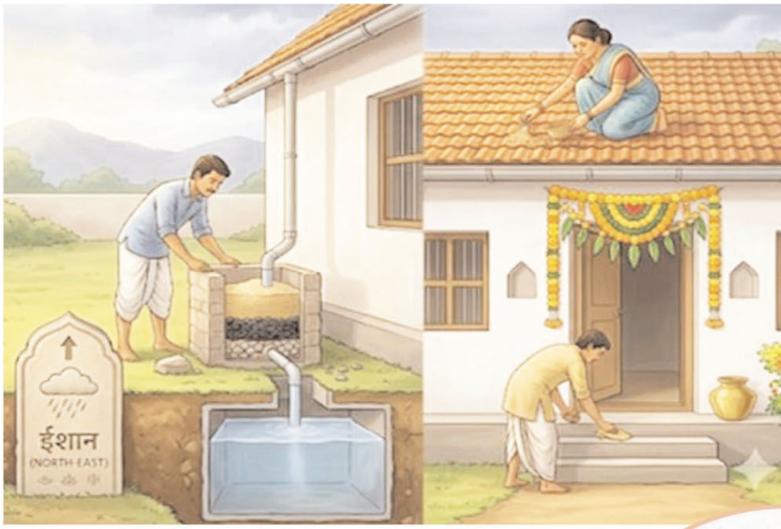

भारत में मॉनसून का मौसम शायद सबसे ज़्यादा पसंद किया जाने वाला और जिसका बेसब्री से इंतज़ार किया जाता है, ऐसा मौसम है। देश की खेती-बाड़ी और लोगों की खाने-पीने की सुरक्षा समय पर होने वाली बारिश पर निर्भर करती है। यह हरियाली तीज, गणेश चतुर्थी, जन्माष्टमी और रक्षाबंधन जैसे कई त्योहारों का मौसम है। अगर आप इन त्योहारों के लिए अपने घर को तैयार करना चाहते हैं, तो मॉनसून के मौसम के लिए यहां कुछ वास्तु टिप्स दिए गए हैं।

मॉनसून से पहले

सुधार लो घर की ये कमियां, होगी खुशियों की बौछार और धन की बारिश

मॉनसून के लिए आसान वास्तु टिप्स

पॉजिटिव एनर्जी और ताजी हवा लाएं - वास्तु शास्त्र के अनुसार, उत्तर और उत्तर-पूर्व दिशाएं जल तत्व को दर्शाती हैं। कुबेर और वरुण, जो दोनों ही समृद्धि और भरपूरता के प्रतीक हैं, इन दिशाओं के स्वामी हैं। इन दिशाओं में खिड़कियां खुली रखने से पॉजिटिव एनर्जी और ताजी हवा घर में आ सकती है।

प्रकृति से मेल खाते रंग

अगर आप अपने घर को फिर से सजा रहे हैं या कुशन कवर, गलीचे या पर्दे बदलने जैसे छोटे-मोटे बदलाव कर रहे हैं, तो हरे रंग का ज्यादा इस्तेमाल करने के बारे में सोचें। वास्तु शास्त्र के अनुसार, यह एक सुखद रंग है और घर में शांति और खुशी लाता है। घर को रोशन और जीवंत बनाने के लिए पीले और क्रीम जैसे चमकीले रंगों के साथ इसे मिलाएं।

घर का रखरखाव

वास्तु शास्त्र घर में तत्वों के संतुलन पर जोर देता है। दक्षिण और दक्षिण-पूर्व दिशाएं अग्नि तत्व का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसीलिए रसोईघर को इन दिशाओं में बनाना सबसे अच्छा माना जाता है। चूंकि मॉनसून की बारिश जल तत्व का आनंद लेने का समय है, इसलिए दक्षिण और दक्षिण-पूर्व की खिड़कियों को बंद रखना सबसे अच्छा है, ताकि इन दिशाओं से बारिश का पानी अंदर न आ सके।

लीकेज ठीक करें

बारिश देश में खुशहाली, समृद्धि और भरपूरता लाती है। वे परिवार में आर्थिक लाभ का भी संकेत देती हैं। लीक होने वाले पाइप और नल घर की आर्थिक स्थिति पर लगातार तनाव का संकेत देते हैं। घर में पॉजिटिव एनर्जी को बढ़ाने के लिए इन्हें ठीक करना जरूरी है। टपकते नल और टोंटी परिवार के सदस्यों की सेहत पर भी बुरा असर डालते हैं और आपके यूटिलिटी बिल को भी बढ़ाते हैं, इसलिए इन्हें ठीक करना जरूरी है।

अगरबत्ती का जादू

कई घरों में अगरबत्ती या धूप जलाना आम बात है। मॉनसून के दौरान कपूर, लोबान, चंदन और रोजवुड जलाना वास्तु के हिसाब से बहुत अच्छा माना जाता है। इनसे न सिर्फ़ अच्छी किस्मत और पॉजिटिव वाइब्स आती हैं, बल्कि ये नैचुरल खुशबू भी देते हैं जिससे घर महकता रहता है। आप अपनी रोज की पूजा-पाठ में अगरबत्ती जलाने को भी शामिल कर सकते हैं।

हरियाली बढ़ाएं

गर्मी का मौसम बीत चुका है, इसलिए घर में सुंदर पौधे लाने का यह सही समय है। ऐसे पौधे चुनें जिनकी देखभाल आसान हो और जो घर में जान डाल दें। अच्छी किस्मत के लिए क्लोवर, मनी प्लांट और लेमन ग्रास जैसे गमले वाले पौधे घर में रखें। इस मौसम में आप लिविंग रूम या डाइनिंग टेबल पर ताजे और रंग-बिरंगे फूल भी रख सकते हैं।

आस-पास साफ़-सफ़ाई रखें

रुका हुआ पानी बीमारी, आर्थिक नुकसान और दुर्भाग्य की वजह बनता है। पूरे देश में यह आम मान्यता है और वास्तु के नियमों में भी इसे सही माना गया है। बारिश के मौसम में पानी का जमा होना बड़ी समस्या बन जाता है और इससे मच्छर व कीड़े-मकोड़े भी पनपते हैं। घर या बिल्डिंग के आस-पास जमा पानी साफ़ करें, चूहों के बनाए छोटे गड्ढे या बिल भर दें और अच्छी किस्मत के लिए साफ़-सफ़ाई बनाए रखें।

घर के अंदर सूखा और आरामदायक माहौल

मॉनसून के मौसम में नमी का स्तर बढ़ जाता है और कपड़े सुखाने जैसी रोजमर्रा की गतिविधियां मुश्किल हो जाती हैं। घर में सीलन और नमी वाली बदबू से नेगेटिव एनर्जी जमा हो जाती है। जब भी हो सके, ताजी हवा और धूप आने दें।

पुरानी जींस को फेंकने की बजाय बनाएं ये 5 यूजफुल चीजें, घर आए मेहमान भी करेंगे तारीफ

अलमारी में पड़ी पुरानी या फिट न आने वाली जींस को अक्सर लोग बेकार समझकर फेंक देते हैं या किसी कोने में रख छोड़ते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यही पुरानी डेनिम आपके घर की सजावट में नया चार्म जोड़ सकती है? डेनिम का कपड़ा मजबूत, टिकाऊ और लंबे समय तक चलने वाला होता है, इसलिए इसे दोबारा इस्तेमाल करके कई खूबसूरत और काम की चीजें बनाई जा सकती हैं। अगर आप भी छ्ढ्ढ्ड्ड (छ्श्ढ्ढ्ल ड्डश्चह्यह्यद्बद्घद्ध) और होम डेकोर के शौकीन हैं, तो ये आसान आइडियाज आपके बहुत काम आएंगे।

स्टाइलिश डेनिम कुशन कवर

पुरानी जींस से बने कुशन कवर आपके लिविंग रूम को मॉडर्न और यूनिक लुक दे सकते हैं।

कैसे बनाएं?

जींस के पैरों वाले हिस्से को कुशन के आकार के अनुसार काट लें।

तीन तरफ से सिलाई करें और एक तरफ जिपर या बटन लगा दें।

चाहें तो अलग-अलग डेनिम के टुकड़ों से पैचवर्क डिजाइन भी बना सकते हैं।

रस्टिक डेनिम टेबल रनर

डाइनिंग या सेंटर टेबल को नया लुक देने के लिए डेनिम टेबल रनर बेहतरीन विकल्प है।

कैसे बनाएं?

जींस के लंबे हिस्से को बराबर पट्टियों में काटें।

इन पट्टियों को जोड़कर लंबा रनर तैयार करें।

चाहें तो किनारों पर लेस या रंगीन धागे से सजावट भी कर सकते हैं।

वॉल पॉकेट ऑर्गनाइजर

जींस की मजबूत जेबें छोटी-छोटी चीजों को व्यवस्थित रखने के लिए बेहद काम आती हैं।

कैसे बनाएं?

जींस की पीछे वाली जेबों को कपड़े सहित काट लें।

इन्हें किसी मोटे कपड़े या डेनिम के बड़े टुकड़े पर सिल दें।

ऊपर हैंगर या लकड़ी की रॉड लगाकर दीवार पर टांग दें।

इसमें आप चाबियां, मोबाइल, चश्मा, पेन, रिमोट या चार्जर जैसी चीजें आसानी से रख सकते हैं।

डेनिम प्लांटर कवर

अगर आपके घर में इंडोर प्लांट्स हैं, तो पुराने गमलों को स्टाइलिश लुक देने के लिए डेनिम कवर बना सकते हैं।

कैसे बनाएं?

जींस की मोहरी को गमले की ऊंचाई के अनुसार काट लें।

इसे गमले के ऊपर कवर की तरह चढ़ा दें।

चाहें तो बटन, लेस या रस्सी से इसे और आकर्षक बना सकते हैं।

खूबसूरत डोर हैंगिंग

पुरानी जींस से बनी डोर हैंगिंग आपके घर के प्रवेश द्वार को क्रिएटिव और आकर्षक बना सकती है।

कैसे बनाएं?

डेनिम के कपड़े को त्रिकोण, दिल या अन्य पसंदीदा आकार में काट लें।

इन्हें मजबूत धागे या सुतली में पिरो दें।

बीच-बीच में रंग-बिरंगे मोती, लकड़ी के बीड्स या छोटी घंटियां लगाकर सजाएं।

पुरानी जींस को बेकार समझकर फेंकने के बजाय आप उसे नए और उपयोगी होम डेकोर आइटम में बदल सकते हैं। इससे न सिर्फ घर को नया और स्टाइलिश लुक मिलेगा, बल्कि पुराने कपड़ों का दोबारा इस्तेमाल कर आप पर्यावरण संरक्षण में भी अपना योगदान दे सकेंगे।

मानसून में सीलन और बदबू से परेशान ?

मानसून गर्मी से राहत तो देता है, लेकिन इसके साथ घरों में दुर्गंध की समस्या भी बढ़ जाती है। बढ़ी हुई नमी, कम वेंटिलेशन और लंबे समय तक बनी रहने वाली सीलन के कारण अच्छी तरह साफ-सुथरे घर भी नम और बदबूदार महसूस हो सकते हैं डॉ. तुषार नवले, आरएंडडी प्रमुख - एयर फ्रेशनर्स एवं डियोडोरेंट्स ने कहा । भारत के कई हिस्सों में बारिश के मौसम के दौरान ह्यूमिडिटी का स्तर काफी अधिक रहता है। कपड़ों को सूखने में ज्यादा समय लगता है, खिड़कियां लंबे समय तक बंद रहती हैं और नमी कपड़ों तथा विभिन्न सतहों में समा जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि नियमित सफाई के बावजूद घर उतना आरामदायक नहीं लगता। इसका कारण सीधा है। नम वातावरण में बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया, फफूंदी और सीलन तेजी से पनपते हैं। परदे, कालीन, कुशन और बिस्तर जैसी मुलायम वस्तुएं हवा की नमी को सोख लेती हैं। वहीं, गीले जूते-चप्पल, छतरियां और नम कपड़े जैसी रोजमर्रा की मानसूनी चीजें भी समस्या को बढ़ा देती हैं।

अच्छी वेंटिलेशन भी जरूरी

इस मौसम में घर को ताजगीभरा बनाए रखने के लिए केवल सफाई ही पर्याप्त नहीं है। अच्छी वेंटिलेशन व्यवस्था, गीली वस्तुओं को तुरंत सुखाना और नियमित रखरखाव पहली सुरक्षा पंक्ति हैं। इसके साथ ही यह समझना भी जरूरी है कि घर के अलग-अलग हिस्सों में दुर्गंध की समस्याएं अलग होती हैं और उनके लिए अलग-अलग एयर केयर समाधानों की आवश्यकता पड़ सकती है।

बाथरूमः लगातार बनी रहने वाली सीलन की बदबू से निपटना

बाथरूम ऐसे स्थान हैं जहां नमी का असर सबसे पहले दिखाई देता है। पानी के लगातार संपर्क और सीमित वायु प्रवाह के कारण यहां बार-बार दुर्गंध की समस्या हो सकती है, खासकर जब बारिश लगातार हो रही हो। बाथरूम फ्रेशनर जैसे लगातार खुशबू देने वाले उत्पाद यहां बेहतर काम करते हैं, क्योंकि वे पूरे दिन वातावरण को ताजा बनाए रखने में मदद करते हैं। नींबू और संतरे जैसी सिट्रस खुशबु विशेष रूप से प्रभावी होती हैं, क्योंकि इन्हें आमतौर पर स्वच्छता और ताजगी से जोड़ा जाता है।

लिविंग रूमः साझा जगहों में सीलन की गंध को नियंत्रित करना

लिविंग रूम की चुनौती अलग होती है। सोफा, परदे और कालीन समय के साथ नमी सोख लेते हैं, जिससे हल्की सी सीलन की गंध पैदा हो सकती है, जो पूरे कमरे के माहौल को प्रभावित करती है। तुरंत ताजगी के लिए रूम स्प्रे उपयोगी होते हैं, खासकर जब मेहमान आने वाले हों या कमरे को जल्दी से तरोताजा करना हो। वहीं, लंबे समय तक ताजगी बनाए रखने के लिए ऑटोमैटिक फ्रेगरेंस डिस्पेंसर उपयोगी साबित हो सकते हैं। लिविंग रूम में खुशबू का चुनाव मनचाहा माहौल बनाने के अनुसार किया जा सकता है। एक्वाटिक और सिट्रस खुशबु कमरे को हल्का और तरोताजा महसूस कराती हैं, जबकि लैवेंडर आरामदायक वातावरण बनाने में मदद करता है। हल्की फूलों की खुशबू गर्मजोशी और ऊर्जा का एहसास देती है, जिससे परिवार और मेहमानों के लिए एक अच्छा माहौल बनता है।

किचनः खाना पकाने की गंध से तुरंत छुटकारा

किचन में नमी, भोजन की तेज सुगंध, कचरे से आने वाली बदबू और कभी-कभी फफूंदी या सीलन की गंध एक साथ मौजूद हो सकती है। इसलिए दुर्गंध नियंत्रण के लिहाज से यह घर के सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सों में से एक है। मानसून के दौरान कम वायु प्रवाह के कारण खाना पकाने की गंध सामान्य से अधिक समय तक बनी रह सकती है। ऐसी स्थिति में तुरंत असर करने वाले रूम स्प्रे सबसे व्यावहारिक विकल्प होते हैं। खाना बनाने के तुरंत बाद इनका उपयोग करके वातावरण को तरोताजा किया जा सकता है और स्वच्छता का एहसास वापस लाया जा सकता है। सिट्रस और ग्रीन नोट्स वाली खुशबु किचन के लिए विशेष रूप से उपयुक्त होती हैं, क्योंकि वे इस स्थान के साथ स्वाभाविक रूप से मेल खाती हैं और भोजन तैयार होने के बाद वातावरण को हल्का एवं साफ-सुथरा महसूस कराती हैं।

बेडरूमः आरामदायक माहौल तैयार करना

बेडरूम में हल्की और संतुलित खुशबू सबसे बेहतर रहती है। नम कपड़े और बंद खिड़कियां कभी-कभी कमरे को बासी महसूस करा सकती हैं, लेकिन बहुत तेज खुशबू आराम और विश्राम के लिए बने इस स्थान में बाधा भी बन सकती है। प्लग-इन एयर फ्रेशनर पूरे दिन लगातार खुशबू बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। लैवेंडर बेडरूम के लिए लोकप्रिय विकल्प है, क्योंकि इसे शांति और सुकून से जोड़ा जाता है। वहीं, हल्की फूलों की खुशबु भी आरामदायक और सुकूनभरा माहौल तैयार करती हैं।

एक घर, अलग-अलग जरूरतें

घरेलू खुशबू से जुड़ी सबसे आम गलतफहमियों में से एक यह है कि एक ही समाधान घर के हर कमरे के लिए समान रूप से प्रभावी होगा। वास्तव में, घर के हर हिस्से में दुर्गंध के कारण और उपयोग का तरीका अलग होता है। बाथरूम में लगातार दुर्गंध नियंत्रण की आवश्यकता होती है, किचन में खाना बनाने के बाद तुरंत समाधान की जरूरत पड़ती है, जबकि लिविंग रूम और बेडरूम में ऐसी खुशबू वाले उत्पाद अधिक उपयुक्त होते हैं जो लंबे समय तक ताजगी और आरामदायक माहौल बनाए रखें। इन अंतर को समझकर उपभोक्ता बेहतर निर्णय ले सकते हैं और पूरे घर में अधिक सुखद वातावरण बना सकते हैं।

इस मानसून घर को बनाएं और अधिक स्वागतयोग्य

मानसून में नमी से पूरी तरह बचना संभव नहीं है, लेकिन दुर्गंध से जरूर बचा जा सकता है। नमी को नियंत्रित करने की सरल आदतों और कमरे के अनुसार सही एयर केयर उत्पादों के उपयोग से घर को अधिक साफ, हल्का और आमंत्रित करने वाला बनाया जा सकता है। आखिरकार, एक ऐसा घर जो ताजा महकता हो और आरामदायक महसूस हो, वह मानसून के सबसे नम दिनों को भी अधिक आनंददायक बना सकता है।

तलवार हमारी और गला आपका होगा' : ; क्या ईरान में बढ़ेगा सत्ता संघर्ष?

कट्टरपंथी गुट ने पेजेशकियन को दी चेतावनी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के बाद देश में सत्ता संघर्ष तेज हो गया है। लंबे समय तक देश का नेतृत्व करने वाले खामेनेई को अंतिम विदाई देने का कार्यक्रम शांतिपूर्ण होना था। लेकिन इसके बजाय वहां सत्ता की अंदरूनी लड़ाई खुलकर सामने आ गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, कट्टरपंथी गुट राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और उन वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ हो गए हैं, जिन पर अमेरिका के साथ शांति वार्ता करने का आरोप है।

खामेनेई के जनाजे में दिखा गुस्सा अब ईरान की राजनीति तक पहुंच गया है। नेताओं पर विश्वासघात, तख्तापलट की साजिश और आत्मसमर्पण जैसे गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं।

जब राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन तेहरान में खामेनेई के ताबूत के साथ चल रहे थे, तब वहां मौजूद कुछ लोगों ने सिर्फ शोक नहीं मनाया, बल्कि राष्ट्रपति के खिलाफ भी नारे लगाए। भीड़ ने 'समझौता करने वालों की मौत हो' जैसे नारे लगाए।

विदेश मंत्री अब्बास अराघची को भी जनाने के दौरान विरोध का सामना करना पड़ा, , जिन्होंने अमेरिकी प्रशासन के साथ संघर्ष विराम पर बातचीत की थी और सीमित प्रतिबंधों में राहत दिलाने में भूमिका निभाई थी। प्रदर्शनकारियों ने उन पर पत्थर फेंके और उन्हें 'देश बेचने वाला गद्दार' कहा। इसके बाद उन्हें वहां से जाना पड़ा।

इन घटनाओं से साफ हुआ कि ईरान के कट्टरपंथी गुटों में नाराजगी बढ़ रही है। उनका मानना है कि देश के नेताओं ने खामेनेई की क्रांतिकारी सोच छोड़कर अमेरिका के साथ समझौता किया, जबकि उन्हें उनकी मौत का बदला लेना चाहिए था।

सियासी संकट को और बढ़ाने वाली बात यह है कि नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दे रहे हैं। उन्होंने अपने पिता के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है। लेकिन अब तक बहुत कम सार्वजनिक रूप से सामने आए हैं। उनकी चुप्पी से कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ कट्टरपंथी सवाल उठा रहे हैं कि क्या वह शासन चलाने की स्थिति में नहीं हैं या फिर उनके आसपास के अधिकारी उनकी गैरमौजूदगी में सत्ता संभाल रहे हैं।

सख्त रुख रखने वाले गुटों का आरोप है कि राष्ट्रपति पेजेशकियन, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ और विदेश मंत्री अराघची नए सर्वोच्च नेता के निर्देशों का पूरी तरह पालन किए बिना बड़े फैसले ले रहे हैं। अमेरिका में रहने वाले ईरान मामलों के विशेषज्ञ आराश अजीजी ने कहा कि मोजतबा खामेनेई की गैरमौजूदगी के कारण दूसरे नेता देश का प्रमुख चेहरा बन गए हैं। उन्होंने कहा कि मोजतबा की लगातार गैरमौजूदगी का मतलब है कि लोगों की उन तक पहुंच नहीं है। इसी वजह से गालिबाफ और उनके सहयोगी देश की

कमान संभालते दिखाई दे रहे हैं। इसी कारण कट्टरपंथी गुट गालिबाफ और पेजेशकियन पर मोजतबा के खिलाफ तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप लगा रहे हैं। ये आरोप अब खुलकर लगाए जा रहे हैं। खामेनेई के जनाजे से कुछ दिन पहले सख्त रुख रखने वाले सांसद महमूद नबावियान ने एक्स पर लिखा, ईरान के लोगों को चेतावनी, क्या तख्तापलट होने वाला है? जनाजे के बाद उन्होंने फिर कहा, शहीद इमाम खामेनेई को विदाई देते समय हम उनके खून का बदला लेने का झंडा उठाते हैं और तख्तापलट के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं। कट्टरपंथियों का कहना है कि ईरान के नेता संसद को नजरअंदाज कर रहे हैं, अमेरिका से बातचीत के दौरान सर्वोच्च नेता के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं और देश की क्रांतिकारी संस्थाओं को कमजोर कर रहे हैं। एक अन्य कट्टरपंथी सांसद कामरान गजनफारी ने आरोप लगाया कि सत्ता को पारंपरिक संस्थाओं से हटाकर दूसरे संस्थानों की ओर ले जाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की भूमिका बढ़ाई जा रही है, जबकि सर्वोच्च नेता और संसद की भूमिका कम की जा रही है। उनके अनुसार, यही सियासी तख्तापलट है, जिसे धीरे-धीरे लागू किया जा रहा है।

सियासी आरोपों के साथ-साथ धमकियां भी दी जा रही हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, संघर्ष दोबारा शुरू होने से पहले सुरक्षा तंत्र से जुड़े मजहबी गायक मोहम्मद अली बख्शी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में राष्ट्रपति पेजेशकियन को खुली चेतावनी दी। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति महोदय, अगर नेता की शर्तें पूरी नहीं हुईं, तो हमारे हाथ में तलवार होगी और आपका गला होगा। उन्होंने यह भी कहा, हम आपकी जिंदगी को जहन्नुम बना देंगे। इन बयानों की काफी आलोचना हुई, लेकिन उनके खिलाफ किसी कानूनी कार्रवाई की जानकारी नहीं है। अमेरिका और ईरान के बीच हुआ संघर्ष विराम टूटने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है। संघर्ष विराम उस समय कमजोर पड़ने लगा, जब ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमले किए। इसके जवाब में अमेरिका ने कार्रवाई की। इसके बाद कट्टरपंथी गुटों ने समझौता पूरी तरह खत्म करने की मांग तेज कर दी।

हार्ट अटैक को लेकर हुआ बड़ा खुलासा, इन लोगों के दिल तक पहुंच रहा है ज्यादा माइक्रोप्लास्टिक

रोम, एजेंसी। सूक्ष्म प्लास्टिक कण (माइक्रोप्लास्टिक) आज दुनिया के सामने सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक है। ये समुद्रों, पीने के पानी, समुद्री भोजन और हमारी सांसों की हवा में तो पहले ही मिल चुके हैं। अब ये मानव शरीर के लगभग हर हिस्से- प्लेसेंटा (गर्भनाल) से लेकर मस्तिष्क तक में भी पाए जा रहे हैं।

इटली के शोधकर्ताओं द्वारा यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित एक नए अध्ययन ने इस सूची में एक और अंग जोड़ दिया है–हृदय को रक्त पहुंचाने वाली कोरोनरी धमनियां। हालांकि कोरोनरी रक्त में सूक्ष्म प्लास्टिक कण का मिलना चिंता का विषय है, लेकिन अध्ययन का सबसे दिलचस्प निष्कर्ष प्लास्टिक नहीं, बल्कि यह है कि ये वहां तक पहुंच कैसे रहे हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि धूम्रपान करने वाले लोगों में, धूम्रपान न करने वालों की तुलना में हृदय को रक्त पहुंचाने वाली धमनियों में सूक्ष्म प्लास्टिक और अति सूक्ष्म प्लास्टिक कण पाए जाने की आशंका छह गुना अधिक थी। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह रही कि जो लोग धूम्रपान करते थे और साथ ही अत्याधिक प्रदूषित माहौल में रहे, उनमें से हर व्यक्ति के रक्त में प्लास्टिक के कण पाए गए।

इसके विपरीत, जो लोग न तो धूम्रपान करते थे और न ही अधिक प्रदूषित माहौल में रहते थे, उनमें केवल 12.5 प्रतिशत लोगों के रक्त में ऐसे कण मिले। अपेक्षाकृत छोटे अध्ययन में भी यह अंतर बेहद उल्लेखनीय है। ये निष्कर्ष केवल धूम्रपान के एक और दुष्प्रभाव की पुष्टि नहीं करते, बल्कि एक नए निष्कर्ष भी सामने रखते हैं कि सिगरेट शायद सूक्ष्म प्लास्टिक कणों को शरीर के भीतर पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम भी हो सकती है। दशकों से वैज्ञानिक जानते हैं कि धूम्रपान हृदय और रक्त वाहिकाओं को कैसे नुकसान पहुंचाता है। तंबाकू के धुएं में हजारों ऐसे रसायन होते हैं, जो शरीर में सूजन बढ़ाते हैं, रक्त वाहिकाओं को क्षति पहुंचाते हैं, रक्त के थक्के बनने की आशंका बढ़ाते हैं और धमनियों में वसा जमा होने की प्रक्रिया को तेज कर देते हैं। नया अध्ययन संकेत देता है कि इन स्थापित जोखिमों के साथ-साथ एक और प्रक्रिया भी काम कर सकती है। सिगरेट के धुएं में अत्यंत सूक्ष्म कण बड़ी मात्रा में होते हैं, जो फेफड़ों के सबसे भीतर तक पहुंच जाते हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि सांस के जरिए अंदर गए सूक्ष्म प्लास्टिक और अति सूक्ष्म प्लास्टिक इन्हीं कणों के साथ फेफड़ों की एल्वियोली को पार कर पहले की तुलना में कहीं अधिक आसानी से रक्त प्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं। वायु प्रदूषण भी इसी तरह की प्रक्रिया को बढ़ावा दे सकता है। इसका यह अर्थ नहीं है कि रक्त में मिले सभी प्लास्टिक कण सीधे सिगरेट से आए हों, हालांकि अधिकांश सिगरेट फिल्टर प्लास्टिक आधारित सेलूलोज एसीटेट से बने होते हैं और उनका भी कुछ योगदान हो सकता है। दरअसल, धूम्रपान करने वाले लोग पहले से ही उस हवा में मौजूद सूक्ष्म प्लास्टिक कणों को सांस के जरिए अंदर लेते हैं, जो सिंथेटिक कपड़ों के रेशों, टायरों के घिसने, खराब हो चुकी प्लास्टिक पैकेजिंग और अनेक अन्य पर्यावरणीय स्रोतों से उत्पन्न होते हैं। संभव है कि धूम्रपान केवल इन कणों को फेफड़ों से रक्त प्रवाह तक पहुंचने का रास्ता आसान बना देता हो। अध्ययन में 61 ऐसे मरीजों को शामिल किया गया, जिनकी कोरोनरी एंजियोग्राफी की जा रही थी। शोधकर्ताओं ने तीन समूहों की तुलना की–हाल में दिल का दौरा झेल चुके लोग, स्थिर कोरोनरी धमनी रोग वाले मरीज और सामान्य कोरोनरी धमनियों वाले लोग। दिल का दौरा झेल चुके 84 प्रतिशत मरीजों के रक्त में सूक्ष्म प्लास्टिक और अति सूक्ष्म प्लास्टिक कण मिले। वहीं, दीर्घकालिक कोरोनरी धमनी रोग वाले मरीजों में यह आंकड़ा 40 प्रतिशत और सामान्य कोरोनरी धमनियों वाले लोगों में 32 प्रतिशत रहा।

नेपाल के सिक्कों से हटेगा विवादित नक्शा

एक-दो रुपये के कॉइन पर दिखेगा 7वीं सदी का मठ

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने एक और दो रुपये के सिक्कों पर बड़ा बदलाव करने का

फैसला किया है। अब इन सिक्कों से नेपाल का नया राजनीतिक नक्शा हटाकर उसकी जगह सातवीं शताब्दी के ऐतिहासिक 'लो ग्याकर (घार) मोनेस्ट्री' (मठ) की तस्वीर अंकित की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों ने इस ऐतिहासिक फैसले की पुष्टि की है। इस सप्ताह की शुरुआत में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में नेपाल राष्ट्र बैंक को एक और दो रुपये मूल्यवर्ग के नए डिजाइन के सिक्के जारी करने की मंजूरी दे दी गई। गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में सिक्कों के डिजाइन में बदलाव का यह अंतिम फैसला लिया गया, जिसके बाद गृह मंत्रालय और केंद्रीय बैंक को आगे की कार्रवाई के लिए निर्देश भेज दिए गए हैं।

नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रवक्ता गुरुप्रसाद पौडेल ने बताया कि सरकार की मंजूरी मिलने का साफ मतलब है कि सिक्कों का डिजाइन अब बदल चुका है। सूचना एवं संचार मंत्रालय ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि नए सिक्कों में सुरक्षा के बेहतर इंतजाम और नए डिजाइन शामिल होंगे, जिससे कम मूल्यवर्ग की मुद्रा का प्रबंधन आसान हो जाएगा। नेपाल राष्ट्र बैंक अब मुस्टंग जिले के मारंग गांव में स्थित 7वीं सदी के लो ग्याकर (घार) मोनेस्ट्री की तस्वीर को सिक्कों के अग्रभाग पर उकेरने की तैयारी कर रहा है। यह मठ नेपाल का सबसे पुराना मठ माना जाता है। मान्यता है कि इस ऐतिहासिक मठ का निर्माण गुरु पद्मसंभव ने करवाया था। सिक्कों पर इस मठ की तस्वीर आने के बाद साल 2020 में जारी किया गया नेपाल का विवादित राजनीतिक नक्शा अपने आप सिक्कों से हट जाएगा। आपको बता दें कि नेपाल के संविधान संशोधन के बाद लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी क्षेत्रों को शामिल कर साल 2078 (विक्रम संवत) में 'चुच्चे' (नकीला) नक्शे वाला सिक्का जारी किया गया था। अब करीब पांच साल बाद इस नक्शे को सिक्कों से पूरी तरह हटा दिया जाएगा। नेपाल सरकार ने एक और दो रुपये के सिक्कों के नए डिजाइन को आधिकारिक तौर पर हरी झंडी दे दी है। नक्शा हटाने का फैसलाः साल 2020 में जारी किए गए नए राजनीतिक नक्शे को अब सिक्कों से हटा दिया जाएगा। मठ को मिला स्थानः मुस्टंग के मारंग गांव में स्थित नेपाल के सबसे पुराने 'लो ग्याकर मठ' को सिक्कों पर जगह मिलेगी। सुरक्षा में सुधारः नेपाल राष्ट्र बैंक के अनुसार, नए सिक्कों में आधुनिक सुरक्षा फीचर्स जोड़े जाएंगे। पांच साल में बदलावः लिपुलेख और कालापानी वाले नए नक्शे के सिक्के करीब 5 साल तक चलन में रहने के बाद हटाए जा रहे हैं।

नेपाल सरकार के इस कदम को उसकी सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, राजनीतिक मोर्चे पर सिक्कों से उस नक्शे को हटाना एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जिसने कुछ साल पहले भारत और नेपाल के रिश्तों में तनाव पैदा कर दिया था। अब देखना यह है कि केंद्रीय बैंक इन नए सिक्कों को बाजार में कब तक जारी करता है।

सक्षिप्त समाचार

कनाडा में भारतीय मूल के ड्राइवर की संदिग्ध मौत, हत्या समेत किन पहलुओं पर हो रही जांच?

ओटावा, एजेंसी। कनाडा से एक बेहद हैरान और परेशान करने वाली खबर सामने आई है। ओंटारियो प्रांत के हैमिल्टन शहर में एक भारतीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक का शव एक सीवेज कलवर्ट (नाले की पुलिया) से बरामद हुआ है। इस खौफनाक वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। कनाडाई पुलिस ने इसे सीधे तौर पर होमिसाइड यानी हत्या का मामला मानकर तफ्तीश शुरू कर दी है। यह सनसनीखेज मामला बुधवार, 15 जुलाई का है। सुबह करीब 8 :15 बजे पुलिस को सूचना मिली। हैमिल्टन के फ्रूटलैंड रोड के उत्तरी छोर पर एक नाले में किसी का शव पड़ा था। पुलिस और इमरजेंसी क्रू तुरंत मौके पर पहुंचे। नाले से जब युवक को बाहर निकाला गया, तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त 29 वर्षीय तरनप्रीत सिंह सिद्धू के रूप में हुई है। तरनप्रीत साल 2022 में भारत से कनाडा आए थे। वह ब्रैम्पटन शहर में ट्रक ड्राइवर के तौर पर काम करते थे। इससे पहले वह हैलिफ़ैक्स में भी रह चुके थे। हैमिल्टन पुलिस अब पील रीजनल पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त रूप से इस मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने में जुट गई है। सीसीटीवी खंगालना : पुलिस की टीमें इलाके के डिजिटल एविडेंस, सर्विलांस फुटेज और सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाल रही हैं। संदेहास्पद गाड़ी : पुलिस को उस गाड़ी की तलाश है, जिससे शव को नाले तक लाया गया। हालांकि, अभी तक इस गाड़ी की कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। डिटेक्टिव्स तरनप्रीत के दोस्तों और गवाहों से पूछताछ कर रहे हैं, ताकि मौत से पहले के दिनों में उनकी हलचल का पता चल सके। जनता से मदद की अपील : पुलिस ने आम लोगों, पड़ोसियों और ड्राइवरों से अपील की है कि अगर उनके पास कोई भी डैशकैम या डोरबेल कैमरा फुटेज हो, तो तुरंत पुलिस को दें।

खामेनेई के किस बयान पर ईरान ने दी यूएस को चेतावनी? कहा- बात समझ आ गई हो तो तुरंत भाग जाएं अमेरिकी सैनिक

तेहरान, एजेंसी। ईरान की संसद में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका को एक नई चेतावनी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शनिवार को एक पोस्ट लिखी। पोस्ट में अजीजी ने कहा कि अगर अमेरिकी सैनिक ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के हालिया बयान का असली मतलब समझ लें, तो वे भागने में एक सेकंड भी बर्बाद नहीं करेंगे। खामेनेई ने हाल ही में अमेरिका को कभी न भूलने वाले सबक (अविस्मरणीय सबक) सिखाने की बात कही थी। अजीजी का यह बयान तेहरान और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया है। सर्वोच्च नेता खामेनेई का अमेरिका पर तीखा हमला इससे पहले ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने देश के नाम अपने संदेश में अमेरिका पर कड़ा प्रहार किया था। उन्होंने अमेरिका को 'महान शैतान' (ग्रेट सैटन) कहा। खामेनेई ने घोषणा की कि 14 सूत्रीय सहमति पत्र पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर पूरी तरह से बेकार और साखहीन हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर वाशिंगटन ने ईरान पर सैन्य हमले जारी रखे, तो ईरान और उसका 'प्रतिरोध मोर्चा' (रेसिस्टेंस फ्रंट) उसे ऐसे सबक सिखाएंगे जिन्हें वह कभी नहीं भूल पाएगा।

खामेनेई ने अमेरिका पर ईरान के साथ समझौतों का बार-बार उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन उल्लंघनों ने एक बार फिर वाशिंगटन की बेईमानी, अतार्किकता, अविश्वसनीयता और दुर्भावनापूर्ण व्यवहार को उजागर कर दिया है। खामेनेई के अनुसार, दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच हुए समझौते को अमेरिका ने बार-बार तोड़ा है। इससे यह बुनियादी सच सामने आ गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की कोई कीमत नहीं है। उन्होंने कहा कि जबरदस्ती, तानाशाही और क्रूरता अमेरिकी नीतियों के मुख्य हिस्से हैं। अमेरिकी हरकतों ने उसका असली और बेनकाब चेहरा सबके सामने ला दिया है। उन्होंने इसे अपराध और वादे तोड़ने का एक और उदाहरण बताया।

समझौता टूटने से बढ़ा पश्चिम एशिया में तनाव: ईरान और अमेरिका के बीच यह तनाव पिछले महीने हस्ताक्षरित 14 सूत्रीय सहमति पत्र (स्ब्स) के टूटने के बाद बढ़ा है। इस समझौते का उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच दुश्मनी को खत्म करना था। साथ ही इसके जरिए ईरान के परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) में समुद्री सुरक्षा पर बातचीत का रास्ता खोलना था। इस समझौते के टूटने से पश्चिम एशिया में संघर्ष फिर से शुरू हो गया है। अमेरिका ने ईरान के सैन्य और नागरिक ठिकानों पर हमले किए हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। खामेनेई ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिकी दुश्मन संघर्ष को और बढ़ाता है, तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी होगी।

पश्चिम एशिया संघर्षः अमेरिका ने दुनियाभर में अपने नागरिकों को किया सतर्क

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को दुनियाभर में यात्रा करने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए सतर्क रहने की चेतावनी जारी की। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण सुरक्षा की स्थिति जटिल बनी हुई है। अमेरिका और ईरान की ओर से क्षेत्र में बढ़ी सैन्य गतिविधियों के बीच अचानक हालात बिगड़ सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जारी बयान में दुनियाभर में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों, खासकर पश्चिम एशिया में मौजूद लोगों से अधिक सतर्क रहने और तेजी से बदल रहे सुरक्षा हालात की जानकारी लेते रहने की सलाह दी।

बयान में कहा गया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण जटिल सुरक्षा माहौल बना हुआ है और अचानक हालात बिगड़ने की आशंका है। मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी नागरिकों से कहा कि वे लगातार समाचार देखते रहें, ताकि नई जानकारी मिलती रहे। साथ ही, अपने सबसे नजदीकी अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास की ओर से जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें।

बयान में आगे कहा गया, हम क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को लगातार सावधानी बरतने की याद दिलाते हैं और उन्हें सलाह देते हैं कि वे ताजा घटनाक्रम की जानकारी के लिए समाचार देखते रहें। विदेश मंत्रालय दुनियाभर के अमेरिकी नागरिकों, खासकर पश्चिम एशिया में रहने वालों को अधिक सतर्क रहने की सलाह देता है।

हवाई सेवाओं पर असर की आशंका जताई: इस चेतावनी में यह भी कहा गया कि उड़ानों के रद्द होने और समय-समय पर हवाई क्षेत्र बंद किए जाने से यात्रा प्रभावित हो सकती है। क्षेत्र में जारी तनाव का असर हवाई सेवाओं पर भी पड़ रहा है।

इसके अलावा, विदेश मंत्रालय ने कहा कि पहले भी अमेरिकी राजनयिक कार्यालयों

को निशाना बनाया जा चुका है, जिनमें पश्चिम एशिया के बाहर स्थित कार्यालय भी शामिल हैं। मंत्राललय ने चेतावनी दी कि ईरान का समर्थन करने वाले समूह दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में अमेरिका के हितों या अमेरिका और अमेरिकी नागरिकों से जुड़े स्थानों को निशाना बना सकते हैं। बयान में कहा गया, अमेरिकी राजनयिक कार्यालयों को पहले निशाना बनाया गया है, जिनमें पश्चिम एशिया के बाहर स्थित कार्यालय भी शामिल हैं। ईरान का समर्थन करने वाले समूह दुनियाभर में अमेरिका के अन्य हितों या अमेरिका और अमेरिकी नागरिकों से जुड़े स्थानों को निशाना बना सकते हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। पिछले महीने दोनों देशों के बीच एक 14 बिंदुओं वाला समझौता हुआ था। इसका मकसद दोनों पक्षों के बीच संघर्ष समाप्त करना और आगे की बातचीत का रास्ता खोलना था। खासकर ईरान के परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री सुरक्षा जैसे मुद्दों पर बातचीत की योजना थी।

सात साल का इंतजार खत्म! सिंधू ने जापान ओपन जीतकर रचा इतिहास

टोक्यो। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने आखिरकार अपने लंबे खिताबी इंतजार को खत्म करते हुए जापान ओपन 2026 का महिला एकल खिताब जीत लिया। टोक्यो में खेले गए बीडब्ल्यूएफ सुपर-750 टूर्नामेंट के फाइनल में सिंधु ने मेजबान जापान की विश्व नंबर-तीन अकाने यामागुची को सीधे गेमों में 21-17, 21-17 से हराकर इतिहास रच दिया। करीब 50 मिनट तक चले मुकाबले में सिंधू ने शुरुआत से अंत तक आक्रामक खेल दिखाया और यामागुची को वापसी का मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ वह जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं।

सात साल बाद जीता सुपर-750 स्तर का खिताब

सिंधू के लिए यह जीत कई मायनों में खास रही। उन्होंने दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद पहली बार कोई बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब अपने नाम किया। वहीं, अगर सुपर-750 या उससे बड़े स्तर के टूर्नामेंट की बात करें तो सिंधू ने करीब सात साल बाद कोई बड़ा खिताब जीता है। उनका पिछला बड़ा खिताब 2019 विश्व चैंपियनशिप था, जिसमें उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था।

17-17 के बाद लगातार चार अंक

फाइनल का पहला गेम काफी रोमांचक रहा। एक समय स्कोर 17-17 से बराबर था, लेकिन इसके बाद सिंधु ने शानदार आक्रामक खेल दिखाते हुए लगातार चार अंक जीते और गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया। निर्णायक क्षणों में उन्होंने यामागुची को कोई मौका नहीं दिया।

नहीं दिया वापसी का मौका

दूसरे गेम में सिंधू ने शुरुआत से बढ़त बना ली। उन्होंने 8-3, फिर 14-7 और बाद में 16-12 की बढ़त हासिल कर मुकाबले पर पूरी पकड़ बनाए रखी। उनकी तेज रफ्तार, सटीक स्मैश और डिफेंस से अटैक में शानदार बदलाव के सामने यामागुची लगातार संघर्ष करती नजर आईं। आखिर में सिंधू ने दूसरा गेम भी 21-17 से जीतकर सीधे गेमों में मुकाबला समाप्त कर दिया।

पूरे टूर्नामेंट में दिखी पुरानी सिंधू

इस पूरे टूर्नामेंट में सिंधू ने शानदार लय दिखाई। उन्होंने सभी मुकाबले सीधे गेमों में जीते और विश्व की शीर्ष खिलाड़ियों को हराते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। फाइनल में भी उन्होंने अपनी पुरानी रणनीति और धैर्य के साथ खेलते हुए खिताब अपने नाम कर लिया।

यामागुची पर बढ़ाई बढ़त

सिंधू और अकाने यामागुची के बीच यह 30वीं भिड़ंत थी। इस जीत के बाद भारतीय स्टार ने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। दोनों खिलाड़ियों के बीच पिछले कुछ वर्षों में कई यादगार मुकाबले हुए हैं, लेकिन इस बार सिंधू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापानी स्टार को उनके घरेलू दर्शकों के सामने मात दी।

चैम्पियन बनने के बाद कर दी आलोचकों की बोलती बंद

पीवी सिंधु ने आंसुओं के साथ बयां किया 19 महीने का दर्द!

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व वर्ल्ड चैम्पियन पीवी सिंधु का जापान ओपन सुपर 750 का खिताब जीतना बेहद खास है। इस दमदार जीत के बाद उनकी आंखें नम हो गईं। इस टूर्नामेंट से पहले पीवी सिंधु को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। जिस पर अब उन्होंने अपनी चुप्पी तोड़ दी है। टोक्यो में खेले गए खिताबी मुकाबले में सिंधु ने दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची को सीधे गेमों में घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। इस धमाकेदार जीत के साथ ही सिंधु ने अपने करियर का पहला सुपर 750 खिताब जीतकर एक बार फिर शान से भारत का तिरंगा लहराया है।

जापान ओपन के फाइनल में पीवी सिंधु ने घरेलू स्टार अकाने यामागूची को सीधे गेमों में 21-17, 21-17 से शिकस्त दी। जैसे ही यामागूची का आखिरी शॉट कोर्ट से बाहर गिरा, सिंधु कोर्ट पर घुटनों के बल बैठ गईं। इसके साथ ही वहीं चेहरे को हाथों से ढककर फूट-फूटकर रोने लगीं। पीवी सिंधु की आंखों से निकलने वाले आंसू यह बताने के लिए काफी है कि यह जीत उनके लिए कितना मायने रखता है।

लोग पूछ रहे थे-सब खत्म हो गया

जीत के बाद पीवी सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ से बात करते हुए कहा कि मेरी आंखों में आंसू थे क्योंकि यह जीत मेरे लिए बेहद जरूरी थी। मैं खुद पर बहुत कड़ी मेहनत कर रही थी। बहुत से लोग पूछ रहे थे- क्या हो रहा है? क्या करियर खत्म हो गया? लेकिन मुझे खुद पर अपने परिवार और कोचों पर पूरा भरोसा था। इस जीत का श्रेय उन्होंने अपने कोच, माता-पिता और पति को दिया।

2019 के बाद हुआ ये करिश्मा

लंबे समय से पीवी सिंधु की झोली में कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं आई थी। साल 2019 के बाद पहली बार उन्होंने कोई सुपर 750 स्तर का टूर्नामेंट जीता है। उन्होंने कहा कि फाइनल खेलना एक बात है, लेकिन पोडियम पर खड़े होकर गोल्ड जीतना बिल्कुल अलग अहसास है। इससे मेरा आत्मविश्वास सातवें आसमान पर पहुंच गया है। इस जीत के साथ ही सिंधु अब दुनिया की नंबर 7 खिलाड़ी बनने के बेहद करीब पहुंच गई हैं। अगले महीने दिल्ली में वर्ल्ड चैम्पियनशिप होनी है। ऐसे में सिंधु अपनी इस फॉर्म को आगे भी बरकरार रखना चाहेगी।

30 की हुई स्मृति

बल्ले से लिख रही हैं भारतीय महिला क्रिकेट की नई कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना आज 30 साल की हो गई हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार रिकॉर्ड और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।भारतीय महिला क्रिकेट की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। आज महिला टीम के मुकाबलों में स्टेडियम दर्शकों से भरने लगे हैं और टीवी व डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी बड़ी संख्या में लोग मैच देखते हैं। इस बदलाव के पीछे जिन खिलाड़ियों का सबसे बड़ा योगदान माना जाता है, उनमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का नाम सबसे आगे आता है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार तकनीक और निरंतर प्रदर्शन के दम पर स्मृति मंधाना ने न केवल भारतीय टीम को कई यादगार जीत दिलाई हैं, बल्कि महिला क्रिकेट को नई पहचान भी दिलाई है। लोकप्रियता के मामले में वह देश के कई पुरुष क्रिकेटरों को भी कड़ी टक्कर देती हैं। मैदान पर अक्सर फैंस के बीच 'मंधाना... मंधाना...' के नारे उनकी बढ़ती लोकप्रियता की गवाही देते हैं।

बचपन से ही क्रिकेट से जुड़ाव

स्मृति मंधाना का जन्म 18 जुलाई 1996 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही क्रिकेट से जुड़ा रहा है। उनके पिता और भाई दोनों क्रिकेट खेल चुके हैं। इसी माहौल ने स्मृति को भी क्रिकेट की ओर प्रेरित किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनके पिता को बाएं हाथ के बल्लेबाज बेहद पसंद थे, इसलिए उन्होंने भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करना शुरू किया। महज नौ साल की उम्र में उन्हें महाराष्ट्र की अंडर-15 टीम में जगह मिल गई थी, जबकि 11 साल की उम्र में वह राज्य की अंडर-19 टीम का हिस्सा बन गईं।घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद स्मृति मंधाना ने 5 अप्रैल 2013 को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 मुकाबले से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और जल्द ही भारतीय महिला टीम की सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में शामिल हो गईं।

केर ने माइल दौड़ का 27 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

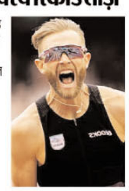

लंदन। ब्रिटेन के स्टार धावक जोश केर ने शनिवार को लंदन डायमंड लीग में पुरुषों की माइल (एक मील) दौड़ का 27 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच दिया। केर ने 3 मिनट 42.66 सेकेंड का समय निकालते हुए मोरक्को के महान धावक हिचाम एल गुएरूज का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले माइल दौड़ का विश्व रिकॉर्ड हिचाम एल गुएरूज के नाम था। उन्होंने 1999 में रोम में 3 मिनट 43.13 सेकेंड का समय दर्ज किया था। यह रिकॉर्ड पिछले 27 वर्षों से अटूट बना हुआ था, जिसे अब जोश केर ने तोड़ दिया। केर ने न केवल विश्व रिकॉर्ड बनाया, बल्कि रेस में भी पूरी तरह दबदबा कायम रखा। उन्होंने दूसरे स्थान पर रहे अमेरिका के यारेड नुगुसे को तीन सेकेंड से अधिक के अंतर से पीछे छोड़ा।

फीफा फुटबाल वर्ल्डकप-2026

ओलीसे ने पेले का 56 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, बेलिंगहम ने की माराडोना की बराबरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे स्थान के मुकाबले में भले ही फ्रांस को इंग्लैंड के हाथों 6-4 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इस मैच में दो ऐसे रिकॉर्ड बने, जिन्होंने फुटबॉल इतिहास में नई इबारत लिख दी। फ्रांस के विंगर माइकल ओलीसे ने 1970 से कायम पेले के सबसे ज्यादा असिस्ट के रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जबकि कप्तान किलियन एम्बाप्पे विश्व कप इतिहास के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। हालांकि, ये दोनों उपलब्धियां फ्रांस को जीत नहीं दिला सकीं और टीम चौथे स्थान पर रही। वहीं, इंग्लैंड के जूड बेलिंगहम ने भी अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर माराडोना की बराबरी की है।

बायर्न म्यूनिख के स्टार विंगर माइकल ओलीसे ने इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में एम्बाप्पे के दोनों गोल में असिस्ट किया। इसके साथ ही उनके नाम इस विश्व कप में कुल सात असिस्ट हो गए। इससे पहले एक विश्व कप के एक संस्करण में सबसे ज्यादा छह असिस्ट का रिकॉर्ड ब्राजील के महान खिलाड़ी पेले के नाम था, जिन्होंने 1970 विश्व कप में यह उपलब्धि हासिल की थी। यह रिकॉर्ड 56 वर्षों तक कायम रहा। ओलीसे ने टूर्नामेंट की शुरुआत से ही शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने सेनेगल के खिलाफ पहले मैच में एक, इराक और स्वीडन के खिलाफ दो-दो तथा इंग्लैंड के खिलाफ दो असिस्ट देकर नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया। हालांकि एक संस्करण में सबसे ज्यादा असिस्ट का रिकॉर्ड अब ओलीसे के नाम हो गया है, लेकिन विश्व कप इतिहास में कुल असिस्ट के मामले में अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी अब भी शीर्ष पर हैं।

रिकॉर्डों के बीच इंग्लैंड ने जीता कांस्य पदक

मैच आधुनिक विश्व कप इतिहास का सबसे ज्यादा गोल वाला तीसरे स्थान का मुकाबला बन गया। इंग्लैंड ने पहले हाफ में 4-0 की बढ़त बना ली थी। डेक्लन राइस ने तीसरे मिनट में खाता खोला, इसके बाद एजरी कोंसा ने बढ़त दोगुनी की। बुकायो साका ने दो और गोल दागकर हाफ टाइम तक स्कोर 4-0 कर दिया। दूसरे हाफ में फ्रांस ने शानदार वापसी की। एम्बाप्पे ने दो और ब्रैडली बारकोला ने एक गोल कर स्कोर 4-3 कर दिया। हालांकि, 87वें मिनट में साका ने पेनाल्टी पर हैट्रिक पूरी कर इंग्लैंड को राहत दिलाई। इंजरी टाइम में उस्मान डेम्बेले ने एक गोल जरूर किया, लेकिन 90+8वें मिनट में जूड बेलिंगहम ने गोल कर इंग्लैंड की 6-4 की ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी। इस हार के साथ फ्रांस के मुख्य कोच डिडिएर डेशां का 14 वर्षों का कार्यकाल भी समाप्त हो गया। दूसरी ओर, इंग्लैंड ने 1966 के बाद विदेशी धरती पर विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

एमबाप्पे बने विश्व कप के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी

इंग्लैंड के खिलाफ दो गोल दागकर किलियन एम्बाप्पे ने भी इतिहास रच दिया। उनके विश्व कप करियर में अब 22 गोल हो गए हैं और उन्होंने अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी (21) को पीछे छोड़ दिया।इंग्लैंड के जूड बेलिंगहम ने मैच के अंतिम क्षणों में गोल दागा और विश्व कप में किसी मिडफील्डर द्वारा सबसे ज्यादा गोल करने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

लंदन में एकसाथ खिलखिलाते दिखे रोहित-विराट और गंभीर

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर मौजूद भारतीय टीम ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग का दौरा किया। इस दौरान खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ का ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त कुमारन पेरियासामी और वहां मौजूद भारतीय प्रवासी समुदाय ने गर्मजोशी से स्वागत किया। यह मुलाकात खिलाड़ियों और सभी उपस्थित लोगों के लिए यादगार रही।

टीम इंडिया के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ का ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त कुमारन पेरियासामी ने भारतीय उच्चायोग में स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मौजूद भारतीय प्रवासी भी खिलाड़ियों से मिले और उनका उत्साह बढ़ाया।

कार्यक्रम के दौरान बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भी मौजूद लोगों को संबोधित किया। उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के सुनहरे दौर और कई यादगार टीमों से जुड़ी पुरानी यादों को साझा किया।

रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर अटकलों के बीच लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग से सामने आई यह तस्वीर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। तस्वीर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और मुख्य कोच गौतम गंभीर एक साथ ठहाके लगाते और हल्के-फुल्के अंदाज में नजर आ रहे हैं। मैदान के बाहर दिखी यह सहज मुस्कान ऐसे समय सामने आई है, जब रोहित के भविष्य और टीम में उनकी भूमिका को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं।इससे पहले, लॉर्ड्स में अभ्यास सत्र से पहले भारतीय टीम के खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ बालकनी में मौजूद थे। इसी दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कुछ मजाकिया इशारे किए, जिन्हें देखकर रोहित शर्मा अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उनके साथ मौजूद सपोर्ट स्टाफ के सदस्य भी ठहाके लगाते नजर आए। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं।

दूसरे वनडे के दौरान सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें सामने आई थीं कि लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के करियर का आखिरी वनडे हो सकता है। हालांकि, इन अटकलों पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने विराम लगा दिया। सैकिया ने स्पष्ट किया कि रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर चल रही खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक चयनकर्ताओं की योजनाओं में रोहित शामिल हैं, तब तक वह भारतीय टीम के लिए खेलते रहेंगे।